@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 20 नवम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 16 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री का प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान

'एक एकड़-एक मौसम' मॉडल अपनाने की सलाह

एजेंसी

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने और 'एक एकड़-एक मौसम' के चरणबद्ध मॉडल को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती 21वीं सदी की कृषि जरूरतों के अनुरूप है और यह भारत को वैश्विक स्तर पर रसायन-मुक्त कृषि का अग्रणी केंद्र बना सकती है। प्रधानमंत्री बुधवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर पीएम-किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के रूप में 9 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि भी हस्तांतरित की। उन्होंने कहा कि यह

सहायता किसानों को लागत कम करने और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने में मदद करेगी।

मोदी ने कहा कि प्राकृतिक खेती उनके दिल के बहुत करीब है और यह भारत की पारंपरिक, स्वदेशी कृषि पद्धति है जिसका आधार हमारे पूर्वजों का ज्ञान और प्रकृति के प्रति सम्मान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रसायनों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता कम हो रही है और खेती की लागत बढ़ रही है। समाधान फसल विविधीकरण और प्राकृतिक खेती में है। प्रधानमंत्री ने किसानों को सलाह दी कि वे एक एकड़ खेत में एक मौसम के लिए प्राकृतिक खेती शुरू करके इसका प्रभाव स्वयं देखें। उन्होंने कहा कि इस मॉडल से जोखिम कम होता है और किसान धीरे-धीरे संपूर्ण भूमि पर रसायन-मुक्त खेती कर सकते हैं। उन्होंने तमिलनाडु की प्राचीन कलिंगारायण नहर प्रणाली का उल्लेख करते हुए कहा कि दक्षिण भारत लंबे समय से जैविक और प्राकृतिक खेती का केंद्र रहा है। उन्होंने कोयंबटूर क्षेत्र की सराहना करते हुए कहा कि यहां की परंपराएं जैसे पंचगव्य, जीवामृत, बीजामृत और अच्छादान, मिट्टी को स्वस्थ रखते हैं और फसलों को रसायन-मुक्त बनाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन और तकनीकी सहायता प्रदान कर रही है।

छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव में खड़े ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो, पांच लोगों की मौत, दो गंभीर

पुलिस हादसे की असली वजहों का पता लगाने में जुटी है।

एजेंसी

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ में कोण्डागांव जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग - 30 पर मसोरा टोल नाका के पास हुए एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें स्कॉर्पियो वाहन खड़े ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस हादसे की असली वजहों का पता लगाने में जुटी है। कोण्डागांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो में सवार 12 लोग बड़ेडोंगर से कोण्डागांव फिल्म देखने आए थे और मंगलवार की देर रात करीब एक बजे वापस लौटते समय यह दर्दनाक हादसा हो गया । स्कॉर्पियो और ट्रक के बीच की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने स्कॉर्पियो ने लोगों को निकाला और पास के अस्पतालों में पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन इस बीच पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों की पहचान नूतन मांझी (18), शत्रुघ्न मांझी (26), लखनराम मंडावी (40), उपेंद्र मंडावी (17) और रूपेश

मंडावी (23) के रूप में हुई है। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए है, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए जगदलपुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों का उपचार कोण्डागांव जिला अस्पताल में ही जारी है। स्थानीय निवासी वैभव शर्मा का कहना है कि सबसे बड़ी लापरवाही नेशनल हाईवे की है। सड़क किनारे गलत तरीके से गाड़ियां खड़ी होती हैं। सरकार को इस बात से अवगत कराया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। टोल प्लाजा पर गार्ड रहने के बाद भी लोग बात नहीं मानते, गाड़ी खड़ी कर देते हैं। सिटी कोतवाली पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार और चालक को झपकी आने बताया जा रहा है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। मौके पर एम्बुलेंस और पुलिस टीम ने भी राहत व बचाव कार्य शुरू किया। शवों का पोस्टमार्टम करावाया जा रहा है।

भारतीय एयरोस्पेस मेडिसिन सोसायटी का 64वां वार्षिक समेलन 20-21 नवंबर को बेंगलुरु में

नई दिल्ली। इंडियन सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएएम) का 64वां वार्षिक सम्मेलन 20-21 नवंबर को बेंगलुरु के इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएएम) में होगा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह इस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 300 प्रतिनिधि भाग लेंगे। डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और इसरो के प्रमुख वैज्ञानिकों सहित संबद्ध संस्थानों के शोधकर्ता भी इसमें भाग लेंगे। कार्यक्रम में इतिहासकार अंचित गुप्ता एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी स्मारक व्याख्यान देंगे। एयर वाइस मार्शल दीपक गौड़ (सेवानिवृत्त) एयर वाइस मार्शल एमएम श्रीनागेश स्मारक व्याख्यान देंगे। सम्मेलन का एक अन्य महत्वपूर्ण व्याख्यान 'जेमी होर्मूसजी फ्रामजी मानेकशॉ पैनल' है?।

किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

धमतरी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त का लाभ बुधवार को धमतरी जिले के किसानों को भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर एकलव्य खेल मैदान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि, ग्रामीण विकास एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। अपने संबोधन में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार खाद्य सुरक्षा, उचित उपज मूल्य,

धमतरी में पीएम किसान समान निधि की 21वीं किस्त वितरित

निःशुल्क राशन और पोषण आहार सुनिश्चित करने के लिए छह सूत्रीय कार्यक्रम पर काम कर रही है। कृषि मंत्री चौहान ने किसानों को धान के साथ चना, उड़द और मसूर की खेती करने का सुझाव देते हुए कहा कि सरकार इन सभी फसलों की पूरी खरीद करेगी। उन्होंने किसानों से पीएम फसल बीमा योजना का लाभ लेने की अपील भी की ताकि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में फसल का पूरा मुआवजा मिल सके। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि पहले केंद्र से भेजे गए एक रुपये में से सिर्फ 15 पैसा जनता तक पहुंचता था, जबकि आज की सरकार में संपूर्ण राशि सीधे खातों में ट्रांसफर की जाती है। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए मंत्री ने कहा कि 'जहां-जहां कांग्रेस जाती है, वहां पार्टी कमजोर होती है।' उन्होंने यह भी कहा कि 'देश धर्मशाला नहीं है कि कोई भी घुसपैठिया

आकर बस जाए, '। उन्होंने कांग्रेस पर बाहरी लोगों को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बीच के पांच वर्षों को छोड़ दिया जाए, तो छत्तीसगढ़ विकसित राज्यों की श्रेणी में आ चुका है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर भ्रष्टाचार और बदले की राजनीति का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सभी पात्र परिवारों को पक्का मकान देने के लिए प्रतिबद्ध है और वर्तमान में 19 लाख मकानों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में नक्सलवाद लगभग समाप्त हो चुका है और नक्सल प्रभावित इलाकों में भी लगभग 15,000 मकान बनाए जाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने मंच से घोषणा की कि 780 गांवों को जोड़ने के लिए 2,225 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और विकास कार्यों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव सहित राज्य सरकार के कई मंत्री, सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लोक सभा अध्यक्ष ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का किया आह्वान

● *वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने के लिए किए जाने वाले आवश्यक सुधारों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।*

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान संरचना के पुनर्मूल्यांकन के महत्व पर बल दिया है। उन्होंने वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने के लिए किए जाने वाले आवश्यक सुधारों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। बिरला ने कहा कि युद्ध, आतंकवाद, जलवायु संकट और डिजिटल जोखिमों जैसे गंभीर मुद्दों से जूझ रहे विश्व में संवाद, सहयोग और समयबद्ध वैश्विक सुधार अनिवार्य हो गए हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

बिरला ने भारत के प्राचीन दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम और संविधान में निहित शांति, सौहार्द और समता के सिद्धांतों को देश की वैश्विक

प्रतिबद्धता का आधार बताया। संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भारत की सक्रिय भूमिका, 3 लाख से अधिक शांति सैनिकों के योगदान और कोविड-19 महामारी के दौरान 150 से अधिक देशों को दी गई वैक्सीन सहायता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने लगातार ज़िम्मेदारी से वैश्विक सहयोग की भावना के साथ काम किया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि न्यायपालिका के समक्ष पर्यावरणीय न्याय, सतत विकास, डिजिटल सुरक्षा और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के नैतिक उपयोग जैसी उभरती चुनौतियों पर केन्द्रित यह सम्मेलन विश्व शांति, न्याय और स्थिरता को और सुदृढ़ करेगा। इस अवसर पर भाजपा के चिंतक और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी भी उपस्थित रहे।

दिल्ली को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाने के अभियान को मिली गति

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 19 नवंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली को 'स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त' बनाने के अपने संकल्प को दोहराते हुए कल नजफगढ़ ड्रेन (पुराना नाम साहिबी नदी) के पास स्थित रोड नंबर- 41 का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने नजफगढ़ ड्रेन के आसपास कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे शुभम/आरबीआई ब्लॉक, आउटर रिंग रोड, मीरा बाग सेवा बस्ती, सोनिया कैंप, पश्चिम पुरी क्रॉसिंग का दौरा कर वहां चल रहे विकास कार्यों तथा स्थानीय समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास और स्वच्छता संबंधी कार्यों को समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री के साथ इस निरीक्षण में सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल, विधायक श्री करनैल सिंह तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने रोड नंबरङ्क41 पर साहिबी नदी के पास निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पाया कि ड्रेन के आसपास बाउंड्री वॉल न होने के कारण लोगों ने वहां कूड़ा फेंककर ढेर बना दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को ड्रेन के किनारे दीवार निर्माण के स्पष्ट निर्देश दिए, ताकि लोग उसके किनारे कचरा न फेंक सकें। उन्होंने इन स्थानों

पर ग्रीन बेल्ट विकसित करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे क्षेत्र का सौंदर्यीकरण हो और पर्यावरण में सुधार हो सके। कई स्थानों पर कूड़ा जमा होने पर मुख्यमंत्री ने नाराज़गी व्यक्त की और संबंधित विभागों को कूड़े के उचित तथा नियमित निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनधिकृत डंपिंग रोकने के लिए निगरानी और सख्ती बढ़ाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने सेवा बस्ती और आसपास के क्षेत्रों में झुग्गीवासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं जैसे सड़क निर्माण, बिजली के खंभों की कमी, नाली की सफाई और शौचालयों की उपलब्धता को सुना। इन समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्होंने अधिकारियों को इन समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने और आवश्यक स्थानों पर जल्द से जल्द शौचालयों के निर्माण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां आवश्यक हो, पेड़ों को काटने के बजाय उन्हें उचित तरीके से ट्रांसप्लांट किया जाए। धूल प्रदूषण कम करने के लिए उन्होंने वॉल-टू-वॉल रोड कंस्ट्रक्शन को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया, ताकि सड़कों के किनारों पर मिट्टी उड़ने की समस्या समाप्त हो सके। बेसहारा पशुओं की स्थिति पर असंतोष जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को बेसहारा पशुओं के लिए सुरक्षित व्यवस्था, प्रभावी निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाना उनकी सरकार का संकल्प है। जनता की समस्याओं का समाधान स्थल पर जाकर करना उनकी प्राथमिकता है।

चुनाव आयोग पर कांग्रेस व राहुल के आरोपों को लेकर 272 प्रतिष्ठित जनों ने चिंता जतायी

'देश की संस्थाओं पर राजनीतिक हमले नहीं होने चाहिए'

● *'जब राजनीतिक नेता आम नागरिकों की आकांक्षाओं से नाता तोड़ लेते हैं, तो वे अपनी विश्वसनीयता फिर से बनाने के बजाय संस्थानों पर हमला बोलते हैं। '*

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रतिष्ठित नागरिकों ने 'वोट चोरी' का आरोप लगाकर चुनाव आयोग को बदनाम करने के कथित प्रयासों की निंदा की है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, अन्य विपक्षी दलों, उनका साथ दे रहे बुद्धिजीवियों और एनजीओ पर सवाल खड़े करते हुए एक खुला पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि देश की संस्थाओं पर राजनीतिक हमले नहीं होने चाहिए। भारतीय लोकतंत्र लचीला है और यहां लोग बुद्धिमान हैं।

पत्र में अपील की गई है कि राजनीतिक नेता संवैधानिक प्रक्रिया

का सम्मान करें, निराधार आरोपों के माध्यम से नहीं बल्कि नीतिगत स्पष्टता के माध्यम से प्रतिस्पर्धा करें तथा लोकतांत्रिक निर्णयों को शालीनता से स्वीकार करें। उन्होंने कहा, 'अब समय आ गया है कि नेतृत्व सच्चाई पर आधारित हो, नाटकीयता पर नहीं; विचारों पर आधारित हो, गाली-गलौज पर नहीं; सेवा पर आधारित हो, दिखावे पर नहीं।' इन 272 प्रतिष्ठित नागरिकों में 16 पूर्व न्यायाधीश, 14 पूर्व राजदूत सहित 123 सेवानिवृत्त नौकरशाह, 133 सेवानिवृत्त सशस्त्र बल अधिकारी शामिल हैं। पत्र में चुनाव आयोग से पारदर्शिता और कठोरता के साथ अपना काम करते रहने का आह्वान किया गया है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे चुनाव आयोग के साथ मजबूती से खड़े हों। इसमें कहा गया है कि आयोग को चाहिए कि वह संपूर्ण आंकड़े प्रकाशित करे, आवश्यकता पड़ने पर कानूनी माध्यमों से अपना बचाव करे और पीड़ित होने का दिखावा करने वाली राजनीति को अस्वीकार करें। मतदाता सूची के शुद्धिकरण के प्रयास और आयोग की ओर से जारी एसआईआर को सही ठहराते हुए प्रतिष्ठित जनों ने सवाल पूछा है कि मतदाताओं में किसे स्थान मिलना चाहिए उन्होंने कहा कि फर्जी या जाली मतदाताओं को चुनावों को प्रभावित करने की अनुमति देना राष्ट्र की संप्रभुता और स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है। दुनिया भर में, लोकतंत्र अवैध आव्रजन के प्रति सख्त रवैया अपनाते हैं। यदि अन्य राष्ट्र अपने राज्यों की चुनावी अखंडता की इतनी दृढ़ता से रक्षा करते हैं, तो भारत को भी उतनी ही सक्रियता दिखानी चाहिए।उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने बार-बार चुनाव आयोग पर हमला बोला है। यह घोषणा करते हुए कि उनके पास वोट चोरी में चुनाव आयोग की संलिप्तता के स्पष्ट प्रमाण हैं और दावा किया है कि उनके पास 100 प्रतिशत सबूत हैं।

पटियाला हाउस कोर्ट ने अनमोल बिश्नोई को 11 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजा

केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोर्ट से 15 दिन की कस्टडी मांगी थी।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने गैंगस्टर अनमोल बिश्वोई को 11 दिनों के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कस्टडी में भेज दिया है। हालांकि, केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोर्ट से 15 दिन की कस्टडी मांगी थी। कोर्ट के इस आदेश से एनआईए को गैंगस्टर नेटवर्क, फंडिंग चेन और विदेश से होने वाली आपराधिक गतिविधियों की बारीकी से जांच करने का पर्याप्त समय मिलेगा। बता दें कि एनआईए ने मंगलवार को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया था। 2022 से फरार चल रहे अनमोल को एनआईए के 'मोस्ट वांटेड' लिस्ट पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। वह लॉरेंस के टेरर सिंडिकेट से जुड़ा 19वां आरोपी है। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि अनमोल को लुइसियाना से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही हिरासत में लिया

गया। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने मंगलवार को बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के शिकायतकर्ता जीशान सिद्दीकी को ईमेल भेजकर डिपोर्टेशन की पुष्टि की थी। ईमेल में लिखा था, 'अनमोल बिश्नोई को अमेरिकी सरकार द्वारा देश से बाहर किया गया है। यह कार्रवाई 18 नवंबर 2025 को हुई। 'अनमोल को नवंबर 2024 में कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में अवैध प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जहां एफबीआई ने डीएनए और वॉयस सैंपल से उसकी पहचान की। उसके बाद लंबी डिपोर्टेशन प्रक्रिया चली। मार्च 2023 में एनआईए ने लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में टेरर-गैंगस्टर साजिश मामले में अनमोल के खिलाफ 1200 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। जांच में पाया गया कि 2020 से 2023 के बीच अनमोल ने गोल्डी बराड़ और लॉरेंस के इशारों पर भारत में कई आतंकी गतिविधियां अंजाम दीं।

आईआईटी खड़गपुर के प्रो. किंशुक नस्कर चुने गए 'आईपीएफ फैलो'

खड़गपुर (पश्चिम मेदिनीपुर)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), खड़गपुर ने रबर टेक्नोलॉजी सेंटर (आरटीसी) के प्रोफेसर एवं चेयरपर्सन प्रो. किंशुक नस्कर को जर्मनी के प्रतिष्ठित लेबनिज इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिमर रिसर्च (आईपीएफ) ड्रेसडेन का 'आईपीएफ फैलो' चुने जाने पर बधाई दी है। पॉलिमर विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान तथा अंतरराष्ट्रीय शोध उपलब्धियों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण चयन किया गया है। प्रो. नस्कर आईआईटी खड़गपुर के पूर्व विद्यार्थी तथा सिल्वर मेडलिस्ट रहे हैं। वर्ष 2004 में संस्थान से जुड़ने के बाद से वे शोध, नवाचार और शिक्षण के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। उनके कार्यों को देश-विदेश में कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें डीपीआई पेटेंट अवॉर्ड (2005), एलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट रिसर्च फेलोशिप (2009), मोरांड लैम्बला अवॉर्ड (2016) तथा इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफेसर अवॉर्ड (2022) प्रमुख हैं।

ध्वजारोहण समारोह के कारण 25 नवंबर को भक्तों के लिए बंद रहेगा राममंदिर

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 25 नवंबर को ध्वजारोहण समारोह के कारण राममंदिर आम भक्तों के लिए बंद रहेगा। ध्वजारोहण समारोह के दिन आमंत्रित अतिथियों को ही रामलला के दर्शन होंगे। 26 नवंबर को भोर में चार बजे से आम भक्तों के लिए श्रीराम मंदिर में रामलला के दर्शन शुरू हो जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंगलवार को हुई बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों ने रामविवाह के कारण अयोध्या में बड़ी संख्या में आने वाले रामभक्तों को दर्शन कब कराएंगे के जवाब में यह जानकारी दी। ध्वजारोहण समारोह और रामविवाह उत्सव एक दिन होने से अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या आम दिन की तुलना में अधिक रहेगी। अयोध्या जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने बताया कि सरकारी ध्वजारोहण समारोह में जो आमंत्रित अतिथि एक दिन पूर्व आ जायेंगे उनको 24 नवंबर को ही रामलला के दर्शन करा दिये जाएंगे। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि अयोध्या में 24 नवम्बर को आने वाले राममंदिर ध्वजारोहण समारोह के अतिथियों के रुकने आने जाने और उनके वाहनों की पार्किंग सब तय कर लिए गए हैं। 25 नवम्बर को कौन सा वाहन उनको राममंदिर ले जाएगा, सब सुनिश्चित कर आने वाले अतिथियों को ट्रस्ट सभी जानकारियों और सूचनाओं को साझा कर चुका है।

पटना के मरीन ड्राइव पर हाईवोल्टेज ड्रामा, पुलिसवाला... प्रेग्नेंट महिला पर स्कूटी चढ़ाने लगा

पटना (एजेंसी)। पटना के मरीन ड्राइव पर चालान काटने को लेकर हाईवोल्टेज ड्रामा दिखाई दिया। बात इतनी बढ़ गई की पुलिस वाला प्रेग्नेंट महिला पर स्कूटी चढ़ाने लगा। इस पर महिला चिल्लाती रही। कहती रही कि मैं प्रेग्नेंट हूं, ऐसा मत कीजिए, लेकिन पुलिस वालों ने उस गर्भवती महिला की एक ना सुनी। वे स्कूटी पर बैठे और स्टार्ट कर के ले जाने लगे। महिला सामने खड़ी हुई, तब पुलिस वालों ने गाड़ी नहीं रोकी। महिला पर चढ़ा दी। करीब 20 मीटर तक महिला स्कूटी पर लटकी रही। इस दौरान महिला को चोट भी आई है। महिला अपने पति के साथ मरीन ड्राइव घूमने गई थी। यूटर्न दूर था, तब दोनों गाड़ी हाथ में लेकर रॉन्ग साइड से लौट रहे थे, तभी पुलिस पहुंच गई। मामले का वीडियो भी सामने आया है, जो अभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला का पति स्कूटी धक्का देकर आगे बढ़ रहा था। इसी बीच एक पुलिसकर्मी पहुंचा। उसने कहा कि आप लोग रॉन्ग साइड से आ रहे हैं, चालान कटेगा। महिला के पति ने कहा कि हम रॉन्ग साइड से हैं, पर स्कूटी चला नहीं रहे हैं न। पुलिस ने स्कूटी के पेपर चेक किए, तब पहले से 12,000 रुपए का फाइन था। जिसके बाद पुलिस ने स्कूटी को जब्त कर थाने ले जाने लगी। इसी के बाद सड़क पर हाइवोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। रोड पर काफी ड्रामे के बाद महिला स्कूटी पर पुलिस के साथ बैठी और थाने पहुंची। पति भी पीछे-पीछे आया। थाने पर पहुंचने के बाद महिला और उसके पति ने पुलिस से रिक्वेस्ट किया कि दोबारा ऐसी गलती नहीं होगी और जो पेंडिंग चालान है, अगले 15 दिनों के अंदर भर दिया जाएगा। इसके बाद पुलिस ने स्कूटी सहित दोनों को छोड़ दिया।

आतंकी नेटवर्क को बेनकाब करने के उद्देश्य से जेलों में मारे जा रहे छापे

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस की 'काउंटर इंटेलिजेंस' शाखा ने बुधवार को उच्च सुरक्षा मानकों वाली कोट भलवाल जेल में छापा मारा। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय जेल में छापे मारे जा रहे हैं जिनमें कट्टर पाकिस्तानी और स्थानीय आतंकवादियों के अलावा कुख्यात अपराधी भी बंद हैं। उन्होंने कहा कि यह छापेमारी एक ऐसे अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जेल के अंदर से कथित तौर पर चलाए जा रहे आतंकी नेटवर्क को बेनकाब करना है। दिल्ली में 10 नवंबर को लाल किला के पास हुए कार विस्फोट और कुछ चिकित्सकों के सफेदपोश आतंकी नेटवर्क के हालिया खुलासे के बाद संचालित एक बड़े अभियान की पृष्ठभूमि में कोट भलवाल जेल पर छापे मारा गया है। अभी इसकी पूरी जानकारी नहीं मिली है।

दिल्ली के स्कूल में खेल गतिविधि पर लगे रोक... प्रदूषण पर हर माह सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर का क्षेत्र इनदिनों धुए का चैंबर बने हुए है। इस लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नवंबर-दिसंबर में स्कूलों में होने वाले स्पोट्र्सउ कार्यक्रम पर रोक लगाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सीनियर वकील अपराजिता सिंह के सवाल पर दिया। सिंह ने कहा था कि, दिल्ली में मौजूदा वक्त में प्रदूषण के स्तर को देखकर इसतरह की खेल गतिविधि बच्चों को गैस चैंबर में डालने जैसा है। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के.विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया ने कहा कि, वे पॉल्यूशन को लेकर हर महीने सुनवाई करने वाले है। ताकि इसका स्थायी समाधान निकाला जा सके। इसके अलावा कोर्ट ने दिल्ली में ग्रैप-3 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भत्ता/आर्थिक सहायता देने का भी आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि ग्रैप-3 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भत्ता/आर्थिक सहायता दी जाए। राज्य वायु प्रदूषण कम करने के लिए आवश्यक रोकथाम उपाय लागू करें। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन उपायों की नियमित समीक्षा की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वायु प्रदूषण से जुड़ा मामला हर महीने लिस्ट किया जाए, ताकि इसकी लगातार निगरानी की जा सके।

किऊल जंक्शन आरएमएस ऑफिस में भीषण आग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के लखीसराय जिले के किऊल जंक्शन स्थित रेल डाक सेवा (आरएमएस) ऑफिस में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से आरएमएस कार्यालय में रखे गए लाखों रुपये के महत्वपूर्ण सामान, दस्तावेज, डाक, पैकेज और दफ़्तरी सामान जलकर राख हो गए। आग लगने की खबर मिलते ही रेलकर्मी और अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। सीमित संसाधनों के कारण शुरुआती प्रयासों में आग पर काबू पाना मुश्किल हुआ। इसके बाद में फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सौभाग्य से इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने का कारण (आशंका):- फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

शशि थरूर की पोस्ट पर सुप्रिया श्रीनेत का पलटवार, मुझे पीएम मोदी के भाषण में कुछ भी सराहनीय नहीं लगा

कांग्रेस नेता थरूर ने पीएम मोदी के भाषण की जमकर तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर सांसद शशि थरूर द्वारा की गई सकारात्मक समीक्षा को खारिज कर कहा कि उन्हें भाषण में सराहना लायक कुछ भी नहीं लगा। कांग्रेस सांसद थरूर के पोस्ट का जवाब देकर श्रीनेत ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री मोदी के भाषण में सराहना लायक कुछ भी नहीं लगा। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री को कई बातों का जवाब देना चाहिए।

श्रीनेत ने कहा कि वे एक अखबार के कार्यक्रम में थे। उन्हें हमें बताना चाहिए था कि निष्पक्ष पत्रकारिता से उन्हें क्या दिक्कत है। उन्हें बताना चाहिए था कि वे सच दिखाने और बोलने वालों से खुश क्यों नहीं हैं। श्रीनेत ने कहा कि मुझे उनकी सराहना करने का कोई कारण नहीं दिखा। मुझे नहीं पता कि उन्हें (शशि थरूर) इसकी कोई वजह कैसे मिल गई। मुझे वहां एक तुच्छ भाषण लगा। उन्होंने वहाँ भी कांग्रेस की आलोचना की।

उनकी टिप्पणी थरूर की पोस्ट के माध्यम से की गई प्रतिक्रिया से बिल्कुल विपरीत थी, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री के संबोधन पर प्रकाश डाला था। थरूर ने लिखा कि उन्होंने व्याख्यान में भाग लिया था और उन्होंने देखा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकास के लिए भारत की रचनात्मक अधीरता की बात की थी और उपनिवेशवाद-विरोधी मानसिकता पर ज़ोर दिया था। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को उभरता हुआ बाज़ार नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक उभरता हुआ मॉडल बताया, देश के आर्थिक लचीलेपन पर ज़ोर देकर कहा कि वह लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए चुनावी मूड में नहीं, बल्कि भावनात्मक मूड में हैं।

थरूर ने कहा कि भाषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मैकाले की 200 साल पुरानी गुलामी मानसिकता की विरासत को पलटने और भारत की विरासत, भाषाओं और ज्ञान प्रणालियों में गौरव बहाल करने के लिए 10 साल के राष्ट्रीय मिशन की अपील पर केंद्रित था। उन्होंने कहा, बुरी सर्दी और खांसी से जूझने के बावजूद दर्शकों के बीच उपस्थित रहकर खुशी हुई!

अनमोल बिश्नोई की सुरक्षा को लेकर चिंतित, चचेरे भाई रमेश बिश्नोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के चचेरे भाई रमेश बिश्नोई ने केंद्र की मोदी सरकार से अपील की है कि अनमोल बिश्नोई की सुरक्षा सुनिश्चित करे, जिन्हें अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया है।वहीं, एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने केंद्र और राज्य सरकारों से पुरज़ोर अपील की है कि अनमोल को तुरंत भारत लाकर पूछताछ और गिरफ्तारी की जाए। उन्होंने केंद्र सरकार से अनमोल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। रमेश बिश्नोई का दावा है कि अनमोल को केवल गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई होने की सज़ा मिल रही है। उन्होंने कहा कि जाँच में सब कुछ सामने आ जाएगा और अनमोल निर्दोष साबित होगा। उन्होंने कहा कि उनका परिवार कानून का सम्मान करता है और कानून का पालन करने वाले लोग हैं। परिवार की मुख्य चिंता यह है कि अनमोल की बेहतर सुरक्षा केंद्र सरकार तय करे। उन्हें पीड़ित अधिसूचना के माध्यम से एक ईमेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि संघीय सरकार ने अनमोल बिश्नोई को 18 नवंबर तक संयुक्त राज्य अमेरिका से हटा दिया है। उन्होंने केंद्र से अनमोल को अमेरिका से भारत वापस लाने और राज्य सरकार से मुंबई लाकर पूछताछ और गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का पुरज़ोर अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार को अभी भी न्याय का इंतज़ार है। उनकी मांग है कि उनके पिता की हत्या के पीछे की पूरी साजिश सामने आनी चाहिए, क्योंकि उनके पिता का बिश्नोई से कोई लेना-देना नहीं था और कोई भी सिर्फ़ अपने मतलब के लिए ऐसा नहीं करेगा।

ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी बरसात के कारण 32 नए भूस्खलन जोन बने

-डीपीआर तैयार करके केंद्र सरकार के पास भेजने की तैयारी

देहरादून (एजेंसी)। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (बदरीनाथ हाईवे) पर भारी बरसात के कारण 32 नए भूस्खलन जोन बन गए हैं। हाईवे पर अब 45 पुराने चिह्नित जोन के अलावा 32 नए भूस्खलन जोन हो गए हैं। भूस्खलन और भूधंसाव के कारण हाईवे कई जगहों पर अति संवेदनशील हो गया है। टीएचडीसी (टीएचडीसी) के विशेषज्ञ दल ने इन 32 नए भूस्खलन जोन का स्थलीय निरीक्षण कर दिया है। टीएचडीसी द्वारा अब डीपीआर (डीपीआर) तैयार की जा रही है, जिसे स्थायी ट्रीटमेंट के लिए भारत सरकार को भेजा जाएगा। ऑलवेदर रोड परियोजना में 2016 में चौड़ीकरण शुरू होने के बाद कटान से जगह-जगह भूस्खलन जोन पैदा हुए थे। पहला चरण में 22 चिह्नित भूस्खलन जोन का स्वाइल एवं राक एकरिंग तकनीक से स्थायी ट्रीटमेंट किया जा रहा है (70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा)। दूसरा चरण में 24 भूस्खलन जोन के स्थायी ट्रीटमेंट के लिए डीपीआर को स्वीकृति मिल चुकी है। सम्राट होटल से नरकोटा तक करीब एक किलोमीटर का क्षेत्र सबसे ज्यादा संवेदनशील है, जहां पहाड़ी दरक रही है और अक्सर यातायात बाधित होता है। तोताघाटी के संवेदनशील जोन में ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत तीखे मोड़ खत्म कर दिए गए हैं और सुरक्षा दीवार का निर्माण हो रहा है।

नए भूस्खलन जोन वाले कुछ स्थानः स्वीत पुल, सम्राट होटल के समीप, फरासू, ब्रह्मपुरी, तिमलापानी, शिवपुरी, कौडियाला, महादेव चट्टी, सकनीधार, भीत गांव, देवप्रयाग संगम, मुल्यागांव, मलेथा, कीर्तिनगर के समीप, और उफल्टा। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण खंड, श्रीनगर गढ़वाल के अधिशासी अभियंता, राजवीर सिंह चौहान के अनुसार, जल्द ही स्थायी सुधारीकरण के लिए डीपीआर तैयार होगी और आगामी यात्राकाल तक हाईवे की स्थिति काफी ठीक हो जाएगी।

जो कोई भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू : भागवत

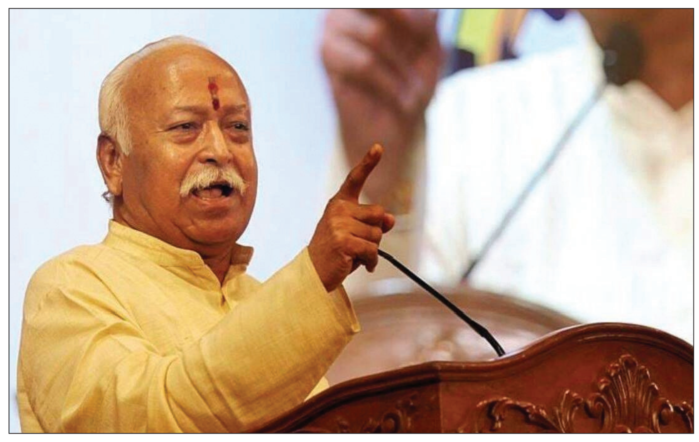

गुवाहाटी (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने जोर देकर कहा कि हिंदू धर्म धार्मिक अर्थों से बंधा नहीं है, बल्कि समावेशी है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि अगर मुसलमान और ईसाई इस देश की पूजा करते हैं, भारतीय संस्कृति का पालन करते हैं, यहाँ तक कि अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं को छोड़े बिना भी, तब वे भी हिंदू हैं। आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत असम की अपनी यात्रा के दौरान बुद्धिजीवियों, विद्वानों, संपादकों, लेखकों और उद्यमियों के समूह को संबोधित कर भागवत ने कहा कि जो लोग मातृभूमि के प्रति समर्पण, हमारे पूर्वजों के गौरव और हमारी संस्कृति की विरासत को आगे बढ़ाते हैं, वे सभी हिंदू हैं। हिंदू धर्म को धार्मिक अर्थों में नहीं लिया जाना चाहिए। हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति केवल भोजन और पूजा नहीं है। यह समावेशी है।

भागवत ने कहा कि जो कोई भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू है। संघ प्रमुख भागवत ने दावा किया कि हिंदू केवल एक धार्मिक शब्द नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक निरंतरता में निहित एक सभ्यतागत पहचान है। उन्होंने कहा कि भारत और हिंदू पर्यायवाची हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र होने के लिए किसी आधिकारिक घोषणा की आवश्यकता नहीं है। इसकी सभ्यतागत प्रकृति पहले से ही इस बात को दर्शाती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आरएसएस की स्थापना किसी का विरोध करने या नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और भारत को वैश्विक नेता बनाने में योगदान देने के लिए की गई थी।

इनमें से, आरएसएस प्रमुख ने परिवार संस्था को मज़बूत करने पर विशेष ज़ोर दिया और हर परिवार से अपने पूर्वजों की कहानियों को संजोने और युवा पीढ़ी में ज़िम्मेदारी और सांस्कृतिक गौरव का संचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसे आदर्शों से सभी भारतीयों को प्रेरणा मिलनी चाहिए, भले ही उनका जन्म किसी विशेष प्रांत में हुआ हो, लेकिन वे हमारे राष्ट्रीय आदर्श हैं।

भागवत ने स्वतंत्रता संग्राम में आरएसएस स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन में डॉ. हेडगेवार के कारावास और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान देश भर के अनगिनत स्वयंसेवकों के योगदान को याद किया

एसआईआर के चलते 500 बांग्लादेशी भागे, पश्चिम बंगाल में मच रही भगदड़

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों में हड़कंप मचा हुआ है। वजह ये है कि एसआईआर को लेकर यहां गहन जांच पड़ताल चल रही है।इसके तहत घर-घर जाकर बूथ लेवल ऑफिस मतदाताओं की जानकारी ले रहे हैं। इसमें पूछा जा रहा है कि क्या आपका 2003 की वोटर लिस्ट में नाम था। यदि नहीं था तो फिर आपके परिवार के किन सदस्यों का नाम था। ऐसी तमाम जानकारियां हैं, जो संदिग्ध लोग नहीं दे पाएंगे। यही वजह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों में इसका खौफ देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल से आई जानकारी के मुताबिक एसआईआर के खौफ से 500 बांग्लादेशी भाग खड़े हुए हैं। इन लोगों ने बांग्लादेश छोड़ दिया है और किसी तरह सीमा पार कर गए हैं। बीएसएफ ने यह जानकारी दी है, जिसने इन लोगों को इंटरसेप्ट किया था। बीएसएफ का कहना है कि सीमा पर पकड़े जाने वाले लोगों को एक प्रक्रिया के तहत वापस भेजा जाता है। पहले इन लोगों की पहचान स्पष्ट की जाती है। फिर इनका बेसिक डेटा जुटाया जाता है और बांग्लादेश के अपने समकक्ष अधिकारियों से बात करने के बाद बीएसएफ की ओर से इन्हें वापस भेजा जाता है। सोमवार को ये लोग उत्तर 24 परगना जिले के स्वरूपनगर के पास स्थित हाकिमपुर चेक पोस्ट से निकले हैं। बीएसएफ की 143वीं बटालियन ने इन लोगों के मूवमेंट को देखा तो संदेह होने पर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की। सूत्र के हवाले से लिखा है कि यह इस साल की सबसे बड़ी मूवमेंट है, जब इतनी संख्या में अवैध बांग्लादेशी भारत से निकले हैं। एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होने के बाद बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों को देश छोड़ते देखा जा रहा है। बीएसएफ के अधिकारियों का कहना है कि इन 500 लोगों ने स्वीकार कर लिया है कि वे अवैध रूप से भारत में घुस आए थे। उनके पास कोई वीजा, पासपोर्ट या पहचान पत्र नहीं है।इनमें से कई लोगों ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल के बिराती, मध्यमग्राम, राजरहाट, न्यू टाउन और सॉल्ट लेक जैसे इलाकों में घरेलू सहायक, दिहाड़ी मजदूर और निर्माण कार्यों में लगे रहे हैं। ये इन इलाकों में सालों से रह रहे थे।

एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की चूक... अधिकारियों को जवाबदेह माना जाएगा

-कई राज्यों में बीएलओ ने बहिष्कार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चल रहा है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने कहा कि एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की चूक होने पर अधिकारियों को जवाबदेह माना जाएगा।

आयोग के एक अधिकारी के अनुसार, उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता कर यह बयान दिया। मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल भी बैठकों में मौजूद थे। बंगाल में 18 नवंबर की शाम 6 बजे तक 7.63 करोड़ गणना फॉर्म बांटे जा चुके हैं। कुल 1.09 करोड़ फॉर्म डिजिटल किए जा चुके हैं।

दूसरी तरफ, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश में एक-एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) आत्महत्या कर चुके हैं। पश्चिम बंगाल में एक बीएलओ ने आत्महत्या की धमकी दी है। मंगलवार को तमिलनाडु के तंजावुर में एक आंगनवाड़ी सेविका ने जान देने की कोशिश की। इनके परिवारों और अन्य अधिकारियों ने अत्यधिक काम के दबाव का आरोप लगाया है। कई बीएलओ का आरोप है कि काम के लंबे घंटे और दिसंबर तक की डेडलाइन ने उन्हें थककर चूर कर दिया है। कई राज्यों में बीएलओ ने बहिष्कार किया है। आयोग अब अधिकारियों के कार्यभार और जवाबदेही को लेकर सवालों का सामना कर रहा है। चुनाव आयोग ने बताया कि 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 51 करोड़ मतदाताओं में से 50.25 करोड़ से ज्यादा एसआईआर फॉर्म बंट गए हैं। लोग फॉर्म भरने के बाद वापस जमा करते हैं। इसके बाद डिजिटलीकरण का काम होता है। केरल में अब तक सबसे कम, राजस्थान में सर्वाधिक फॉर्म डिजिटलीकरण के लिए वापस आए हैं।

आत्महत्या इस्लाम में हराम और निर्दोष लोगों की हत्या करना बहुत बड़ा पाप

-सुसाइड बॉम्बिंग को 'शहादत' बताने वाले आतंकी उमर को ओवैसी का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बम धमाका करने वाला आतंकी उमर फिदायीन हमलों को मजहब का सबसे अच्छा काम मनता था। उमर के फोन से निकले एक वीडियो में वह इसे इस्लाम में जायज ठहराने की कोशिश करता नजर आया। अब एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने आतंकी के कुतर्कों का जवाब देते हुए कहा कि इस तरह की कायराना हरकत इस्लाम में हराम है। उन्होंने कहा कि यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका करके मासूम लोगों की जान लेने वाले आतंकी का मोबाइल फोन कश्मीर से बरामद किया गया है। घटना से कुछ दिन पहले वह अपने घर गया था और अपने भाई को एक फोन यह कहकर दे आया था कि यदि उसके बारे में कोई जानकारी आए तो इसे पानी में फेंक देना। अब पुलिस ने उसके भाई को हिरासत में लेकर फोन बरामद कर लिया है तो उसमें यह वीडियो सामने आया। वीडियो में उमर नबी फिदायीन हमले को जायज ठहराते हुए कहता है कि इसे गलत समझा जा रहा है और इसके खिलाफ कई तर्क दिए जा रहे हैं, लेकिन सुसाइड बॉम्बिंग शहादत का अभियान है जिसे इस्लाम में भी इसी रूप में बताया है।

ओवैसी ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली ब्लास्ट के आरोपी उमर का एक बिना तारीख वाला वीडियो सामने आया है जिसमें वह सुसाइड बॉम्बिंग को शहादत और गलत समझा गया बताते हुए उचित ठहरा रहा है। ओवैसी ने कहा कि आत्महत्या इस्लाम में हराम है और निर्दोष लोगों की हत्या बहुत ही बड़ा पाप है। इस तरह की हरकत कानून के भी खिलाफ है। इसे किसी भी तरह से गलत नहीं समझा गया है। यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है।

एआईएमआईएम नेता ओवैसी ने गृहमंत्री अमित शाह की ओर से किए गए दावे का जिक्र करते हुए पूछा कि इस समूह का पता नहीं लगा पाने के लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के दौरान अमित शाह ने संसद को भरोसा दिलाया था कि पिछले छह महीने में कोई भी स्थानीय कश्मीरी आतंकवादी समूहों में शामिल नहीं हुआ। तब यह समूह कहां से आया? इस समूह का पता नहीं लगा पाए जाने के लिए कौन जिम्मेदार है?

अमेरिका को भारतीयों ने दिखाई औकात, 17 प्रतिशत छात्रों की संख्या हुई कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीजा के नाम पर अकड़ दिखाने वाले अमेरिका के भारतीय छात्रों ने होश ठिकाने ला दिए है। यहां पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 17 प्रतिशत घट गई है। इसके वजह से विश्व विद्यालयों की हालत खराब होने लगी है। बताया जा रहा है कि छात्रों की निरंतर घटती संख्या के कारण कॉलेजों की सीटें खाली होती जा रहीं हैं। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में इस वर्ष बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2024 सेशन में नए अंतरराष्ट्रीय छात्रों का नामांकन 17 प्रतिशत कम हो गया है। यह कमी उस समय सामने आई है जब अमेरिका ने छात्र वीजा और इमिग्रेशन नियमों पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक गिरावट भारतीय छात्रों के नामांकन में दर्ज की गई है। भारत अभी भी अमेरिकी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए सबसे बड़ा स्रोत है, लेकिन सख्त वीज़ा नीतियों के चलते अब बड़ी संख्या में छात्र पीछे हट रहे हैं। इससे भारतीय छात्रों की भविष्य की योजनाओं पर बड़ा असर हो सकता है, खासकर स्टीम और रिसर्च आधारित प्रोग्राम्स में।

रिपोर्ट इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन (आईआईई) ने 825 अमेरिकी उच्च शिक्षा संस्थानों के आधार पर जारी की है। इंडियन स्टूडेंट्स पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन संस्थानों में गिरावट दर्ज की गई, उनमें से 96 प्रतिशत ने वीजा आवेदन से जुड़े नियम और जटिलताओं को मुख्य कारण बताया, जबकि 68 प्रतिशत ने यात्रा प्रतिबंधों को जिम्मेदार माना। यह स्पष्ट संकेत है कि छात्रों की पहली चिंता अमेरिका का वीज़ा प्रोसेस बन गया है, जो अब लंबा, अनिश्चित और कई बार निराशाजनक साबित हो रहा है।ट्रम्प प्रशासन ने पिछले साल से अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए कई नीतिगत बदलाव लागू किए हैं, जिनमें सोशल मीडिया अकाउंट की जांच, वीज़ा सीमा तय करने के प्रयास और अतिरिक्त जांच प्रक्रियाएं शामिल हैं। कई छात्रों के वीज़ा नवीनीकरण में देरी हुई है, जबकि कुछ मामलों में वीजा रद्द भी किए गए। कई यूनिवर्सिटीज ने बताया कि छात्र वीज़ा प्रक्रिया की देरी और अस्थायी रोक के कारण छात्र समय पर अमेरिका नहीं पहुंच सके। यही वजह है कि कई छात्रों ने विकल्प के तौर पर कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों का रुख किया है।अमेरिका में इस समय लगभग 12 लाख विदेशी छात्र पढ़ते हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था में करीब 55 अरब डॉलर का योगदान करते हैं। ये छात्र आमतौर पर फुल ट्यूशन फीस देते हैं और अधिकतर वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होते। इसलिए विश्वविद्यालयों को भारी आर्थिक झटका लग रहा है, खासकर ऐसे समय में जब घरेलू नामांकन भी घट रहा है और सरकारी फंडिंग में कटौती हो रही है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 29 प्रतिशत संस्थानों ने नए दाखिले में वृद्धि देखी है, जबकि 14प्रतिशत में स्थिति स्थिर रही। लेकिन 57 प्रतिशत संस्थानों में गिरावट दर्ज की गई, यानी कुल तस्वीर अभी भी चिंताजनक है।

ईडब्ल्यूएस सीटें बढ़ने के बाद भी छात्रों को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध विभागों और कॉलेजों में पिछले तीन साल से सहायक प्रोफेसर के पदों पर स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। इस प्रक्रिया से कॉलेजों में शिक्षकों के 85 फीसदी सीटों को भरा जा चुका है लेकिन कॉलेजों और विभागों को शिक्षकों के लिए ईडब्ल्यूएस सीटें आवंटित नहीं की गई है जबकि ईडब्ल्यूएस बढ़ी सीटों के आंकड़े मंगवाए जा चुके हैं। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस विवि शिक्षक संगठन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर डीयू के लिए जल्द इंडब्ल्यूएस सीटों को आवंटित करने की मांग की है। फोरम का कहना है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 शुरू होने के बाद से चार वर्षीय पाठ्यक्रम के तहत शिक्षण कार्य शुरू हो गया है। स्नातक स्तर के चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए अतिरिक्त शिक्षकों की आवश्यकता है। इसके लिए कॉलेजों में अतिथि शिक्षकों को रखा जा रहा है। फोरम के चेयरमैन प्रोफेसर हंसराज सुमन ने बताया है कि डीयू के सहायक कुलसचिव कॉलेजिज ने ढाई साल पहले विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी कॉलेजों के प्राचार्यों तथा संस्थान के निदेशकों से ईडब्ल्यूएस के 10 फीसदी अतिरिक्त पदों की आवश्यकता के विषय में जानकारी मांगी थी। प्रो सुमन ने बताया है कि शैक्षिणक सत्र 2025-26 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत छात्र चौथे वर्ष में प्रवेश कर अध्ययन कर रहे हैं जिससे हर कॉलेज के विभागों में शिक्षकों की अतिरिक्त मांग बढ़ गई है। कॉलेजों में अभी तक स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के आधार पर की गई है जबकि जुलाई से चार वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू हो चुका है।

यूनिवर्सिटी छात्र संघ (डूसू) की संयुक्त सचिव दो माह के लिए निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ (डूसू) की संयुक्त सचिव दीपिका झा को दो माह के लिए निलंबित कर दिया गया है। उन पर डीयू के डॉ. बी. आर अंबेडकर कॉलेज में प्रो. सुजीत कुमार को थप्पड़ मारने के आरोप थे। इस मामले को लेकर छः सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था। समिति की सिफारिशों के आधार पर न केवल उन्हें निलंबित किया गया है बल्कि उन्हें प्रो. सुजीत कुमार से लिखित में माफी भी मांगनी होगी। निलंबन के दौरान दीपिका को डीयू से संबद्ध किसी भी कॉलेज परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। इस तरह से उनके कॉलेज में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। हालांकि वह अपनी कक्षाओं में आ सकती हैं और परीक्षाएं देना जारी रख सकती हैं। जांच समिति की ओर से उनके आचरण की समीक्षा के बाद उनका निलंबन रद्द कर दिया जाएगा। डीयू प्रॉक्टर की ओर से इस संबंध में एक आदेश जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि सक्षम प्राधिकारी की ओर से अनुमोदित समिति की सिफारिशों के आधार पर दीपिका झा को तत्काल प्रभाव से दो माह के लिए डूसू संयुक्त सचिव पद से निलंबित किया गया है। मालूम हो कि दीपिका झा पर आरोप थे कि उन्होंने प्रो. सुजीत कुमार को थप्पड़ मारा। इस मामले को लेकर एक जांच समिति बनाई गई थी। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर ही दीपिका पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। चूंकि डॉ. बीआर अंबेडकर कॉलेज के प्रिंसिपल कार्यालय में प्रो. सुजीत कुमार के साथ यह घटना घटी थी। ऐसे में इस घटना को गंभीरता से लेते हुए समिति का गठन किया था। समिति ने निष्कर्ष निकाला कि छात्रा और डूसू की पदाधिकारी के रूप में दीपिका झा का आचरण अस्वीकार्य और अनुचित है। ऐसी घटना अनुशासन और मर्यादा के गंभीर उल्लंघन को दर्शाती है। इस मामले में दीपिका झा का आरोप था कि शिक्षक ने उन्हें धमकी दी थी और अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। उन्होंने शिक्षक पर शराब के नशे में होने का आरोप भी लगाया था। इस मामले पर एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा है कि प्रो को थप्पड़ मारने पर कमेटी की ओर से सिर्फ दो महीने की सजा देना शर्मनाक है। डूसू पदाधिकारी ने अपने पद का खुला दुरुपयोग किया है, उन्हें पद से हटाने के साथ-साथ यूनिवर्सिटी से बर्खास्त किया जाना चाहिए। डीयू की जिम्मेदारी है कि प्रो. सुजीत कुमार के सम्मान को सुनिश्चित करे।

पहचान के बाद भी अज्ञात का मृत्यु प्रमाण पत्र थमाया

नई दिल्ली। लाल किला के पास सोमवार शाम हुए धमाके में शास्त्री पार्क निवासी मोहम्मद जुम्मन की भी मौत हो गई थी। मौके से मिले शव के टुकड़ों के आधार पर परिजनों ने उसकी पहचान की लेकिन अस्पताल ने उसका पोस्टमार्टम अज्ञात में कर दिया। अज्ञात का मृत्यु प्रमाण पत्र परिजन क्या करें। अज्ञात में नाम दर्ज होने से जुम्मन के परिजनों को सरकार से मुआवजा भी नहीं मिलेगा। जुम्मन के परिवार ने सरकार से अपील की है कि वह परिवार की हर संभव मदद करें। बृहस्पतिवार को जुम्मन के चाचा मोहम्मद इदरीस व बहन नाजमा मोर्चरी पहुंचे तो उनको बाद में आने के कहकर वापस भेज दिया गया। पहले हताश परिवार अब और धक्के खाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। जुम्मन के चाचा मोहम्मद इदरीस ने बताया कि बिना पहचान के जुम्मन के परिवार को किसी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उसकी पत्नी तनुजा कहीं आने-जाने में सक्षम नहीं है तीन छोटे बच्चे हैं और बूढ़ी मां मुन्नी खातून बीमार रहती हैं। घर कैसे चलेगा... यह सवाल जुम्मन की पत्नी को खाए जा रहा है। धमाके में अपने भाई जुम्मन की मौत से सदमें में बहन नाजमा ने बताया कि घर में पहले से खाने के लाले थे। किसी तरह जुम्मन ने किस्तों पर ई-रिक्शा लिया था। उसकी कुछ ही किस्त गई थी। जुम्मन की मौत ने पूरा परिवार खत्म कर दिया है। बम धमाके के बाद जब रात तक वह घर नहीं पहुंचा तो उसके रिक्शा में लगे जीपीएस की लोकेशन देखी गई। आखिरी लोकेशन लाल किला थी। अनहोनी की आशंका में परिजन मंगलवार को एलएनजेपी पहुंचे और उसकी शर्ट से शव की पहचान की।

दिल्ली में कमर्शियल वाहनों के लिए एक ही फास्टैग सिस्टम लागू होगा

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रवेश करने वाले कॉमर्शियल वाहनों को अब दो अलग-अलग टैग स्न्स्ञ्जड्डद्द (फास्टैग) और स्ष्ठ (एमसीडी) के ऋस्नद्बष्ठ (आरएफआईडी) टैग नहीं रखने पड़ेंगे। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) अपने टोल कलेक्शन सिस्टम को फास्टैग से जोड़ने की तैयारी कर रहा है। इससे ड्राइवरों को रिचार्ज और टैग मैनेजमेंट की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार, नया फास्टैग आधारित सिस्टम एक नई कंपनी के चयन के बाद लागू किया जाएगा। यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद किया जा रहा है, जिसमें सभी कॉमर्शियल वाहनों पर पर्यावरण मुआवजा शुल्क (ईसीसी) लागू करने की अनुमति दी गई है। पहले एमसीडी के आरएफआईडी सिस्टम को फास्टैग से जोड़ने में दिक्कत इसलिए आ रही थी क्योंकि ईसीसी के नियम अलग थे। खाली ट्रकों पर कम शुल्क लगता था, जबकि फल-सब्जी और जरूरी सामान ढोने वाले वाहनों पर शुल्क नहीं लगता था। फास्टैग सिस्टम इन अलग-अलग नियमों को संभालने में सक्षम नहीं था। अब ईसीसी छूट खत्म हो चुकी है, इसलिए सभी कमर्शियल वाहनों को फास्टैग से जोड़ा जाएगा। इस बदलाव को लागू करने के लिए एमसीडी और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ह्रढ्ढ) के बीच बातचीत जारी है। आगामी टोल कलेक्शन टेंडर में फास्टैग आधारित पेमेंट को शामिल किया जाएगा। फिलहाल निजी कारों पर एमसीडी टोल नहीं लगता, लेकिन कमर्शियल वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करते ही टोल चुकाना होता है। 2019 में श्वक्क्ष्ट की सलाह पर एमसीडी ने 13 प्लाजा पर आरएफआईडी आधारित टोल सिस्टम लगाया था, ताकि नकद भुगतान वाली लंबी कतारों से होने वाले प्रदूषण को कम किया जा सके। एमसीडी टोल वसूली को मजबूत करने और जाम रोकने के लिए %ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन(एएनपीआर) कैमरे लगाने की योजना भी बना रहा है।

पहाड़ों की ठंडी बयार से दिन में सिहरन, ठंड ने दी दस्तक

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने राजधानी में ठंडक बढ़ा दी है। ऐसे में लोगों को अब दिन में भी सिहरन महसूस हो रही है। ऐसे में बृहस्पतिवार सुबह से ही मौसम में ठंडक बनी हुई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे दिन में सूरज की गर्मी का हल्का अहसास हुआ, लेकिन लोगों को दिन में भी ठंड महसूस हो रही थी। इसी बीच अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री कम रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो मौसम के औसत से 2.9 डिग्री अधिक है। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 95 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 45 प्रतिशत रही। बृहस्पतिवार को रिज सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, आया नगर में 11.5, पालम में 12 और लोधी रोड में 11 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। आईएमडी का अनुमान है कि शनिवार को सुबह धुंध व कोहरा के साथ आसमान साफ रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 और 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक दिल्ली-एनसीआर का मौसम साफ रहेगा, हालांकि सुबह के समय हल्की धुंध और कोहरा छाया रह सकता है।

निवेश के नाम पर लाखों की ठगी, दो दबोचे, एक पाबंद

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला साइबर सेल ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले दो जालसाजों लक्ष्मी नगर निवासी अमूल्य शर्मा और गरवित शर्मा को गिरफ्तार किया है। जबकि तीसरे आरोपी सुझल सभरवाल को पाबंद किया है। आरोपियों ने महिला से 3.38 लाख रुपए की ठगी की थी। इनके कब्जे से पुलिस ने दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि परमानंद निवासी एकता सचदेवा ने साइबर सेल में 3.38 लाख की ठगी

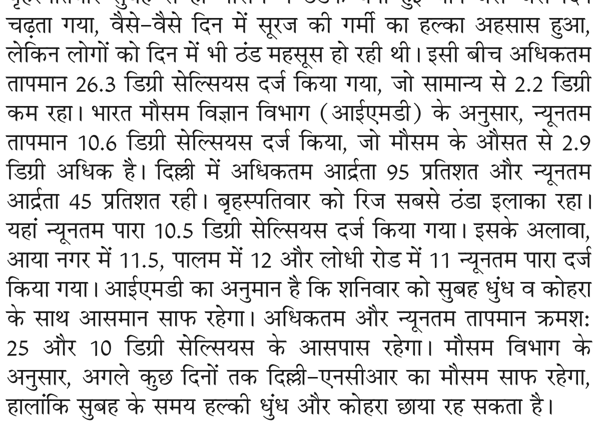

की शिकायत की। आरोपियों के बैंक खातों की जांच करने पर पुलिस को पता चला कि आरोपी म्यूल खातों का उपयोग कर ठगी की रकम प्राप्त करते थे और एटीएम के जरिए नकदी निकाल लेते थे। पुलिस ने खातों से जुड़े मोबाइल नंबर के जरिए म्यूल खाता का संचालन करने वाले आरोपी अमूल्य शर्मा की पहचान की। पता चला कि वह करीब 50 म्यूल खातों का ऑपरेटर और हैंडलर है। उसके खाते पैन इंडिया साइबर फ्रॉड मामलों में शामिल पाया गया। साथ ही पता चला कि रकम का इस्तेमाल क्रिप्टो करेंसी खरीदने में किया जा रहा था। तकनीकी निगरानी कर पुलिस ने लक्ष्मी नगर से तीन आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि आरोपी जालसाजों के संगठित नेटवर्क से जुड़े हुए थे, जो शेयर मार्केट निवेश के नाम पर बड़े पैमाने पर साइबर ठगी करता था। बैंक खातों के एवज में इन्हें कमीशन मिलता था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अमूल्य शर्मा दिल्ली विश्वविद्यालय ओपन से स्नातक और डिजिटल मार्केटिंग कोर्स कर रखा है। वहीं गरवित शर्मा और सुझल सभरवाल 12वीं पास है।

दक्षिण दिल्ली के तीन वार्डों में 6 महीने में मिलेगी पीएनजी गैस

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के लाखों लोगों को राहत देने वाली पहल शुरू हुई है। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मीठापुर चौक पर पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की पाइपलाइन बिछाने के कार्य का उद्घाटन किया। इस परियोजना से बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के मीठापुर, हरिनगर और जैतपुर वार्डों के लगभग चार लाख लोगों को छह महीने के भीतर पीएनजी गैस की सुविधा मिलने लगेगी। इस मौके पर बिधूड़ी ने कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार मिलकर इस काम को प्राथमिकता दे रही हैं ताकि लोगों को सुरक्षित, सुगम और लगातार उपलब्ध रहने वाली गैस की सुविधा जल्द मिल सके। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पीएनजी से लोगों को अच्छी गुणवत्ता की गैस तो मिलेगी ही, साथ ही सिलिंडर खत्म होने, देर से मिलने या गैस कम निकलने जैसी परेशानियां भी खत्म हो जाएंगी। कार्यक्रम में आईजीएल के अधिकारी भी मौजूद रहे। इसी दौरान बिधूड़ी ने हरिनगर में नेशनल हाईवे के समीप आरडब्ल्यूए की मदद से तैयार किए गए पार्क का भी उद्घाटन किया और अधिकारियों को पार्क में आवश्यक सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

NAME CHANGE
It is for general information that I DINESH MAHTO S/o UPENDRA MAHTO R/O RZ E-673/13D, G No. 20 P No. B-9, Sadh Nagar Palam Colony, Indra Park, South West Delhi , Delhi - 110045 declare that the name of my minor son has been wrongly written as VISAJ KUMAR, aged 10 years in his School Record. The actual name of my minor son is VISHAL KUMAR , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOHD INTZAR S/O Mohd Ikhlak Saifi R/o A-81, Som Bazar road, Old Seema puri, Delhi -10095, have changed my name to MOHD INTZAR SAIFI for all future purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as SUBHI GUPTA D/o Rajesh Kumar Gupta R/o House No.1809/-b/135, Shanti Nagar, Tri Nagar, Onkar Nagar, Saraswati Vihar North West Delhi Delhi-110035 have changed my name and shall hereafter be known as SHUBHI GUPTA

NAME CHANGE
I , Somana Chauhan W/O Rakesh Kumar, R/O H number 683/10, Gali number 10, Ambedkar nagar, Haiderpur, Shalimar Bagh, PO: Shalimar Bagh, DIST: North West Delhi, Delhi-110088, have changed the name of my minor son Kritarth Diwakar aged 3 years and he shall hereafter be known as KRTARTH CHAUHAN.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHASHI PAUL JAIN alias SHASHI PAL JAIN son of Shri JOGINDER PAL JAIN residing at 22A, Gali No.2, Jain Nagar, Meerut, Uttar Pradesh-250002, have changed my name and shall hereafter be known as SHASHI PAL JAIN.

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that my client Mrs. Rachna Sharma W/o Mr. Ranjan Kumar R/o House No. 367, Ground Floor, Ashoka Enclave, Main Near Ashoka Memorial Public School, Main Gate, Sector-34, Amarnagar Faridabad Haryana is purchasing the Property as Residential built on Plot Bearing No. 414, land area measuring 160 Sq. Yards,. In Residential Colony known as "ASHOK ENCLAVE EXTENSION No. III", Situated in the Revenue Estate of Village Sarai Khawaja, Tehsil & Distt. Faridabad Haryana (hereinafter referred to as "said property") from Mrs. Raj Rani Bajaj & Mr. Suresh Kumar Bajaj, It is further informed that earlier Mr. Ranjan Khanna & Mrs. Raj Khanna were the owners of the said property and Mrs. Raj Khanna died leaving behind her legal heirs namely Mr. Ranjan Khanna (husband) & Mrs. Poonam Verma (Daughter) and they have executed Sale Deed in favour of Mrs. Raj Rani Bajaj & Mr. Suresh Kumar Bajaj in relation to said property . It is further informed that Surviving Member Certificate of Mrs. Raj Khanna is not available on records. In case, any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 15 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed. If, there is no claim received against the said property than my client may proceed with its intended object as mentioned above.
RAJESH K GUPTA (Advocate)
F-42/43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
8882766856,
rlegalloan@gmail.com

NAME CHANGE
I, DALAVEE VITTHAL LAXMAN S/O LAXMAN DALAVEE R/O HOUSE NO-1846/31, GALI NO-10, LAXMAN VIHAR PHASE-2, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO VITTHAL DALAVEE FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, No. 15797063H Rank HAV(OFC) Name RATHOD JITENDRASINH JAGATSINH UNIT-141 AD REGT (SP) presently residing at VPO-DALPUR, TEH–PRANTIJ, DIST-SABARKANTHA, (GUJARAT)-383120 have changed my minor son's name from YUVALSINH to YUVALSINH JITENDRASINH RATHOD for all future purposes. Vide Affidavit Dated 18/11/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as RADHESH S/O MAHESH PRASAD R/O Gali No 1 Near Hanuman Chowk, Jagat Pur, Extenstion, Burari, PO-Burari, Dist-North Delhi, Delhi-110084 have changed my name and shall hereafter be known as RADHESH PANDAY.

NAME CHANGE
I hitherto known as Joginder Kumar S/O Late Shankar Dass R/O 6/122 Subhash Nagar Delhi -110027 have changed my name and shall hereafter be known as Joginder Upneja.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ANUJ KUMAR S/O DESH RAJ GUPTA R/O X/152/10, Street No-8, X-Block, Braham Puri, Bhajan Pura, North East Delhi-110053 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as ANUJ and CHAVI in my minor son namely RITVIK GARG aged 9 years in his Birth Certificate No-MCDOLIR-0116-006838091. And name of my wife has been wrongly written as CHAVI GARAG in his School Records. The actual name of mine and my wife are ANUJ KUMAR and CHHAVI GARG which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MAYANK AGARWAL S/O PRADEEP KUMAR AGARWAL R/O House No- R-10/98, Rajnagar, Ghaziabad, Kavi Nagar Uttar Pradesh- 201002 have changed my name and shall hereafter be known as MAYANK AGGARWAL.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Jaspreet Singh, Mr. Manmohan Singh Sandhu, Mrs. Navjyot Kaur and Mrs. Dolly P. Ramnani are the absolute owner of Freehold Residential Property/Flat No. 185, land area measuring 154 sq. yds., out of Khasra No. 77, in Gali No. 23, Arjun Nagar, Safdarjung Enclave, Delhi., in the chain document below mentioned document not available i.e. Original Urdu Sale Deed dated 16.01.1954 duly registered with the concerned Sub-Registrar of Assurances- New Delhi/Delhi at Document No. 174, Book No. I, Volume No. 241, on pages 277 to 279 registered on 18.01.1954. & Original Urdu Sale Deed dated 10.05.1957 duly registered with the concerned Sub-Registrar of Assurances- New Delhi/Delhi at Document No. 1590, Book No. I, Volume No. 379, on pages 83 registered on 26.09.1957 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Ms. Santosh Kumari Sharma and Mr. Dinesh Kumar Sharma and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Gurugram Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, hitherto known as BABY D/O USMAN W/O MOHD IRSHAD, R/O HOUSE NO-272, PLOT NO A-27, DR. AMBEDKAR CAMP, OKHLA INDUSTRIAL AREA PH-1, SOUTH DELHI, DELHI-110020 have changed my name and shall hereafter be known as AFSANA BANO.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ANUJ KUMAR S/O DESH RAJ GUPTA R/O X/152/10, Street No-8, X-Block, Braham Puri, Bhajan Pura, North East Delhi-110053 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as ANUJ GARG and CHAVI in my minor daughter namely RADHIKA GARG aged 12 years in his Birth Certificate No-MCDOLIR-0113- 005704181. And name of mine and my wife has been wrongly written as ANUJ and CHAVI in her School Records. The actual name of mine and my wife are ANUJ KUMAR and CHHAVI GARG respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NUTAN GODARA is legally wedded wife of No. 14671858N Rank NK Name BHUPENDRA GODARA presently residing VILL-LAMBOR CHHOTI, PO: LAMBOR BARI, TEH-RAJGARH, DIST-CHURU, (RAJASTHAN)-331023 have changed my name from NUTAN GODARA to NUTAN for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 19/11/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 15797063H Rank HAV(OFC) Name RATHOD JITENDRASINH JAGATSINH UNIT-141 AD REGT (SP) presently residing at VPO-DALPUR, TEH–PRANTIJ, DIST-SABARKANTHA, (GUJARAT)-383120 have changed my minor son's name from ANURAJSINH to ANURAJSINH JITENDRASINH RATHOD for all future purposes. Vide Affidavit Dated 18/11/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, SUSHILA DEVI W/o ASHOK KUMAR PAL R/o QTR NO-65/6, SANJAY VIHAR, DELHI CANTT-110010, have changed my name from SUSHILA DEVI to SUSHILA KUMARI PAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I Sangeet Kumar S/O Ashwini Kumar Singh R/O, 304, Tower-15, Common Wealth Games Village, Patparganj, Delhi -110092 have changed my minor son's name from Arsh to Arsh Aditya for all purposes.

NAME CHANGE
I, Muzahir Hussain S/o Munwar Hussain R/o D-181/55, D-Block, Bharat Vihar, VTC Kakrola, Delhi-110078 have changed my name to Mujahir Hussain.

NAME CHANGE
I, Anil Kumar S/o Sukhpal R/o House No.27, Manoli (35), Sonipat, Haryana-131023 have changed my name to Anil Chauhan.

NAME CHANGE
I, Rajender Sharma S/o Dharam Pal R/o RZ-73A, Gali No.5, Geetanjali Park West Sagarpur, Nangal Raya, Delhi-110046 have changed my name to Rajender Kumar.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद रिज़वान** प्रोप., **न्यू इंडिया शूज़ सेंटर,** बहादुरगंज, शाहजहाँपुर (उ0प्र0), **यहां भीः** जेल रोड, इस्लामिया इंटर कॉलेज के पास, सदर बाज़ार, शाहजहाँपुर (उ0प्र0)–242001, ने **CC No. 12227/20, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन मंगोलपुरी, बाहरी जिला, दिल्ली–83,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 12227/20, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन मंगोलपुरी, बाहरी जिला, दिल्ली–83,** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद रिज़वान** प्रोप., **न्यू इंडिया शूज़ सेंटर,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.12.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री रीतिका जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
कमरा नं0–105, उत्तर–पश्चिम जिला,
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/15560/OD/2025
(Court Matter)

NAME CHANGE
I hitherto known as MUKTA DEVI wife of Shri PRATEEK KATOCH, residing at H.N. Panchachuli Apartments, Sector-61, (Block-D), Sec-61, P.S. Sector 58, Noida, Tehsil-Dadri, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as MUKTA KATOCH.

NAME CHANGE
I, Gaurav Jain S/o Rajkumar Jain R/o Paanch Mandir, Mohalla Manak Chouk, Purani Tonk, Tonk, Tonk Raj, Rajasthan - 304001, have changed my minor son's name from Aarav Jain Aged 04 Years to Aarav Raj Jain forever.

NAME CHANGE
I hitherto known as Amira Hussain W/o Mo Kurban R/o 230, Jhuggi Jhopdi, Sector-16, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Rumi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Pari D/o Nikunj R/o House No. H-163, Vijay Vihar, Phase-2, Rohini Sector-7, North West Delhi, Delhi-110085 have changed my name and shall hereafter be known as Pari Diwakar.

NAME CHANGE
I, hitherto known as AFSHA D/O MOHD ALI SHER R/O F-186, Shaheed Nagar, Chikamberpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201006 have changed my name and shall hereafter be known as SAMRIN.

NAME CHANGE
I, MOHD ALI SHER S/O AKHTAR HUSSAIN R/O F-186, Shaheed Nagar, Chikamberpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201006 have changed the name of my minor son SHAHBAN aged 10 years and he shall hereafter be known as MOHD SHABAN.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/o HARIVANSH R/o E 424 GALI NO 77 MAHAVIR ENCLAVE PART 3 UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 have changed the name of my minor daughter SHIVANI alias SHIVANI PRAJAPATI aged 15 years (dob 23/01/2011) and she shall hereafter be known as SHIVANI PRAJAPATI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Neha Sharma D/O Mukesh Sharma, R/O A-55, Budh Vihar Phase-2, Sultanpuri C Block, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of my father has been wrongly written as Mesh Sharma in my B.ed degree Document. The actual name of my father is MUKESH SHARMA, Respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Dharmender Rai S/o Chandrika Rai R/o Kh.No-80/7, Gali No-13, Vashisht Enclave, Burari, Salem Pur Majra Burari, North Delhi, Delhi-110084 declare that name of mine has been wrongly written as Dharmendra Rai in my minor son Tapas Rai aged 15 years in his School Records. The actual name of mine is Dharmender Rai.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I DAYAL SINGH S/O SHEESH RAM R/o Plot No. A-6, Flat No. GF-2, Ground Floor, Block-A, Brij Vihar, Chander Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201011, declare that the name of my father has been wrongly written as SHISH RAM SINGH in my Educational Certificate and SHEESH RAM SINGH in my SC Caste Certificate No SC/08/83/1488/10/ 11/2005/15697/907. The Actual name of my father is SHEESH RAM respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ANIL CHOUDHRY C/O Ompal Singh, R/O E-1/434 Fourth Floor, Cpwd Flat Type-3, Khalsa College, Dev Nagar, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi, 110005, have changed the name of my minor daughter Dakshayani aged 16 years and she shall hereafter be known as DAKSHAYANI MALIK.

NAME CHANGE
I SACHIN S/O HARPARSAD JAIN R/O H.NO 462 JAIN MANDIR GALI JHARODA KALAN DELHI-110072,I have changed my name to SACHIN KUMAR JAIN Permanently

NAME CHANGE
I hitherto known as MUKTA DEVI wife of Shri PRATEEK KATOCH, residing at H.N. Panchachuli Apartments, Sector-61, (Block-D), Sec-61, P.S. Sector 58, Noida, Tehsil-Dadri, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as MUKTA KATOCH.

नाम परिवर्तन
मैं, मुहम्मद इसराइल पुत्र मुहम्मद इस्लाम निवासी ई-82/ए 429, शरहद पुरी, झिलमिल, दिल्ली-95 घोषणा करता हूँ कि मेरा वास्तविक नाम मुहम्मद इसराइल (Muhammad israil) और मेरे पिता का नाम मुहम्मद इस्लाम (Muhammad islam)है किंतु मेरे कुछ डॉक्यूमेंट में मेरा नाम त्रुटिपूर्वक इसराइल और पिता का नाम इस्लाम सैय्यद लिखा गया है, उपरोक्त दोनों नाम मुझसे ही संबंधित हैं, इसलिए भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों के लिए मुहम्मद इसराइल पिता मुहम्मद इस्लाम के नाम से ही जाना पहचाना जाए।

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Fula Devi W/o Mr. Pramod Kumar is the owner of Freehold Residential House No. 135-A and New No. 224/124 (Property ID No. 1CVGC589), area measuring 82 Sq. Yds., out of Khasra No. 19-20, Situated at Vishnu Garden, Andar Hadud Nagar Nigam Gurugram, Mauja Gurgaon Village Halalabad, Tehsil & District Gurugram, Haryana. by virtue of Sale Deed dated 04.01.2024 duly regd. on SR-Gurugram, as Doc. No. 12130, in Book No. 1, dated 04.01.2024., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Regd. General Power of Attorney dated 18.08.1987 & (2) Death Certificate & SMC of Mr. Mukesh Kumar S/o Lt. Mr. Ram Awtar Sharma now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Gurgaon, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, MOHD LUKMAN S/O MOHD ISHAQ R/O H NO 12A/104 STREET NO 11VIJAY MOHALLA MAUJPUR DELHI -110053, I have changed my name to MOHD LUQMAN Permanently

NAME CHANGE
I, GADIR FATMA D/O AFSAR ALI R/O H.NO B-26/8,GALI NO 2, OKHLA VIHAR JAMIA NAGAR DELHI -110025,I have changed my name to GHADIR FATIMA Permanently

NAME CHANGE
I,HARSHITA D/o Pawan Soni R/o 16/635, Amrit Kaur Puri, Tank Road, Karol Bagh, Delhi-110005, have changed my name to HARSHITA SONI permanently

NAME CHANGE
I SUALEHA ASAD D/O ASAD AHMAD R/O C-46, BATLA HOUSE JAMIA NAGAR OKHLA NEW FRIENDS COLONY DELHI 110025, I have changed my name to SUALAHA ASAD Permanently

NAME CHANGE
I, MD shamim S/O: Atiullah Miya, R/O H No E-44/45, om vihar Phase-5, Chand Public School, uttam Nagar, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi 110059, have changed the name of my minor son Md Imtiyaz aged 16 years and he shall hereafter be known as INTAZULLHA.

NAME CHANGE
I hitherto known as Md Israfeel S/O: Md Shamim, R/O E-45, Chand Public School, Phase-5, Om Vihar, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi - 110059, have changed my name and shall hereafter be known as ISHERAFUL.

NAME CHANGE
I, ABIDA HAMID W/O MOHAMMAD ZIAUDDIN residing at HOUSE NO 2439, BARA DARI, BALLIMARAN, CHANDNI CHOWK, DELHI-110006 have changed my name to ADIBA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
My Client Anita Devi, W/O Sh. Anil Kumar Premi R/O 236/437, Pusta Road Old Shiv Mandir, Aali Village, Sarita Vihar, New Delhi-110076, have severed all relations and disowned her son namely Naresh & his wife Pooja from her all movable-immovable properties due to her misconduct. My client shall not be responsible for their acts/deeds in future.
Pradeep Kumar Advocate
CH.NO.640 LAWYERS BLOCK,
SAKET COURT, COMPLEX
NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I hitherto known as Devender S/o Jasodi R/o Rauni, Astauly, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203202 have changed my name and shall hereafter be known as Devendra Singh.

NAME CHANGE
I hitherto known as PAWAN SAINI W/o DHARAMPAL SAINI, R/o WZ-279, Rishi Nagar, Shakur Basti, Rani Bagh, North West Delhi, Delhi-110034, have changed my name and shall hereafter be known as PAWAN KUMARI.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that PNB Housing Finance Ltd., having its branch office at Uttam Nagar, New Delhi, intends to extend a financial facility to Mrs. Shweta Kumari, against the security of a Flat Pvt. No. 12-C on Second Floor, with roof/ terrace rights, with further roof top rights upto Sky, area measuring 90 Sq. Yds. i.e. 75.24 Sq. Mtrs. (Approx.), alongwith free common Parking space provided for one Small Car, Out of Khasra Nos.476, situated within Extended Abadi Deh of Village Burari, Delhi-110084. The Said Property was owned by Mrs. Shweta Kumari, who derived title thereto by virtue of a Sale Deed bearing Document No. 2025/19/I/3580, dated 26.03.2025, duly registered and executed by Mr. Dhiraj Kumar Parakh. It is hereby further notified that the Original Sale Deed dated 27.01.2009, duly registered as Document No. 522 on 27.01.2009, has been misplaced/lost and remains untraceable. A report in this regard has been duly lodged with the Crime Branch of Delhi Police vide LR No. 2294226/2024, dated 12.11.2024. Accordingly, any person(s), individual(s), or entity (ies) having any claim, right, title, interest, lien, or objection whatsoever in respect of the aforementioned property or against the proposed mortgage in favour of PNB Housing Finance Ltd., are hereby called upon to submit their claims/objections in writing, along with supporting documents, to the undersigned within seven (7) days from the date of publication of this notice. Claims or objections, if any, may be submitted to **Adv. Rishi Maheshwari (Mobile No.: - +91-9340118309).** In the absence of any response within the stipulated time period, it shall be presumed that there are no claims, objections, or encumbrances pertaining to the said property, and the proposed transaction shall be completed without any further reference or demur.
Rishi Maheshwari (Advocate)
Office At : RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden
Jain Road,
Near Dwarka More
New Delhi 110059.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में साइबर फ्रॉड से हुआ 850 करोड़ से अधिक का नुकसान

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा में साइबर फ्रॉड का खतरा लगातार बढ़ रहा है। वर्ष-2024 में राज्य ने डिजिटल धोखाधड़ी के कारण 850 करोड़ का नुकसान झेला है। इस नुकसान में अकेले गुरुग्राम ने कुल मामलों का 20 प्रतिशत नुकसान है। नॉक आउट डिजिटल फ्रॉड नामक राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी सांझा की गई। हरियाणा पुलिस और बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) द्वारा संयुक्त रूप से राजकीय महाविद्यालय सिधरावली में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के लगभग 250 छात्र और फैकल्टी सदस्य शामिल हुए। पीएस साइबर मानेसर के सब-इंस्पेक्टर विकास बेनीवाल ने नॉक आउट डिजिटल फ्रॉड नामक राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की धोखाधड़ी पर विस्तार से बताते हुए कहा कि लोगों के शिकार होने की सबसे बड़ी वजह है अज्ञानता, लालच और भय। फ्रॉडस्टर डिजिटल अरेस्ट, इन्वेस्टमेंट स्कैम और टास्क-बेस्ड फ्रॉड जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके पीड़ितों को अलग-थलग कर देते हैं। उनकी मनोविज्ञान का फायदा उठाते हैं और उनकी जीवन भर की कमाई साफ कर देते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति आपसे पैसे या बैंक डिटेल मांगता है तो बिना किसी संदेह के समझ लें कि वह फ्रॉडस्टर है। जागरूकता ही असली सुरक्षा है।उन्होंने आगे कहा गुरुग्राम में ही 2024 में 25,000 से अधिक साइबर क्राइम मामले दर्ज हुए हैं। साइबर फ्रॉड होने की स्थिति में पीड़ित को तुरंत साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इससे खोए हुए पैसे की रिकवरी की संभावना काफी बढ़ जाती है।

हरियाणा में बढ़ता नशा, बेरोजगारी और अपराध चिंता का विषय: सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा आज गंभीर सामाजिक और सुरक्षा चुनौतियों की गिरफ्त में है। बढ़ती बेरोजगारी, नशाखोरी और अपराध की घटनाओं ने न केवल आमजन के मन में भय का वातावरण बना दिया है, बल्कि प्रदेश की शांति और प्रतिष्ठा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने मीडिया को जारी एक बयान में कहा कि प्रदेश में अपराधियों का मन इतना बढ़ गया है कि व्यापारी, किसान, पत्रकार और यहां तक कि टोल प्लाज़ा कर्मचारी भी उनकी धमकियों और रंगदारी के निशाने पर हैं। इस चिंताजनक स्थिति पर सरकार से नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था की नाकामी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता का जीना दुश्वार हो चुका है, बेरोजगारी के चलते युवा नशे और अपराध की चपेट में तेजी से आ रहे हैं, जबकि सरकार चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि नशा के सौदागर बेखौफ होकर नशे का धंधा कर रहे हैं। सिरसा जिले में भी नशा तेजी से फैल रहा है। उन्होंने कई बार इस बारे में सरकार व प्रशासन को अवगत करवाया है, लेकिन सरकार का रवैया ढुलमुल वाला ही दिखाई दे रहा है।

हिसार : आयुर्वेद चिकित्सकों ने ली भ्रूण हत्या न करने की शपथ

हिसार। हरियाणा प्रदेश आयुर्वेद सम्मेलन के दौरान एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल करते हुए 1020 से अधिक आयुर्वेद चिकित्सकों ने भ्रूण हत्या न करने की शपथ ली। यह संकल्प न केवल चिकित्सा जगत में नैतिकता का सशक्त संदेश देता है, बल्कि समाज में कन्या भ्रूण रक्षा को बढ़ावा देने की एक प्रेरक पहल भी है। सम्मेलन के दौरान अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों को विभिन्न अवार्ड्स से सम्मानित किया गया। विशेष सम्मान के तहत वैद्य ताराचंद को प्रतिष्ठित आयुर्वेद भूषण अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनकी लिखित पुस्तक आज भी हजारों आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा अध्ययन की जाती है और आयुर्वेद के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक मानी जाती है। इसके अलावा चार डॉक्टरों को लम्बे समय से आयुर्वेद सेवाएं देने पर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इनमें हिसार आयुर्वेद सम्मेलन के संरक्षक व हिसार निवासी डॉ. राजकुमार दिनोदिया, डॉ. केसी शर्मा, डॉ. केके मोहन, डॉ. ओपी वशिष्ठ शामिल रहे। इन सम्मानित हस्तियों ने वर्षों तक आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रचार, उन्नयन और शोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयुर्वेद सम्मेलन के जिला महासचिव डॉ. घनश्याम पचार ने बताया कि इस अवसर पर जिले एवं प्रदेश के कई प्रतिष्ठित चिकित्सक उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से जिला सचिव डॉ. गौरव मुंजाल, मीडिया प्रमुख डॉ. रोबिन मदान, डॉ. विजय यादव, हांसी, डॉ. विपिन आर्य, डॉ. ताराचंद, डॉ. सरिता पचार, डॉ. सविता, डॉ. आशा, डॉ. मोनिका बांगा, डॉ. बनवारी (उपाध्यक्ष), डॉ. राजेश सिंगला की प्रतिबद्धता दोहराई।

गुरुग्राम में फर्जी जीपीए के लिए स्विट्जरलैंड में तैयार किए कागजात

गुरुग्राम। स्थानीय पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह के एक सदस्य को गुरुग्राम पुलिस ने उस समय काबू किया, जब वह लंदन से भारत आ रहा था। उसे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दिल्ली से पकड़ा गया। इस मामले में पीड़ित की प्रॉपर्टी को देखने वाले प्रॉपर्टी डीलर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि आरोपी को अदालत में पेश करके गहनता से पूछताछ की जाएगी।जानकारी के अनुसार तीन जनवरी 2023 को सदर थाना पुलिस को आर्थिक अपराध शाखा-1 ने एक शिकायत सौंपी।

वाहे गुरुजी का खालसा, वाहे गुरुजी की फतेह से गुंजायमान हुआ जींद

जींद। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में फरीदाबाद से चली हिंद की चादर तीसरी शहीदी यात्रा का सोमवार देर रात को जिला जींद में आगमन हुआ। श्रद्धालुओं ने यात्रा का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। मंगलवार को शहीदी यात्रा के साथ शहरभर में नगर कीर्तन निकाला गया और विभिन्न स्थानों पर संगत ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया। यात्रा के दौरान वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह के जयकारों से पूरा जिला गुंजायमान रहा। गुरु घर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह ने बताया कि नगर कीर्तन का रोहतक जिला के लाखन माजरा से जींद जिला की सीमा में आगमन हुआ। यात्रा लाखन माजरा से होती हुई सबसे पहले किनाना गांव में पहुंची। वहां से जींद हवेली पर अशरफगढ़ की संगतों द्वारा नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया गया। यहां से नगर कीर्तन सफीदों रोड पहुंचने पर जींद जिला के गुरुद्वारा प्रबंधक समिति सदस्यों द्वारा यात्रा का स्वागत किया।

विकास कार्य निश्चित अवधि में पूरा करें अधिकारी, अन्यथा होगी कार्रवाई : मनोज कुमार

एजेंसी
नारनौल। सरकार व जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि सभी विकास कार्य निश्चित अवधि में पूरे

हों ताकि आम नागरिकों को इसका लाभ मिले। अगर कोई अधिकारी सही समय पर कार्य नहीं करवाता तो उसके खिलाफ कार्यवाही के लिए लिखा जाएगा। सरकार इस मामले में बहुत गंभीर है। ये निर्देश उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने मंगलवार को लघु सचिवालय में डी-प्लान के तहत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए। उपायुक्त ने इस वर्ष के कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि बजट उपलब्ध होते ही सही समय पर टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाए। अगर टेंडर सफल नहीं होता है तो तुरंत दूसरा टेंडर कॉल किया जाए। इस मामले में अधिक देरी नहीं होनी चाहिए। अनावश्यक देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य पूरा होते ही तुरंत प्रभाव से जिला परिषद को बिल भेजा जाए और उसका यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट भी भेजा जाए। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य के दौरान गुणवत्ता से कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त उदय सिंह तथा सभी बीडीपीओ, नगर परिषद तथा नगर पालिका के अधिकारी मौजूद रहे।

विकास कार्य निश्चित अवधि में पूरा करें अधिकारी, अन्यथा होगी कार्रवाई : मनोज कुमार

एजेंसी
नारनौल। सरकार व जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि सभी विकास कार्य निश्चित अवधि में पूरे हों ताकि आम नागरिकों को इसका लाभ मिले। अगर कोई अधिकारी सही समय पर कार्य नहीं करवाता तो उसके खिलाफ कार्यवाही के लिए लिखा जाएगा। सरकार इस मामले में बहुत गंभीर है। ये निर्देश उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने लघु सचिवालय में डी-प्लान के तहत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए। उपायुक्त ने इस वर्ष के कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि बजट उपलब्ध होते ही सही समय पर टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाए। अगर टेंडर सफल नहीं होता है तो तुरंत दूसरा टेंडर कॉल किया जाए। इस मामले में अधिक देरी नहीं होनी चाहिए। अनावश्यक देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य पूरा होते ही तुरंत प्रभाव से जिला परिषद को बिल भेजा जाए और उसका यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट भी भेजा जाए। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य के दौरान गुणवत्ता से कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त उदय सिंह तथा सभी बीडीपीओ, नगर परिषद तथा नगर पालिका के अधिकारी मौजूद रहे।

अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में आयुष्मान सर्जिकल कैंप सप्ताह का शुभारंभ

एजेंसी
हिसार। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान सर्जिकल कैंप सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस विशेष सप्ताह का मुख्य उद्देश्य आयुष्मान योजना के तहत सूचीबद्ध लाभार्थियों को निःशुल्क, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध शल्य चिकित्सा (सर्जरी) सेवाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मंगलवार को पूर्व सांसद जनरल डीपी वत्स ने शिरकत की। उनके साथ

महाविद्यालय निदेशक डॉ. अलका छाबड़ा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव चौहान और सभी विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। जनरल डीपी वत्स ने इस अवसर अग्रोहा मेडिकल के प्रयासों की सराहना की और बताया कि अग्रोहा मेडिकल आयुष्मान की सुविधा के मामले में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना गरीब और वंचित लोगों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का कवच है। यह केवल एक बीमा योजना नहीं, बल्कि उन्हें सम्मान और सुरक्षित भविष्य प्रदान करने का एक मजबूत संकल्प है। कैम्प के दौरान आयुष्मान डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. राकेश शर्मा ने उपस्थित मरीजों और जनता को आयुष्मान योजना के तहत होने वाली सर्जरी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सामान्य सर्जरी, नेत्र रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग, तथा ईएनटी (कान-नाक-गला) सहित कई जटिल सर्जिकल प्रक्रियाएं इस योजना के तहत पूरी तरह से निःशुल्क (कैशलेस) उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान सर्जिकल कैंप सप्ताह 22 नवंबर तक चलेगा। इस मौके पर सभी विभागाध्यक्षों आयुष्मान विभाग के अधिकारी व कर्मचारी और वरिष्ठ चिकित्सकों की मौजूदगी ने कैंप के सफल संचालन के प्रति अस्पताल के गंभीर इरादों को दर्शाया।

एनआईआरसी ने आयोजित किया उमंग यूथ फेस्टिवल, सीए स्टूडेंट्स ने दिखाया हुनर

एजेंसी
हिसार। एनआईआरसी हिसार ब्रांच द्वारा सीए स्टूडेंट्स के लिए आयोजित किए गए उमंग युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस उत्सव में कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अमन बंसल व एनआईसीएएसए के चेयरमैन सीए विशेष भारद्वाज ने बताया कि गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में आयोजित किए गए उमंग युवा उत्सव में सीए स्टूडेंट्स का उत्साह देखने लायक रहा। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर सीए भंवर बोराना, सीए सुरभि श्रीवास्तव भारतीय व सीए अजफर खान ने अपने वक्तव्य से विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उमंग युवा उत्सव में 1100 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और 200 से अधिक

विद्यार्थियों ने विभिन्न श्रेणियों में शिरकत करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रुप डांस, गुजराती गरबा, हरियाणवी लोक नृत्य, भंगड़ा व बॉलीवुड स्टाइल के डांस प्रस्तुत करके एवं गीत गायन से प्रतिभागियों ने खूब तालियां बटोरी। सीए अमन बंसल व सीए विशेष भारद्वाज ने बताया कि एनआईआरसी हिसार ब्रांच सीए की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए हमेशा तत्पर है। इन विद्यार्थियों को सीए से संबंधित जानकारी तो उपलब्ध करवाई ही जाती है। उन्होंने बताया कि इस यूथ फेस्टिवल में एनआईआरसी हिसार ब्रांच के वाइस चेयरमैन सीए अजय गोयल, सचिव सीए मुकुल मित्तल, कोषाध्यक्ष सीए राजेश कुमार, कार्यकारी सदस्य सीए प्रतीक आर्य, कार्यकारी सदस्य सीए सुनील कुमार व एक्स ऑफिशियो मेंबर सीए रतन सिंह यादव सहित स्थानीय इकाई के समस्त सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस दौरान कनक ने सांस्कृतिक गतिविधि प्रमुख, देवांश ने एंकरिंग प्रमुख, बिंदु व जागृत बंसल ने वॉलंटियर प्रमुख की भूमिका निभाई।

भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखना हर भारतीय का सपना : मोहनलाल बड़ोली

एजेंसी
जींद। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने पूरे भारत को एकसुत्र में पिरोने का काम किया था। उसी के अनुरूप हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री का सपना 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और अब यह सपना समुचे भारतियों का बन चुका है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली जुलाना में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भव्य पदयात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पदयात्रा का आयोजन राजकीय माध्यमिक विद्यालय तलौडा से सिवाहा, खेड़ी व जामनी होते हुए पिल्लूखेड़ा तक किया गया। एकता पदयात्रा में जुलाना, जींद तथा सफीदों विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सैकड़ों युवाओं ने हिस्सा लेकर यात्रा का भव्य स्वागत किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली ने कहा कि गुजरात में स्थित

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार पटेल की महानता और देश की एकता का प्रतीक है। इस प्रतिमा के निर्माण में पूरे देश के गांव-गांव से लोहा एकत्र किया गया था। जो भारत की एकता और समर्पण की मिसाल है। इस कार्य में स्वयं मैं व मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी जिम्मेदारी निभाते हुए इस कार्य में पूर्ण सहयोग दिया था। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि हम सभी को अपने जीवन में कम से कम एक बार जरूर उस महान व्यक्तित्व के स्टेच्यू के दर्शन करने चाहिए। उन्होंने कहा कि एकता पदयात्रा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरे देश में निकाली जा रही है। जो हमे राष्ट्र के प्रति सद्भावना, एकता की सीख देती है। आज के समय भारतीय नागरिक जिस भी देश में जाते हैं, उन्हें इज्जत के साथ देखा जाता है। विश्व में देश की छवि को सुधारने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नही है, जब हम पहले स्थान पर होंगे। विकसित राष्ट्र बनाने में सबसे ज्यादा भूमिका हमारे युवाओं की रहेगी। आज बहुत सी ऐसी ताकते है जो भारत को खंड- खंड करना चाहती है लेकिन हमारे देश के प्रधानमंत्री सशक्त हैं, जिन्होंने अपनी ताकत के बल पर हिंदुस्तान को एक अलग रूप देने का काम किया है। इस मौके पर यात्रा के जिला संयोजक राजबीर रोहिल्ला, पूर्व विधायक कलीराम पटवारी, पुष्पा तायल, भारत भूषण टांक सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजकीय पॉलिटेक्निक मानेसर में इंजीनियरिंग लैब शुरू

एजेंसी
गुरुग्राम। राजकीय पॉलिटेक्निक, मानेसर में आनंद फिल्टर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सीएसआर सहायता से विकसित उन्नत ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग लैब का उद्घाटन किया गया। आनंद ग्रुप ऑफ कंपनीज के ग्रुप सीईओ महेंद्र गोयल और महले आनंद फिल्टर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के सीओओ आर.के. जैन ने लैब का उद्घाटन किया। नई प्रयोगशाला अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों से सुसज्जित है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग-मानक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। इस सुविधा के शुरू होने से

छात्रों को प्रायोगिक कार्यों, नवीन तकनीकों की समझ और वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों पर आधारित शिक्षण का लाभ मिलेगा। प्रधानाचार्य धर्मपाल ने बताया कि संस्थान द्वारा सीएसआर सहायता के तहत यह सहयोग तकनीकी शिक्षा को अधिक प्रभावी और रोजगार उन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से उद्योग-संस्थान सहभागिता को मजबूती मिलेगी तथा ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के अनुरूप प्रशिक्षित करने में मदद मिलेगी। नई लैब सुविधा भविष्य में तकनीकी दक्ष मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में टीपीओ नीरज कुमार सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

'सिविल इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण' विषय पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी
हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सौजन्य से बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए 'सिविल इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण' विषय पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनोवेशन सोलूशन बेंटले, चंडीगढ़ के तकनीकी अधिकारी अमित कुमार इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता विभागाध्यक्षा प्रोफेसर आशा गुप्ता ने की। विभाग के शिक्षक डॉ. नवदीप मोर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक थे।

विषय विशेषज्ञ अमित कुमार ने इस प्रशिक्षण को पांच चरणों में विभाजित किया। पहले चरण के पहले दिन, उन्होंने विद्यार्थियों को एसटीएएडी.प्रो का परिचय दिया और उन्हें संरचनात्मक आदर्शीकरण के बारे में प्रशिक्षित किया। उन्होंने प्रकार (ट्रस, फ्लेन, फ्लोर और स्पेस) डीओएफ और व्यवहार के साथ, तत्व, स्थैतिक और गतिक विश्लेषण तथा ग्राफिकल एनवायरनमेंट लेआउट का प्रशिक्षण दिया। दूसरे दिन, उन्होंने विद्यार्थियों को स्टील और विभिन्न आईएस कोड के बारे में प्रशिक्षण दिया, जिनका उपयोग करके

संरचना का विश्लेषण किया जा सकता है। तीसरे दिन, उन्होंने विद्यार्थियों को बीम, कॉलम और ट्रस के विश्लेषण का विस्तार से प्रशिक्षण दिया। चौथे दिन का ध्यान स्लैब डिजाइन और प्लेट तनावों पर केंद्रित रहा। अंतिम दिन का पहला सत्र विभिन्न संरचनाओं की नींव और विस्तृत विश्लेषण पर केंद्रित रहा। अंतिम सत्र विद्यार्थियों द्वारा सीखे गए ज्ञान का वास्तविक प्रदर्शन रहा। विभागाध्यक्षा प्रो. आशा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य रूप से एसटीएएड.प्रो सॉफ्टवेयर के व्यावहारिक उपयोग पर आधारित था। उन्होंने इस ट्रेंडिंग सॉफ्टवेयर की तत्काल आवश्यकता पर चर्चा की। एसटीएएडी.प्रो इंजीनियरों को यह विश्लेषण करने में मदद करता है कि संरचनाएं विभिन्न प्रकार 5कार्यक्रम था। समन्वयक डॉ. नवदीप मोर ने बताया कि अमित कुमार के पास स्ट्रक्चर डिजाइन और एईसी प्रोजेक्ट्स में पंद्रह साल से अधिक का अनुभव है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दिए जाएंगे पुरस्कार: मनोज कुमार

एक दिसंबर तक करें श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार के लिए आवेदन

एजेंसी
नारनौल,। हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार 2025-26 के श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक महिलाएं पुराना लघु सचिवालय प्रथम तल पर स्थित महिला एवं बाल विकास कार्यालय में एक दिसंबर तक आवेदन जमा करवा सकती हैं। इसके बाद गठित कमेटी की सिफारिश पर मुख्यालय पर भेजा जाएगा। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आठ मार्च को प्रदान किया जाता है। सुषमा स्वराज पुरस्कार के लिए पांच लाख रुपये व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन महिलाओं को दिया जाएगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए अभ्यर्थी अपना संपूर्ण बायोडाटा साथ लेकर

आएं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के दूरभाष नंबर 01282-252331 पर फोन कर जानकारी ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने के लिए योग्यताएं व शर्तें विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है।

सिरसा: नशा मुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगांठ पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

एजेंसी
सिरसा। नशा मुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर सिरसा के पुलिस अधीक्षक कार्यालय एसपी दीपक सहारण सहित व अन्य पुलिस कर्मचारियों ने नशा मुक्त भारत का संकल्प लेकर शपथ ग्रहण करते हुए कहा कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और समाज को भी इसके दुष्परिणामों से जागरूक करेंगे।

एसपी दीपक सहारण ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं और युवाओं का समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है, इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवा नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ें। उन्होंने कहा कि इस चुनौती को स्वीकार करते हुए आज हम नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एकजुट होकर यह संकल्प लेते हैं कि न केवल समाज,परिवार,मित्र,बल्कि स्वयं भी नशा मुक्त होंगे क्योंकि बदलाव की शुरुआत स्वयं से होनी चाहिए। आइए हम सब मिलकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाने का दृढ़ संकल्प लें। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि हम संकल्प लेते है कि अपने देश व समाज को नशा मुक्त

बनाने के लिए अपनी पूरी क्षमता से हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा एक ही उद्देश्य है, समाज रहे महा अभियान से जुड़कर समाज को नशा मुक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएं ताकि समाज को एक नई दिशा की और ले जाया जा सके।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SUHANI AHLAWAT S/O MAHESH KUMAR AHLAWAT R/O Birohar(145), PO: Birohar, Dist: Jhajjar, Haryana-124106 declare that name of mine has been wrongly written as SUHANI in my 10th and 12th Class Marksheet and Certificate. The actual name of mine is SUHANI AHLAWAT which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BANITA KUMARI W/O RAKESH R/O Rawaldhi, PO- Rawaldhi, DIST-Bhiwani, Haryana -127306, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as BANI-TA and RAKESH KUMAR in my Son's RAKSHIT aged 15 Years in his 10 class educational documents. The actual name of mine and my husband are BANITA KUMARI and RAKESH respectively, which may be amended accordingly.

हरियाणा विकास के मामले में पिछड़ा, अपराध में बना देश में नंबर वन: अभय चौटाला

एजेंसी
रोहतक। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा विकास के मामले में आज पूरी तरह पिछड चुका है और अपराध में पूरे देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि जिस तरह से प्रदेश में अपराधिक घटनाएं बढ़ रही है, उससे साफ है कि बदमाशों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। इनेलो राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला रूपया चौक स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने भ्रष्टाचार के सभी रिकार्ड तोड़ दिए है। हर रोज एक नया घोटाला उजागर हो रहा है, लेकिन सरकार किसी भी मामले की जांच करवाने को तैयार नहीं है, जिससे साबित होता है कि सरकारी संरक्षण में जमकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा

रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश पर कई हजार करोड रूपये कर्जा बढ़ गया है और इसकी जिम्मेदार वर्तमान सरकार है। फरीदाबाद में भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ मिलने के सवाल पर इनेलो सुप्रीमों अभय सिंह चौटाला ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह सरकार का पूरी तरह से फेलइयर है। फरीदाबाद की घटना सरकार की नाकामी को उजागर कर रही है। उन्होंने कहा कि आज डीजीपी ओपी सिंह व सरकार यह कह रही है कि हम बदमाशों को पाताल से भी निकाल लेंगे, इसका मतलब तो यह है कि अब तक पुलिस व सरकार सोयी हुई थी। पहले काम करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है, रोजाना नए-नए घोटाले व भ्रष्टाचार के मामले उजागर हो रहे है। सरकार सिर्फ घोटाले करने में लगी हुई है, जनता से उनका कोई सरोकार नहीं है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मिला-जुला असर

नई दिल्ली सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार सुबह देशभर में पेट्रोल और डीजल के नए रेट घोषित किए। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ब्रेंट क्रूड 65 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 60.65 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जिससे भारतीय फ्यूल सेक्टर पर दबाव बढ़ा है। नोएडा में पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 28 पैसे महंगा हुआ। वहीं, गाजियाबाद में पेट्रोल 45 पैसे और डीजल 52 पैसे सस्ता हुआ। गुरुग्राम में पेट्रोल 27 पैसे और डीजल 25 पैसे कम हुआ। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पिछले दिनों से पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। अप्रैल 2023 में टैक्स ढांचे में बदलाव के बाद से इन शहरों में लंबी स्थिरता कायम है।

बजाज ऑटो ने केटीएम में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली बजाज ऑटो लिमिटेड ने ऑस्ट्रिया की मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी केटीएम में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। यह अधिग्रहण 80 करोड़ यूरो का है और सभी यूरोपीय नियामकों की मंजूरी मिलने के बाद पूरा हुआ। अधिग्रहण के तहत बजाज ऑटो की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बीएआईएच ने पीबीएजी के सभी 50,100 शेयर खरीद लिए हैं। पीबीएजी का नाम बदलकर बजाज आटो इंटरनेशनल हो ल्डिंग एजी कर दिया गया है, जबकि केटीएम की होल्डिंग कंपनी पीएमएजी का नाम बदलकर बजाज मो बि लटी एजी किया गया है। अब पीबीएजी, बीएआईएच की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई है। इस सौदे के लिए कुल नौ नियामक मंजूरियों की आवश्यकता थी, जिनमें से आठ मंजूर हो चुकी थीं।

सैमसंग इंडिया की परिचालन आय एक लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स ने वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन आय 11 प्रतिशत बढ़ाकर 1.11 लाख करोड़ कर दी। इससे पहले वित्त वर्ष 2023-24 में इसकी परिचालन आय 99,541.6 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने आरओसी को दी गई जानकारी में बताया कि परिचालन आय ने पहली बार एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। कंपनी की कुल आय जिसमें अन्य आय शामिल है, पहले ही वित्त वर्ष 2023-24 में 1,06,283 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर चुकी थी। मोबाइल फोन व्यवसाय सैमसंग इंडिया की कुल आय में सबसे बड़ा योगदान देता है। कंपनी टैबलेट, टेलीविजन, घरेलू उपकरण और कंप्यूटर जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय है। सैमसंग इंडिया ही उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की एकमात्र कंपनी है, जिसका कारोबार 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। एप्पल इंडिया का राजस्व 2024-25 में 18 फीसदी बढ़कर 79,378 करोड़ रुपए और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का 24,630.63 करोड़ रुपए रहा, जबकि उनका आकार सैमसंग से काफी छोटा है।

टेक्नो क्लीन एयर के शेयर 27 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट

निवेशकों को हर शेयर पर 108 रुपए का फायदा

नई दिल्ली

गाड़ियों के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी टेक्नो क्लीन एयर ने बुधवार को शेयर बाजार में दमदार एंट्री की। कंपनी का शेयर इश्यू प्राइस 397 रुपए के मुकाबले 27 फीसदी प्रीमियम के साथ एनएसई पर 505 रुपए और बीएसई पर 498 रुपए प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुआ। मजबूत डेब्यू की वजह से रिटेल निवेशकों को हर शेयर पर करीब 108 रुपए का लाभ मिला, जबकि एक लॉट में यह मुनाफ़ा लगभग 3,996 रुपए तक पहुंच गया। कंपनी का यह बहुप्रतीक्षित आईपीओ 12 नवंबर को खुला और 14 नवंबर को बंद हुआ था। कुल 3,600 करोड़ रुपए के इस इश्यू में लगभग 9.07 करोड़ शेयरों की बिक्री की पेशकश की गई थी। यह पूरा आईपीओ ऑफर फॉर सेल के तहत था, यानी इस इश्यू से कंपनी को कोई नया पूंजी निवेश प्राप्त नहीं हुआ। मौजूदा शेयरधारकों ने ही अपने हिस्से की हिस्सेदारी बाजार में बेची।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनी की वैश्विक उपस्थिति, मजबूत ग्राहक आधार और ऑटो कंपोनेंट सेक्टर में बढ़ती मांग के चलते निवेशकों ने इस इश्यू में खास रुचि दिखाई। लिस्टिंग के पहले दिन ही मिले शानदार रिटर्न ने निवेशकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। यदि बाजार में यह सकारात्मक धारणा बनी रहती है, तो आने वाले दिनों में शेयर और मजबूती दिखा सकता है।

दिल्ली का खान मार्केट वैश्विक महंगे खुदरा स्थानों की सूची में गिरा

अब वैश्विक महंगे खुदरा क्षेत्रों की सूची में 24वें स्थान पर

नई दिल्ली दिल्ली का पॉश इलाका खान मार्केट अब वैश्विक महंगे खुदरा क्षेत्रों की सूची में 24वें स्थान पर आ गया है। पिछले साल यह 23वें स्थान पर था। यहां वार्षिक किराया 223 डॉलर प्रति वर्ग फुट है। एक रिपोर्ट के अनुसार लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट दुनिया का सबसे महंगा खुदरा इलाका बन गया है, जहां किराया 2,231 डॉलर प्रति वर्ग फुट है। मिलान का वाया मोंटे नेपोलियन अब दूसरा सबसे महंगा क्षेत्र है। हांगकांग का सिम शा त्सुई चौथे स्थान पर है। इसके बाद पेरिस, टोक्यो, ज्यूरिख, सिडनी, सियोल और वियना के प्रमुख खुदरा इलाके शामिल हैं। गुरुग्राम के गैलेरिया मार्केट में किराया 25 फीसदी बढ़ा। नई दिल्ली के कनॉट प्लेस और मुंबई के केम्प्स कॉर्नर में क्रमशः 14 और 10 फीसदी की वृद्धि हुई।

डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने के लिए भारत में लांच होगा आईडीपीआईसी

बैंकिंग सुरक्षा में आएगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) जैसी भूमिका निभाने वाली नई संस्था भारतीय डिजिटल भुगतान इंटेलिजेंस निगम (आईडीपीआईसी) देश में डिजिटल भुगतान परिदृश्य बदलने जा रही है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक अे धिकारी मुंबई में सीआईआई कार्यक्रम में कहा कि यह संस्था बैंकों और वित्तीय संस्थानों के बीच रीयल-टाइम खुफिया जानकारी साझा कर ग्राहकों को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाएगी। आईडीपीआईसी में सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंक इक्विटी हिस्सेदारी खरीदेंगे, जिसकी अधिकृत पूंजी 500 करोड़ और चुकता पूंजी 200 करोड़ रुपए होगी। परियोजना को भारतीय रिज़र्व बैंक ने मंजूरी दे दी है। आईडीपीआईसी के डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से छोटे व्यवसायों और एमएसएमई के लिए डेटा-आधारित रीयल-टाइम ऋण स्वीकृति संभव होगी। अे धिकारी ने बताया कि एसबीआई ने एमएसएमई ऋण के लिए बिजनेस रूल इंजन शुरू किया है, जो जीएसटी, आईटी रिटर्न और बैंक खाते के डेटा को एकीकृत कर 10-15 मिनट में ऋण स्वीकृति प्रदान करता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 513, निफ्टी 142 अंक उछला

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 513.45 अंक बढ़कर 85,186.47 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 142.60 अंक ऊपर आकर 26,052.65 पर बंद हुआ। आईटी शेयरों में तेजी से भी बाजार को बल मिला। निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.97 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.16 फीसदी , निफ्टी कंजप्शन 0.40 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 0.48 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी एनर्जी 0.25 फीसदी , निफ्टी कमोडिटीज 0.38 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 127.05 अंक की बढ़त के साथ 60,949.05 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 78.80 अंक नीचे आकर 18,075.95 पर रहा था।

सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टीसीएस, एचयूएल, सन फार्मा, टाइटन, एसबीआई, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा, बीईएल, भारती एयरटेल, एलएंडटी, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे जबकि मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और आईटीसी, ट्रेंट के शेयर नुकसान में रहे थे। जानकारों के अनुसार भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। फेड की ओर से ब्याज दरों में कमी की संभावना से भी आईटी शेयरों में तेजी रही है।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 261.59 अंक की तेजी के साथ 84,934.61 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी50 52.15 अंक की बढ़त के साथ 25,962.20 के लेवल पर आ गया। एशिया के बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 0.67 फीसदी बढ़ा, चीन का सीएसई300 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, हांगकांग का हैंग सेंग 0.09 फीसदी ऊपर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.46 फीसदी गिर गया। बीते दिन अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट रही।

अमेरिका से 2.2 एमटी एलपीजी आयात करेगा भारत

ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने की बड़ी पहल घर-घर पहुंचेगी किफायती गैस

नई दिल्ली

भारत ने अमेरिका के साथ 2.2 मिलियन टन (एमटी) एलपीजी के लिए अपनी पहली दीर्घकालिक टर्म डील की है। यह समझौता वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। 2026 से लागू होने वाले इस करार के तहत देश की सरकारी तेल कंपनियां (ओएमसी) कुल एलपीजी आपूर्ति का लगभग 10 फीसदी अमेरिका से आयात करेंगी। अभी तक भारत का अमेरिका के साथ एलपीजी क्षेत्र में कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था। भारत अपनी घरेलू एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 फीसदी आयात पर निर्भर है। वर्तमान में 90 फीसदी तक एलपीजी संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सऊदी अरब और कुवैत जैसे पश्चिम एशियाई देशों से आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका से आयात बढ़ने से भारत को सप्लाई स्रोतों में विविधता मिलेगी और पश्चिम एशिया पर निर्भरता में कमी आएगी। यह कदम विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण है जब हाल ही में ईरान-इज़राइल तनाव के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद होने का खतरा पैदा हो गया था, जिससे भारत की आपूर्ति बाधित हो सकती थी। आईसीआरए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार अमेरिका प्राकृतिक गैस तरल पदार्थों का बड़ा उत्पादक है और यह निर्णय भारत की दीर्घकालिक आपूर्ति सुरक्षा के अनुरूप है।

जियो ने पेश किया जियो जेमिनी प्रो प्लान

गूगल का नवीनतम जेमिनी-3 मॉडल 18 महीने तक मुफ्त

नई दिल्ली जियो ने अपनी कृत्रिम मेधा (एआई) पेशकश को और मजबूत करते हुए नया जियो जेमिनी प्रो प्लान लॉन्च किया है। इस प्लान के तहत गूगल का नवीनतम जेमिनी-3 मॉडल अब जियो के अनलिमिटेड 5जी डेटा प्लान ग्राहकों के लिए 18 महीने तक मुफ्त उपलब्ध होगा। जियो के अनुसार यह ऑफर माइजियो ऐप पर जाकर अभी दावा करें विकल्प के माध्यम से तुरंत सक्रिय किया जा सकता है। जियो जेमिनी प्रो प्लान की कीमत बाजार में 35,100 रुपए है। हालांकि, सभी पात्र जियो अनलिमिटेड 5जी ग्राहक इसे 18 महीने तक मुफ्त में प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी ने इसे साल की सबसे बड़ी एआई छूट करार दिया है, जो ग्राहकों को गूगल के उन्नत एआई मॉडल का अनुभव देने का अवसर प्रदान करता है। गूगल ने जेमिनी-3 को अपने सबसे प्रबल मॉडल के रूप में पेश किया है। यह मॉडल उन्नत तर्कशक्ति, गहराई से विश्लेषण और सूक्ष्मताओं को समझने की क्षमता के लिए विकसित किया गया है। जेमिनी-3 अब एआई स्टूडियो, वर्टेक्स एआई और डेवलपर्स के लिए जेमिनी ऐप तथा नए एजेंटिक डेवलपमेंट प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है।

टीआईए मंच आयातकों, निर्यातकों, स्टार्टअप को देगा नई जानकारियां : गोयल

व्यवसायियों को नए बाजारों और निर्यात अवसरों की पहचान करने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ट्रेड इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (टीआईए) मंच की शुरुआत की। इस मंच का उद्देश्य भारत के आयातक, निर्यातक, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को व्यापार संबंधी नवीनतम जानकारियां उपलब्ध कराना है। मंत्री ने कहा कि यह मंच निर्यातकों को भारत द्वारा अब तक किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की गहन जानकारी देगा। इससे व्यवसायियों को नए बाजारों और निर्यात अवसरों की पहचान करने में मदद मिलेगी। वाणिज्य विभाग द्वारा विकसित यह मंच विभिन्न वैश्विक और राष्ट्रीय डेटाबेस को एकीकृत विश्लेषणात्मक मॉडल में जोड़ता है। मंच 270 से अधिक प्रकार के विश्लेषण प्रदान करता है, जिसमें बाजार अनुसंधान, क्षेत्रीय व्यापार विश्लेषण, प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति और निर्यात अवसर शामिल हैं। टीआईए प्लेटफॉर्म व्यापारियों को वास्तविक समय में इंटरैक्टिव डेटा प्रदान करता है।

इसमें पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) योजनाओं और महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित विनिर्माण क्षेत्रों के लिए स्वचालित रिपोर्ट शामिल हैं। यह व्यापार प्रवृत्तियों पर लगातार नजर रखने में सक्षम है।

वाणिज्य विभाग के कि आर्थिक सलाहकार ने कहा कि मंच को हितधारकों की जरूरतों के अनुसार तैयार किया गया है और उनके सुझावों के आधार पर इसे और विकसित किया जाएगा।

टीआईए एक केंद्रीकृत डिजिटल हब के रूप में कार्य करता है, जो वैश्विकऔर द्विपक्षीय डेटाबेस को एकीकृत प्रणाली में समेकित करता है। इस मंच से छोटे और बड़े व्यवसायों को रणनीतिक और डेटा-आधारित निर्णय लेने में आसानी होगी, जिससे भारतीय व्यापार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की संभावना है।

कई नए मॉडल बाजार में उतारेगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली

महंगी बाइक बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड कंपनी मिडलवेट मोटरसाइकिल और इलेक्ट्रिक सेगमेंट में अपनी पकड़ को मजबूत करना चाहती है। 2025 के अंत से 2027 की शुरुआत तक बुलेट 650, हिमालयन 750 और फ्लाइंग फ्ली इलेक्ट्रिक सीरीज़ जैसे कई नए मॉडल बाजार में उतारे जाएंगे। बुलेट 650 को ईआईसीएमए 2025 में प्रदर्शित किया गया था और इसे अब तक की सबसे शक्तिशाली बुलेट माना जा रहा है। इसमें 647.95सीसी का पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है, जो 47 बीएचपी की पावर और 52.3 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। इसका डिज़ाइन क्लासिक बुलेट की पहचान को बरकरार रखते हुए आधुनिक परफॉर्मेंस के साथ अपग्रेड किया गया है।

कंपनी इसे भारत में अपने फ्लैगशिप मॉडल के रूप में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हिमालयन 750 को एडवेंचर बाजार में प्रीमियम विकल्प के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें 750सीसी का ऑयल-कूल्ड ट्विन इंजन मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 50एचपी की पावर और 60एनएम का टॉर्क दे सकता है।

नया चेसिस, एडजस्टेबल सस्पेंशन और डिजिटल क्लस्टर जैसे फीचर्स इसे ग्लोबल एडीवी सेगमेंट के लिए तैयार बनाते हैं। इसका प्रोडक्शन वर्जन 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है।

इलेक्ट्रिक सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड फ्लाइंग फ्ली सीरीज़ उतारेगी। इसका पहला मॉडल फ्लाइंग फ्ली सी 6 होगा, जिसकी लॉन्चिंग 2025-26 की चौथी तिमाही में तय है।

खामिया मिलने पर ग्रैंड विटारा की 39,506 यूनिट्स रिकॉल

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय मिड-एसयूवी ग्रैंड विटारा की 39,506 यूनिट्स को रिकॉल किया है। मारुति सुजुकी कंपनी ने जानकारी दी है कि इन गाड़ियों में फ्यूल लेवल इंडिकेटर और वार्निंग लाइट से जुड़े यांत्रिक दोष पाए गए हैं, जिसके कारण ड्राइवर को यह सही ढंग से पता नहीं चल पाएगा कि टैंक में ईंधन कितना बचा है। यह खामी ड्राइविंग के दौरान खतरा पैदा कर सकती है, क्योंकि गलत जानकारी मिलने से वाहन अचानक फ्यूल-आउट स्थिति में पहुंच सकता है। यह समस्या उन मॉडलों में पाई गई है जो 9 दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच निर्मित हुए थे।

मारुति के अनुसार, स्पीडोमीटर असेंबली में मौजूद एक पार्ट सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, जिसकी वजह से फ्यूल वार्निंग लाइट और इंडिकेटर गलत संकेत दे सकते हैं। इस तकनीकी गड़बड़ी को गंभीर मानते हुए कंपनी ने त्वरित कार्रवाई की है। प्रभावित ग्राहकों से मारुति सुजुकी सीधे संपर्क करेगी और उन्हें नजदीकी अधिकृत वर्कशॉप में फ्री इंस्पेक्शन के लिए बुलाया जाएगा। कंपनी दोषपूर्ण हिस्से को बिना किसी शुल्क के रिप्लेस करेगी। यह कदम दर्शाता है कि मारुति अपने ग्राहकों की सुरक्षा और भरोसे को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। रिकॉल के बावजूद ग्रैंड विटारा की बाजार में लोकप्रियता बरकरार है।

केवल 32 महीनों में इसकी तीन लाख से अधिक यूनिट्स बिक चुकी हैं, वहीं इसके हाइब्रिड वेरिएंट की एफवाय24-25 में बिक्री 43 प्रतिशत बढ़ी है। मारुति का मानना है कि भारतीय उपभोक्ता अब ज्यादा फ्यूल-इफिशिएंट और पर्यावरण अनुकूल तकनीक की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने हाल ही में 'ड्रीवेन बाय टेक' टीवी कैंपेन भी लॉन्च किया है।

रेलवे की नई नीति से सीमेंट सस्ता, घर बनाना हुआ आसान

सीमेंट की कीमतों में 30 से 50 रुपए तक हो सकती है कमी

नई दिल्ली

रेलवे ने सीमेंट ढुलाई का किराया घटाकर 90 पैसे प्रति टन प्रति किलोमीटर कर दिया है। इससे पुरानी वेट और डिस्टेंस स्लैब प्रणाली खत्म हो गई है, जो जटिल और महंगी थी। नई प्रणाली ग्रॉस टन किलोमीटर के हिसाब से काम करेगी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इससे सीमेंट की कीमतों में 30 से 50 रुपये तक कमी हो सकती है। सीमेंट के लिए 20 फीट लंबे, 8 गुणित 8.5 फीट आयाम वाले कंटेनर बनाए जाएंगे। प्रत्येक कंटेनर की क्षमता 26 टन (ग्रॉस 31 टन) होगी और लोड-अनलोडिंग में सिर्फ 25-30 मिनट लगेंगे। यह कंटेनर पॉल्यूशन फ्री होंगे और सीधे रेलवे और रोड तक आसानी से पहुंच सकेंगे। रेलवे शहरों के पास बल्क सीमेंट टर्मिनल बनाएगा। इन टर्मिनलों में ऑटोमैटिक लोडिंग-अनलोडिंग सिस्टम होगा। प्राइवेट कंपनियां या सीमेंट कंपनियां इन टर्मिनलों का निर्माण और संचालन कर सकेंगी। इससे कंटेनर मूवमेंट आसान होगा और समय व लागत की बचत होगी। नई नीति के तहत सीमेंट अब बोरियों में नहीं, बल्कि सीधे कंटेनर में भरा जाएगा। इससे लागत कम होगी, प्रदूषण घटेगा और सीमेंट खराब होने की घटनाएं कम होंगी। सड़क मार्ग की तुलना में रेल मार्ग अधिक किफायती और पर्यावरण-अनुकूल साबित होगा।

बिहार जीत से उभरी नई उम्मीदें और गहरी चुनौतियां

ललित गर्ग

बिहार की यह जीत इतिहास में दर्ज होगी-सिर्फ इसलिए नहीं कि परिणाम अप्रत्याशित थे, बल्कि इसलिए कि इसने एक नए अध्याय के लिखे जाने की उम्मीद जगाई है। अब समय है कि यह उम्मीद हकीकत में बदल सके। राजनीति तभी सार्थक होगी जब यह जनता के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम बने और बिहार इस दिशा में देश के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

बिहार का यह चुनाव केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं था, बल्कि लोकतंत्र की चेतना, जनता के विश्वास और नेतृत्व की विश्वसनीयता को परखने का अवसर भी था। परिणाम जिस तरह सामने आए, उन्होंने न केवल बिहार बल्कि पूरे देश एवं दुनिया को चौका दिया। यह जीत केवल गठबंधन की सामूहिक ताकत की नहीं, बल्कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में वर्षों से स्थापित सुशासन मॉडल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता के अटूट भरोसे का परिणाम है। बिहार की महिलाओं ने इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाई है-उनकी उम्मीदें, उनका साहस और उनका भरोसा इस परिणाम के मूल में खड़ा दिखाई देता है। बिहार में इतने एकतरफा नतीजे की उम्मीद किसी को नहीं रही होगी। चुनाव प्रचार के दौरान जो लड़ाई टक्कर की दिख रही थी, वह आखिर में केवल भ्रम साबित हुई। जनता ने न महागठबंधन के बदलाव के नारे पर यकीन किया और न ही प्रशांत किशोर की अलग राजनीति पर भरोसा जताया, बल्कि खुद को परिपक्व एवं जागरूक प्रदर्शित करते हुए मूल्यों एवं विकास के मानकों पर मतदान दिया। आंकड़ों का विश्लेषण होता रहेगा, लेकिन मोटे तौर पर यह परिणाम कई संदेश देता है कि अब बिहार जंगलराज नहीं चाहता, विकास की नई सुबह देखना चाहता है, एसआईआर को वोट चोरी के रूप में दी गयीप्रस्तुति उसे स्वीकार्य नहीं हुई, वह अतीत के भ्रष्ट शासन से मुक्ति के लिये अतीत की त्रासद यादों एवं भविष्य के सुनहरे भविष्य के बीच चयन करते हुए लालू-राबड़ी यादव के शासनकाल की की काली छाया नहीं चाहता। भले ही तेजस्वी यादव पूरे समय इसी नैरेटिव को तोड़ने में लगे रहे कि वक्त बदल चुका है और वह दौर अब नहीं लौटेगा। उन्होंने उल्टे अपराध पर नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की, पर सफल नहीं रहे।

नीतीश कुमार के लिए 20 बरसों में यह पहला विधानसभा चुनाव था, जहां वह गठबंधन का तो चेहरा थे, पर सीएम पद के उम्मीदवार नहीं थे। उनकी छवि को धुंधलाने एवं उन्हें बीमार घोषित करने के भी पूरे प्रयत्न हुए लेकिन, परिणाम ने साबित किया है कि नीतीश अब भी बिहार के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतीक एवं सुशासन-पुरुष हैं। वह अब तक नौ बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, कई बार उन्होंने पाला बदला, लेकिन जनता का यकीन उन पर बना हुआ है।

इसकी बड़ी वजह उनकी बेदाग छवि भी है। लेकिन इस बार उनकी चुनौतियां भाी बड़ी है। वैसे लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि जीत जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही व्यापक हो जाती हैं। बिहार में एनडीए की इस ऐतिहासिक विजय के बाद जिस दौर की शुरूआत हो रही है, वह उत्साह से कहीं अधिक जिम्मेदारी का दौर है। नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बन रहे हैं, यह अपने-आप में निरंतरता, स्थिरता और सुशासन की अपेक्षाओं को नयी ऊँचाई देता है। परंतु अब उनके सामने जो प्रश्न खड़े हैं, वे कहीं अधिक गहरे, जटिल और चुनौतीभरे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार केवल एक राजनीतिक पराजय नहीं, बल्कि परिवारवादी राजनीति के प्रति जनता की निर्णायक और स्पष्ट निष्पत्ति है। मतदाताओं ने यह संदेश दो टूक दिया है कि राजनीति किसी परिवार, वंश या व्यक्तिगत प्रभुत्व की जागीर नहीं हो सकती। खासकर क्षेत्रीय दलों में फैला वंशवाद, व्यक्तिवाद और उत्तराधिकार की अनिवार्य राजनीति जनता को लगातार विचलित करती रही है। परिणामों ने यह उजागर कर दिया कि अब मतदाता सिर्फ चेहरे और परिवारों के मोहजाल में नहीं फँसना चाहते, बल्कि वे विकास, पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को प्राथमिकता देने लगे हैं। महागठबंधन की हार उसी व्यापक जनभावना का परिणाम है, जिसमें जनता ने यह तय कर दिया कि लोकतंत्र में जनता की सत्ता सर्वोपरि है, किसी भी राजनीतिक खानदान की नहीं।

बिहार की सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। वर्षों से यह राज्य बेरोजगारी के दर्द से जूझता रहा है। करोड़ों युवाओं की आंखों में नौकरी, अवसर और सुरक्षित भविष्य का सपना है। चुनावी वादे जिस उत्तेजना के साथ किए जाते हैं, उन्हें व्यवस्थित नीति, धैर्य और राजनीतिक ईमानदारी से लागू करना किसी भी सरकार के लिए आसान कार्य नहीं होता। लेकिन जनता ने इस बार उम्मीदों की जो गठरी सौंपी है, वह स्पष्ट संकेत है कि अब पूरा बिहार ठोस काम चाहता है, खोखले वादे नहीं। दूसरी बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था की है। सुशासन का मॉडल तभी सार्थक है जब आम नागरिक के जीवन में सुरक्षा की ठोस अनुभूति हो। अपराध, राजनीतिक संरक्षण, दंगा-फसाद और अराजकता किसी भी समाज की प्रगति को रोकते हैं। नीतीश कुमार से जनता की अपेक्षा है कि वे एक बार फिर वही कठोरता, वही व्यवस्था और वही संतुलित रणनीति लेकर आएंगे, जिसने कभी 'जंगलराज' को समाप्त कर सुशासन का नया इतिहास लिखा था। महिलाओं से किए गए वादे भी अब सरकार की प्राथमिक कसौटी बनेंगे। आधी आबादी ने जिस उत्साह और भरोसे के साथ एनडीए को पुनः सशक्त किया है, यह सरकार के लिए प्रेरणा के साथ-साथ उत्तरदायित्व भी है। सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान-ये पांच मुद्दे बिहार की महिलाओं की असली जरूरत हैं, और चुनावी वादों का मूल्यांकन भी अब इन्हीं पर होगा।

बिहार की अर्थव्यवस्था की मजबूती केंद्र सरकार के सहयोग पर भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और उनके विकास-एजेंडे ने इस चुनाव को निर्णायक रूप दिया। जब केंद्र और राज्य की नीतियों में तालमेल होगा, तब ही आर्थिक सुधार, निवेश, उद्योग, रोजगार-सृजन और आधारभूत संरचना के बड़े सपने साकार होंगे। बिहार को अब केवल वित्तीय सहायता की ही नहीं, बल्कि विकास की स्थायी संरचना की जरूरत है, जिससे आने वाली पीढ़ियां लाभान्वित हों। लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा प्रश्न मन को झकझोरता है-लोकतंत्र में चुनाव कब तक केवल 'सौदेबाजी' बने रहेंगे? कब तक वादों की भीड़, लुभावने नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर जनता के विश्वास की खरीद-फरोख्त चलती रहेगी? आखिर लोकतंत्र की स्वस्थ दिशा क्या हो? यह चुनाव परिणाम हमें इस सवाल के सामने खड़ा करता है कि राजनीति को फिर से मूल्यों, दृष्टि, दीर्घकालिक योजनाओं और नैतिकता की ओर लौटना होगा। लोकतंत्र की प्रतिष्ठा तभी बचेगी जब राजनीति भविष्यदर्शी बने, जब चुनाव उत्सव कम और उत्तरदायित्व अधिक हों।

बिहार, जिसे कभी पिछड़ेपन, गरीबी, पलायन और अपराध का प्रदेश कहा जाता था, आज भारतीय लोकतंत्र का एक जीवंत प्रयोगशाला बन गया है। यह प्रदेश भविष्य में किस दिशा में जाएगा, यह केवल सत्ता की नीतियों पर ही नहीं, बल्कि जनता की जागरूकता, मीडिया की ईमानदारी और राजनीतिक दलों की नैतिक प्रतिबद्धता पर भी निर्भर करेगा। आज बिहार के पास अवसर है कि वह खुद को एक प्रगतिशील, शिक्षा-संपन्न, रोजगार-समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करे। बिहार की यह जीत इतिहास में दर्ज होगी-सिर्फ इसलिए नहीं कि परिणाम अप्रत्याशित थे, बल्कि इसलिए कि इसने एक नए अध्याय के लिखे जाने की उम्मीद जगाई है। अब समय है कि यह उम्मीद हकीकत में बदल सके। राजनीति तभी सार्थक होगी जब यह जनता के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम बने और बिहार इस दिशा में देश के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

संपादकीय

नाबालिगों के अपराध

हाल ही में, दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है। साथ ही यह भी संकेत कि अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है। दरअसल, इस तथ्य पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। दूसरा संकट भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पराभव भी है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों व वयस्कों के अपराधों के कारण जानने पर पता चला कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया। ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। इंटरनेट पर प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री को कौन और किस उद्देश्य से डाल रहा है, कहना कठिन है। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। निश्चय ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए।

चिंतन-मनन

कुसंग का फल

प्रतिदिन कुछ बगुले आकर एक किसान के खेत की फसल बर्बाद कर जाया करते थे। इसे देखकर किसान ने उन बगुलों को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा कर रख दिया। बाद में उसने जाकर देखा तो बहुत से बगुले उसके जाल में फंसे हुए थे और उनके साथ ही एक सारस भी फंसा हुआ था।

सारस ने किसान से कहा, 'भाई किसान, मैं बगुला नहीं हूं। मैंने तुम्हारी फसल बर्बाद नहीं की है। मुझे छोड़ दो। तुम विचार करके देखो कि मेरी कोई गलती नहीं है। जितने भी पक्षी हैं, मैं उन सबकी अपेक्षा अधिक धर्म परायण हूं। मैं कभी किसी को नुक्सान नहीं पहुंचाता। मैं अपने वृद्ध माता-पिता का अतीव सम्मान करता हूं और विभिन्न स्थानों में जाकर प्राण-प्रण से उनका पालन-पोषण करता हूं।

इस पर किसान बोला, 'सुनो सारस, तुमने जो बातें कहीं, वे सब ठीक हैं, उन पर मुझे जरा भी संदेह नहीं है। परन्तु चूंकि तुम फसल बर्बाद करने वालों के साथ पकड़े गए हो इसलिए तुम्हें भी उन्हीं के साथ सजा भोगनी होगी क्योंकि कुसंग का फल बुरा होता है'

हिड़मा का अंत नक्सल आंदोलन के ताबूत में आखिरी कील, देश को लाल आतंक से मुक्ति दिलाने के करीब हैं अमित शाह

नीरज कुमार दुबे

भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के लिए 2025 एक निर्णायक मोड़ साबित हो रहा है। CPI (माओइस्ट) के सबसे क्रूर, सबसे चालाक और सबसे कुख्यात सैन्य कमांडर मदवि हिड़मा का खात्मा केवल एक ऑपरेशनल सफलता नहीं, यह एक बहुत बड़ा संदेश भी है। यह संदेश है उस अंतिम लड़ाई का, जिसकी समय सीमा खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तय की थी। हिड़मा का अंत 30 नवंबर 2025 की डेडलाइन से ठीक 12 दिन पहले हुआ है। यह डेडलाइन अमित शाह ने सुरक्षा बलों को देते हुए कहा था कि हिड़मा का आतंक उसी दिन तक समाप्त होना चाहिए। हिड़मा की मौत ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि देश अब उस विजय रेखा के बेहद करीब है, जिसे गृह मंत्री ने 31 मार्च 2026 तक माओवाद को पूरी तरह समाप्त करने के रूप में परिभाषित किया था।

हम आपको याद दिला दें कि अमित शाह ने पिछले वर्ष घोषणा की थी कि माओवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का समय आ चुका है। उन्होंने बड़ी समय-सीमा देने के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियों को छोटे-छोटे लक्ष्य (mile-stones) भी सौंपे थे। जैसे- कहीं किसी इलाके को माओवादियों से पूरी तरह मुक्त कराना, कहीं किसी शीर्ष माओवादी नेता को समर्पण के लिए मजबूर करना और कहीं ऑपरेशनों के माध्यम से संगठन की कमर तोड़ देना। उसी रणनीति का सबसे अहम माइलस्टोन था हिड़मा का निपटारा, जिस पर अमित शाह ने हाल की समीक्षा बैठकों में निजी तौर पर जोर दिया था। हिड़मा का अंत उसी जंगल में हुआ, जहाँ से उसका आतंक शुरू हुआ था।

आज यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अमित शाह की सख्त, निरंतर और परिणाम-उन्मुख नीतियों ने सुरक्षा बलों में वह गति भर दी, जिसकी भारत को वर्षों से आवश्यकता थी। माओवादी हिंसा जिस रफ्तार से सिमट रही है, वह उनकी रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम है।

कौन था हिड़मा और क्यों था इतना महत्वपूर्ण यदि इस सवाल पर गौर करें तो आपको बता दें कि मदवि हिड़मा माओवादियों की केंद्रीय समिति का सबसे युवा सदस्य था, लेकिन उसकी कुख्याति, क्रूरता और क्षमताएँ उसे संगठन का सबसे खतरनाक सैन्य चेहरा बनाती थीं। वह PLGA की कुख्यात बटालियन नंबर 1 का कमांडर रहा था। वह बस्तर का एकमात्र आदिवासी नेता था जिसे माओवादियों की केंद्रीय समिति में जगह दी गई। छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा में कई बड़े हमले उसी की योजना का हिस्सा थे। वर्षों से सुरक्षा बल उसकी तलाश में थे, लेकिन वह हमेशा बच निकलता था। पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उसकी माँ से मिलकर समर्पण की अपील भी करवाई, पर वह तैयार नहीं हुआ। उसकी मृत्यु पर बस्तर रेंज के IG सुंदरराज पी का यह बयान बिल्कुल सटीक है कि 'यह वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक माइलस्टोन है।' हम आपको बता दें कि केंद्रीय समिति की शक्ति अब घटकर केवल 7 सदस्यों पर आ गई है। इनमें भी गणपति अस्सी के करीब है, मिसिर बेसरा झारखंड के कुछ क्षेत्रों तक सीमित है और संगठन का कैडर आधार तेजी से खत्म हो रहा है। सक्रिय नेताओं में देवजी, संग्राम, गणेश उइके, रामदर और दो क्षेत्रीय कमांडर– बरसे देवा व पप्पा राव ही बचे हैं। अनुमान है कि 100-150 से ज्यादा सशस्त्र माओवादी कैडर अब पूरे देश में नहीं बचे हैं। जो बचे हैं वह भी कुछ आरक्षित वनों और सीमावर्ती इलाकों तक सिमटे हुए हैं।

देखा जाये तो 2025 में माओवादियों को जो सबसे बड़ी चोटें लगी हैं, वे अभूतपूर्व हैं। पहले ढइ नेता नंबाला केसव राव मारा गया फिर सोनू उर्फ वेणुगोपाल राव ने आत्मसमर्पण किया। इसके अलावा, कई केंद्रीय समिति सदस्य मारे गए या समर्पण कर चुके हैं। सत्यानारायण रेड्डी, कट्टा रामचंद्र रेड्डी, चेलपति, रवि, विवेक यादव, थेंतु लक्ष्मी, सुजाता, चंद्रन्ना और रुपेश जैसे वरिष्ठ कैडर ने हथियार डाल दिए हैं। यह परिदृश्य बताता है कि माओवादी संगठन अंतिम साँसें गिन रहे हैं।

देखा जाये तो हिड़मा का खात्मा उन हजारों जवानों के संघर्ष, बलिदान और धैर्य का प्रतिफल है, जो वर्षों से नक्सल प्रभावित इलाकों में लड़ाई लड़ रहे हैं। यह उस केंद्रीय नेतृत्व का भी प्रमाण है, जिसने लक्ष्य स्पष्ट किए, समयसीमाएँ तय कीं और परिणाम की मांग की। आज भारत पहली बार उस बिंदु पर खड़ा है जहाँ माओवादी संरचना बिखरी हुई है, उसकी केंद्रीय समिति कमजोर है, टॉप कमांडर समाप्त हो गये या आत्मसमर्पण कर रहे हैं, कैडर संख्या सबसे निचले स्तर पर है और जनता का सहयोग सुरक्षा बलों की ओर झुक चुका है।

बहरहाल, भारत दशकों से इस लाल आतंक से जूझ रहा था। अब पहली बार, देश उस ऐतिहासिक क्षण के बेहद करीब है जहाँ माओवादी हिंसा केवल स्मृति बन सकती है। यह उपलब्धि किसी एक ऑपरेशन की नहीं, यह राजनीतिक इच्छाशक्ति, स्पष्ट रोडमैप और अमित शाह के नेतृत्व वाली कठोर, लक्ष्य-उन्मुख रणनीति की देन है। यदि वर्तमान गति बनी रहती है तो 31 मार्च 2026 की वह तारीख– जिसे अमित शाह ने नक्सलवाद की अंतिम तिथि कहा है वह सिर्फ कागजी लक्ष्य नहीं बल्कि भारत की सुरक्षा इतिहास का निर्णायक मोड़ बन सकती है।

प्रदूषण की कीमत: क्या भारत को चाहिए एक व्यापक 'प्रदूषण कर'?

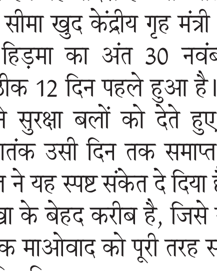

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ तेज आर्थिक विकास और बिगड़ते पर्यावरण के संकट के बीच संतुलन बनाना अत्यंत कठिन चुनौती बन गया है। शहरों की हवा दिन-प्रतिदिन जहरीली होती जा रही है, नदियाँ औद्योगिक कचरे से भर रही हैं, भूमिगत जल स्तर घट रहा है, ठोस कचरे के पहाड़ महानगरों की पहचान बनते जा रहे हैं, वहीं जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कृषि, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। ऐसी स्थिति में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भारत को प्रदूषण फैलाने वालों पर प्रत्यक्ष आर्थिक दंड लगाने-अर्थात विस्तृत ह्लप्रदूषण करह्व लागू करने-की आवश्यकता है?

प्रदूषण कर का विचार नया नहीं, परन्तु इसकी आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है। अर्थशास्त्र में यह माना जाता है कि जब कोई उद्योग, वाहन या गतिविधि प्रदूषण फैलाती है तो उसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ता है, न कि केवल उसे जो प्रदूषण फैला रहा है। यह बाजार व्यवस्था की वह गंभीर विफलता है जिसे ह्लबाह्य लागतह्व कहा जाता है-अर्थात नुकसान तो समाज को होता है, पर उसका मूल्य न तो वस्तु की कीमत में जुड़ता है, न ही प्रदूषण फैलाने वाला उसे भरता है। ऐसे में ह्लप्रदूषण करह्व इसी असंतुलन को सुधारने का प्रयास करता है, जहाँ जो जितना अधिक प्रदूषण फैलाए, वह उतनी अधिक आर्थिक कीमत चुकाए।

भारत में कोयले पर लगाया गया 'स्वच्छ ऊर्जा उपकर' इसका एक प्रारंभिक स्वरूप था, परंतु आज देश में वायु, जल, ध्वनि, ठोस कचरा और औद्योगिक उत्सर्जन का ऐसा मिश्रित संकट है कि केवल किसी एक क्षेत्र पर कर लगाना पर्याप्त नहीं। आवश्यकता एक सर्वसमावेशी और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार प्रदूषण कर की है, जो प्रदूषण को कम करने और स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देने में सहायक हो। प्रदूषण कर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह प्रदूषण को महँगा बनाता है और स्वच्छता को सस्ता। जब किसी उद्योग को प्रति इकाई उत्सर्जन पर कर देना पड़ेगा, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसी तकनीक अपनाने की ओर अग्रसर होगा जो कम प्रदूषण करे। यूरोप जैसे क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है जहाँ कार्बन-आधारित दंड के बाद ऊर्जा-संरक्षण और हरित तकनीक का उपयोग अत्यधिक बढ़ा। भारत में भी यह परिवर्तन संभव है, बशर्ते नीति दीर्घकालिक, पारदर्शी और लक्ष्य-उन्मुख हो। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को आने वाले वर्षों में पर्यावरण-रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। नदियों की सफाई, स्वच्छ परिवहन व्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, ठोस कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा हरित भवनों के विकास पर अत्यधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। ऐसे में प्रदूषण कर एक स्थायी और अनुमानित राजस्व स्रोत बन सकता है, जिसे एक स्वतंत्र ह्लहरित निधिह्व के माध्यम से केवल पर्यावरण संरक्षण पर व्यय किया जा सकता है।

वैश्विक स्तर पर भी प्रदूषण कर का महत्व बढ़ रहा है। कई विकसित देश अब उन आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा रहे हैं जो अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों से बनती हैं। यदि भारत घरेलू स्तर पर प्रदूषण पर उचित कर लागू करता है, तो भारतीय निर्यातकों को विदेशी बाजारों में अतिरिक्त शुल्क से राहत मिल सकती है। इस प्रकार प्रदूषण कर केवल पर्यावरण-हित में नहीं, बल्कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा की रक्षा में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

परंतु इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या प्रदूषण कर गरीबों पर भारी पड़ सकता है? यह चिंता बिल्कुल वास्तविक है। यदि ईंधन और बिजली की लागत बढ़ेगी, तो उसके साथ ही परिवहन, खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव निम्न-आय वर्ग पर पड़ता है, जिनके पास विकल्प सीमित होते हैं। इसलिए प्रदूषण कर को न्यायपूर्ण बनाने के लिए यह अनिवार्य होगा कि निम्न-आय वाले परिवारों को प्रत्यक्ष नकद सहायता, ऊर्जा सब्सिडी और रसोई गैस जैसी आवश्यकताओं पर राहत दी जाए। उद्योग जगत की चिंताएँ भी कम नहीं। विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग ऊर्जा-प्रधान होते हैं और किसी भी अतिरिक्त कर का प्रभाव उनकी लागत पर पड़ता है। अतः प्रदूषण कर को चरणबद्ध ढंग से लागू करना होगा-पहले बड़े उद्योगों पर, फिर धीरे-धीरे छोटे उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ इस दायरे में लाना होगा। हरित मशीनरी पर अनुदान, ब्याज रहित ऋण, और तकनीकी उन्नयन के लिए मार्गदर्शन इस परिवर्तन को सुगम बना सकते हैं। भारत की प्रशासनिक क्षमता भी एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रदूषण का सटीक मापन, डेटा की विश्वसनीयता और निगरानी तंत्र की पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक होगी। छोटे उद्योगों और गैर-प्रमाणित स्रोतों की निगरानी आज भी चुनौतीपूर्ण है। यदि उत्सर्जन मापन ही विश्वसनीय न हो, तो कर प्रणाली पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को आधुनिक सेंसर-तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, डिजिटल उत्सर्जन-पंजीकरण तथा रियल-टाइम निगरानी प्रणाली को मजबूत करना होगा। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण कर की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि सरकार इसके राजस्व का उपयोग कहाँ करती है। यदि यह धन सामान्य बजट में विलीन हो गया, तो जनता में अविश्वास बढ़ेगा और नीति का उद्देश्य कमजोर पड़ेगा। इसके लिए एक स्वतंत्र ह्लहरित कोषह्व का गठन आवश्यक है, जो केवल प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों पर व्यय हो तथा जिसकी वार्षिक लेखा-परीक्षा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो।

राजनीतिक दृष्टि से यह एक साहसिक कदम होगा। किसी भी प्रकार की मूल्य-वृद्धि जनता के बीच असंतोष उत्पन्न कर सकती है। परंतु यह भी सत्य है कि पर्यावरणीय संकट अब इतना गंभीर हो चुका है कि उससे निपटने के लिए कठोर, दीर्घकालिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आवश्यक हैं। भारत की युवा पीढ़ी सुरक्षित जल, स्वच्छ वायु और स्वस्थ जीवन की मांग कर रही है। इस मांग को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रदूषण कर भारत के लिए केवल राजस्व-संग्रह का साधन नहीं, बल्कि एक व्यापक हरित परिवर्तन की दिशा में आवश्यक कदम है। इसे न्यायपूर्ण, पारदर्शी, चरणबद्ध और वैज्ञानिक आधार पर लागू करने से भारत न केवल प्रदूषण कम कर पाएगा, बल्कि अपने विकास मॉडल को भी टिकाऊ, स्वस्थ और पर्यावरण-सम्मत बना सकेगा। यदि इसे सही नीतिगत ढंग से लागू किया गया, तो यह भारत के इतिहास में वह मोड़ साबित हो सकता है जहाँ देश ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी सिद्ध किया।

संक्षिप्त समाचार

हथियार के साथ स्कूल में आए बदमाश, 25 लड़कियों को उठाकर ले गए; नाइजीरिया में क्या हो रहा?

अबुजा, एजेंसी। अफ्रीका के नाइजीरिया में एक चौंकाने वाली घटना ने सबको हैरान कर दिया है। देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित एक हाईस्कूल पर सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया और 25 लड़कियों का अपहरण कर लिया। पुलिस के अनुसार, इस स्कूल अपहरण कांड में एक कर्मचारी की गोलीबारी में मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। उत्तरी नाइजीरिया में बढ़ते अपहरणों के बीच यह घटना अभी किसी संगठन ने स्वीकार नहीं की है। पुलिस ने बताया कि यह हमला स्थानीय समय के अनुसार सोमवार सुबह करीब चार बजे हुआ। हथियारबंद अपराधी अचानक छात्रावास में घुस आए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। कुछ ही मिनटों में उन्होंने 25 छात्राओं को उनके बिस्तरों से खींचकर ले लिया और जंगल की ओर फरार हो गए। घटनास्थल पर एक कर्मचारी को गोली लगने से तत्काल मौत हो गई, वहीं दूसरे घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के प्रवक्ता नफीउ अबुबकर कोटारकोशी ने बताया कि यह बोर्डिंग स्कूल केब्बी राज्य के डैंको-वासागु क्षेत्र के मागा गांव में है। उन्होंने कहा कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और अपहरण से पहले सुरक्षाकर्मियों पर गोली चलाई। फिलहाल, एक संयुक्त टास्क फोर्स संदिग्धों के भागने के रास्तों और आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान चला रही है।

जी20 में अमेरिका के शामिल न होने से द.अफ्रीका पर पड़ेगा असर

केप टाउन, एजेंसी। जी20 लीडर्स समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल न होने से मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका के लिए दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने यह चेतावनी दी है। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका सरकार पर श्वेत रंग के किसानों के खिलाफ जनसंहार का आरोप लगाते हुए सम्मेलन में भाग न लेने का एलान किया था। इसके बाद राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने एलान किया कि 22-23 नवंबर को होने वाला जी20 समिट जारी रहेगा।

पीपीपी सांसद राजा फैसल बने पाक अधिकृत कश्मीर के नए पीएम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सांसद राजा फैसल मुमताज राठौर को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) का नया प्रधानमंत्री चुना गया है। सोमवार को तहरीक-ए-इंसाफ के मौजूदा प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया। यह प्रस्ताव पीपीपी सांसद कासिम मजीद ने पेश किया था। राठौर ने पीपीपी के 27 और पीएमएल-एन के 9 सांसदों का समर्थन हासिल किया। 52 सदस्यों वाली सदन में यह चौथी बार है, जब 2021 में सरकार बनने के बाद किसी प्रधानमंत्री को बदला गया है।

श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद करने वाले चीनी विद्वान सम्मानित

शंघाई, एजेंसी। चीन के शंघाई में भारतीय महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने सोमवार को मशहूर चीनी विद्वान प्रो वांग झिचेंग को सम्मानित किया। माथुर ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, वांग ने चीनी भाषा में श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद किया। उनका अनुवाद 2015 में प्रकाशित हुआ था। इसे 17 बार दोबारा छापा जा चुका है। माथुर ने आगे कहा कि इस साल प्रकाशित श्रीमद्भगवद्गीता का नवीनतम चीनी संस्करण चीनी पाठकों में खासा पसंद किया गया।

पाकिस्तान के शीर्ष बैंक ने नकद डॉलर लेन-देन पर लगाई रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने अमेरिकी डॉलर के बहिर्वाह (आउटफ्लो) को रोकने और पाकिस्तानी रुपया को गिरने से बचाने के लिए व्यक्तियों को दिए जाने वाले नकद डॉलर पर सीमा लगा दी है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने बैंकों को निर्देश दिया है कि जिन ग्राहकों के पास विदेशी मुद्रा अकाउंट नहीं है, उन्हें डॉलर का कोई नकद भुगतान न करें। एसबीपी ने एक्सचेंज डीलरों को भी ग्राहकों को 500 अमेरिकी डॉलर तक ही देने का निर्देश दिया है।

वियतनाम में भूस्खलन की चपेट में आई बस छह लोगों की मौत

हनोई, एजेंसी। वियतनाम के खतरनाक पर्वतीय दर्रे पर भूस्खलन एक बस मलबे में दब गई। घटना में 6 की मौत हो गई और 19 यल हो गए। अभी एक हफ्ते और भारी बारिश की चेतावनी है। रविवार देर रात मध्य पर्वतीय क्षेत्र में खांह ले दर्रे से गुजर रही बस पर अचानक मलबा और पत्थर गिर पड़े। करीब 33 किमी लंबा यह घुमावदार मार्ग खड़ी पहाड़ियों को काटकर बनाया गया है।

गाजा के लिए अमेरिका की योजना को यूएन की मंजूरी, अंतरराष्ट्रीय बल की तैनाती का रास्ता साफ

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी देकर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की राह खोल दी है। ऐसे में अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी दे दी, जिसमें एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती और भविष्य में फलस्तीनी राज्य की संभावित राह का जिक्र है। हालांकि दूसरी ओर रूस और चीन ने मतदान से दूरी बनाई, जबकि 13 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। अमेरिका को उम्मीद थी कि बता दें कि दो साल से चल रहे इस्राइल-हमास युद्ध के बाद यह प्रस्ताव गाजा में जारी नाजुक युद्धविराम को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। कई अरब और मुस्लिम देशों ने पहले ही संकेत दे दिया था कि वे गाजा में सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय बल भेजने में तभी हिस्सा लेंगे, जब सुरक्षा परिषद से इसकी औपचारिक अनुमति मिल जाए।

अमेरिकी प्रस्ताव में क्या-क्या : ज्यादा रोचक बात ये है कि अमेरिकी प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 बिंदुओं वाली युद्धविराम योजना को समर्थन दिया गया है। इसके तहत 'बोर्ड ऑफ पीस' नाम की एक अस्थायी प्राधिकरण का गठन होगा, जिसकी अगुवाई खुद ट्रंप करेंगे। यह बोर्ड और सुरक्षा बल गाजा की सीमाओं की निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र के हथियारमुक्त जैसे व्यापक काम संभालेंगे। इन सबकी अनुमति 2027 के अंत तक लागू रहेगी।

फलस्तीनी राज्य पर मजबूत भाषा, अरब देशों की मांग के बाद बदलाव : इसके इतर लगभग दो हफ्तों तक चली बातचीत में अरब देशों और फलस्तीनियों ने अमेरिका पर दबाव डाला कि फ़लस्तीनी आत्मनिर्णय पर भाषा को और स्पष्ट और मजबूत बनाया जाए। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव में यह कहा गया कि जब फलस्तीनी प्राधिकरण (पीए) जरूरी सुधार कर लेगा और जब गाजा का पुनर्निर्माण आगे बढ़ेगा, तो फलस्तीनी आत्मनिर्णय और राज्य की ओर एक विश्वसनीय रास्ता तैयार हो सकता है। मामले में अमेरिका ने यह भी कहा कि वह इस्राइल और फलस्तीन के बीच बातचीत शुरू करेगा ताकि शांतिपूर्ण और समृद्ध सह-अस्तित्व का राजनीतिक ढांचा बनाया जा सके।

फलस्तीनी राज्य को लेकर नेतन्याहू का विरोध जारी : इन प्रस्वातों से इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह फलस्तीनी राज्य की स्थापना का विरोध करेंगे। उनका तर्क है कि यह कदम हमास को इनाम देने जैसा होगा और आगे चलकर इस्राइल की सीमा पर एक और बड़ा हमास-नियंत्रित राज्य बन सकता है।

प्रस्वात को अरब देशों का समर्थन : गौरतलब है कि अमेरिका को प्रस्ताव पारित कराने में अरब और मुस्लिम देशों का समर्थन निर्णायक साबित हुआ। कतर, मिस्र, यूएई, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्की ने एक संयुक्त बयान जारी कर प्रस्ताव को जल्दी अपनाने की अपील की थी। कुल 13 देशों ने इसके पक्ष में वोट दिया, जबकि रूस और चीन ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। किसी भी देश ने विपक्ष में वोट नहीं किया। अमेरिका ने इसे ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताया।

क्या है प्रस्ताव में : इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स की तैनाती की इजाज यह फोर्स इजराइल, मिस्र और नई ट्रेंड फिलिस्तीनी पुलिस के साथ मिलकर गाजा में सुरक्षा और सीमाओं की निगरानी करेगा। उग्रवादी संगठनों से हथियार सरेंडर करवाने में मदद करेगा। मानवीय सहायता की सुरक्षित आपूर्ति तय करेगा। 'बोर्ड ऑफ पीस' नाम से एक अंतरिम प्रशासन का गठन यह व्यवस्था 2027 के अंत तक चलेगी। इसमें ट्रम्प के अध्यक्ष रहने की संभावना बताई गई है। प्रस्ताव में पहली बार यह भी बताया गया है कि अगर फिलिस्तीनी प्रशासन सुधार करता है और गाजा का पुनर्निर्माण तेजी से होता है, तो भविष्य में फिलिस्तीन को एक अलग देश के रूप में बनने का रास्ता खुल सकता है। हालांकि इजराइल ने इस विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है। इस बीच रूस ने एक अलग प्रस्ताव रखा था, जिसमें टू स्टेट सॉल्यूशन की मांग की गई थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय फोर्स या नए प्रशासन की तुरंत इजाजत नहीं थी। दूसरी तरफ, अमेरिका को कतर, मिस्र, सऊदी अरब, यूएई, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्किये जैसे कई मुस्लिम देशों का समर्थन भी मिला।

फुटबाल विश्व कप देखने वालों अमेरिका जाने में होगी आसानी, ट्रंप ने 'फीफा पास' का किया अनवारण

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप के लिए आने वाले विदेशी यात्रियों की वीजा प्रक्रिया तेज करने के लिए 'फीफा पास' नाम की नई पहल शुरू की है। इस सुविधा के तहत वे लोग, जिन्होंने फीफा से विश्व कप मैचों के टिकट खरीदे हैं, उन्हें वीजा इंटरव्यू के लिए जल्दी समय मिल सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो आम तौर पर कड़े आव्रजन रुख के लिए जाने जाते हैं, विश्व कप के लिए बढ़ रही दुनिया भर की यात्रा को देखते हुए यह व्यवस्था ला रहे हैं ताकि फुटबाल विश्व कप देखने के लिए अमेरिका आने वालों को आसानी हो सके। व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले फीफा के अध्यक्ष फीफा के अध्यक्ष जियानी इंफांटिनो सोमवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले। उन्होंने बताया कि यह सिस्टम- जिसका पूरा नाम- 'प्रायोरटाइज्ड अप्वाइंटमेंटस शेड्यूलिंग सिस्टम' - टिकटधारकों को एक खास 'फीफा पोर्टल' के जरिये वीजा अप्वाइंटमेंट को प्राथमिकता दिलाएगा। इंफांटिनो ने कहा, 'अगर आपके पास विश्व कप का टिकट है, तो आपको वीजा के लिए प्राथमिकता मिलेगी... आपने खुद कहा था, मिस्टर प्रेसिडेंट- अमेरिका दुनिया का स्वागत करता है।' फुटबाल प्रेमियों से ट्रंप ने की खास अपील इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फुटबाल विश्व कप के प्रेमियों से अपील की कि वे 'जितनी जल्दी हो सके' वीजा

के लिए आवेदन करें। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि विश्व कप से पहले दुनिया भर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों में 400 से ज्यादा अतिरिक्त अधिकारी भेजे गए हैं ताकि बढ़ती मांग को संभाला जा सके। उनके मुताबिक, दुनिया के करीब 80% इलाकों में लोग 60 दिनों के भीतर वीजा इंटरव्यू पा सकते हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बदला जा सकता है मैच का स्थान इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि अगर उन्हें किसी शहर की सुरक्षा को लेकर चिंता हुई, तो वे इंफांटिनो से कहेंगे कि वहां से मैच को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। उन्होंने यह टिप्पणी सिएटल को लेकर की, जहां नई मेयर के रूप में केटी विल्सन, जो एक प्रगतिशील एक्टिविस्ट हैं, हाल ही में चुनी गई हैं। सिएटल अगले साल अमेरिका के 11 मेजबान शहरों में से एक है।इंफांटिनो ने इस मुद्दे पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा, लेकिन यह जरूर दोहराया कि 'विश्व कप की सफलता के लिए सुरक्षा सबसे अहम है' और टिकट बिक्री देखकर यह साफ है कि लोग अमेरिका पर भरोसा कर रहे हैं।

व्हाट्सएप मैसेज में की राष्ट्रपति मादुरो की आलोचना, 65 वर्षीय महिला को सुनाई गई 30 साल जेल की सजा

कराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की एक अदालत ने एक महिला डॉक्टर को व्हाट्सएप ऑडियो संदेश में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार की आलोचना करने के लिए 30 साल जेल की सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक, 65 वर्षीय मार्गी ओरोज्को को 'देशद्रोह, घृणा भड़काने और षड्यंत्र' के लिए अधिकतम सजा सुनाई गई है, क्योंकि समुदाय के नेताओं ने उनके खिलाफ एक संदेश की शिकायत की थी, जिसे एक विश्वासघाती संदेश माना गया था।

अगस्त 2024 में गिरफ्तार की गई थी बुजुर्ग महिला : मामले में बुजुर्ग महिला मार्गी ओरोज्को को अगस्त 2024 में पश्चिमी शहर सैन जुआन डे कोलोन में गिरफ्तार किया गया था, जब मादुरो के पुनर्निर्वाचन के बाद वेनेजुएला संकट में था, जिसे विपक्ष और दर्जनों देशों ने धोखाधड़ी बताकर खारिज कर दिया था। उनके विवादित जीत के दावे के कारण विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके परिणामस्वरूप 2,400 गिरफ्तारियां हुईं, हालांकि अधिकांश को कुछ ही महीनों में रिहा कर दिया गया।

बुजुर्ग को महिला को दो बार पड़ा दिल का दौरा : इन विरोध प्रदर्शनों के बाद, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने समर्थकों से फासीवादियों की रिपोर्ट करने का आग्रह किया, यह शब्द अक्सर विपक्षी सदस्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। वेनेजुएला के जेईपी अधिकार एनजीओ के अनुसार, हिरासत में रहते हुए ओरोज्को को दो बार दिल का दौरा पड़ा है। वहीं एनजीओ फोरो पेनल का कहना है कि वेनेजुएला की जेलों में लगभग 882 राजनीतिक कैदी कैद हैं। इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहे, हालांकि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से बात करने की संभावना भी खुली रखी है। ट्रंप का आरोप है कि मादुरो की वजह से ड्रग्स और प्रवासियों की समस्या बढ़ी है। दूसरी ओर मादुरो ने भी कहा कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं। इसी बीच अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर 'यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड' कैरेबियन पहुंचा है और ड्रग्स ले जाने वाले संदिग्ध जहाजों पर हमले तेज हुए हैं।

ब्रिटेन में शरण नीति में बड़ा और सख्त बदलाव, अस्थायी शरण और वीजा पेनल्टी होगी लागू; नई नीति में क्या-क्या?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की शरण नीति में बड़ा बदलाव करते हुए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर और गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए, कड़े नियम पेश किए हैं। इसके तहत अस्थायी शरण 20 साल तक सेटलमेंट की अवधि और अवैध लौटने वालों के लिए देशों पर वीजा पेनल्टी जैसी सख्त मेडिडास लागू होंगी। मामले में सरकार का कहना है कि इससे अवैध प्रवास रोका जाएगा और असली शरणार्थियों के लिए सुरक्षित, न्यायपूर्ण रास्ते खुलेंगे।

पीएम स्टार्मर ने इस मामले में कहा कि देश की मौजूदा शरण व्यवस्था अवैध रूप से आने वाले लोगों के लिए बड़ा आकर्षण बन गई है। इसे रोकने के लिए गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए कड़े सुधार पेश किए हैं।

पीएम स्टार्मर ने बड़े बदलावों पर दिया जोर : संसद में बयान से पहले जारी एक विस्तृत नीति दस्तावेज में स्टार्मर ने कई बड़े बदलावों की बात कही है, जैसे कि शरण पाने वालों को स्थायी निवास (सेटलमेंट) मिलने में अब 20 साल तक इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं जो देश ब्रिटेन में अवैध तरीके से आए अपने नागरिकों को वापस नहीं लेते, उनके लिए वीजा पेनल्टी लगेगी। स्टार्मर ने कहा कि मौजूदा सिस्टम मानव तस्करी को बढ़ावा देता है और कई लोग, जो कानूनी तौर पर ब्रिटेन आते हैं, बाद में शरण लेने की कोशिश करने लगते हैं। उनके मुताबिक, अगर चैनल पार करके आने वालों की संख्या कम करनी है और शरण प्रणाली को न्यायपूर्ण बनाना है, तो कड़े नियम जरूरी हैं।

नई नीति में क्या-क्या : ऐसे में नई नीति के अनुसार शरण मिलने पर दर्जा अस्थायी होगा, जब तक कि व्यक्ति अपने देश लौटने के लिए सुरक्षित न हो जाए। जिन शरणार्थियों के पास संपत्ति है, उन्हें अपने रहने का कुछ खर्च खुद देना होगा। जब सिस्टम पर नियंत्रण स्थापित होगा, तब सुरक्षित और कानूनी रास्तों से सीमित संख्या में शरणार्थियों को आने की अनुमति दी जाएगी।

डेनमार्क जैसी मॉडल कैसे अपनाएगा ब्रिटेन : संसद में बयान देते हुए गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा कि यूके अब डेनमार्क जैसी सख्त मॉडल को अपनाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब सिर्फ आने वालों की संख्या कम करना काफी नहीं है, जिन्हें रहने का अधिकार नहीं है उनकी वापसी भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में कुछ असफल शरण मांगने वालों को स्वैच्छिक रूप से सीरिया भेजा गया है। महमूद ने घोषणा की कि अंगोला, कांगो और नामीबिया को पहली बार वीज़ा पेनल्टी वाली सूची में रखा गया है। बाद में और देशों को भी इसमें जोड़ा जाएगा।

क्या कहते है गृह मंत्रालय के आंकड़े : गौरतलब है कि गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 से अब तक चार लाख से ज्यादा लोग ब्रिटेन में शरण मांग चुके हैं, लेकिन अवैध रूप से आए लोगों को वापस भेजने की प्रक्रिया उसी गति से नहीं बढ़ी है। महमूद के अनुसार, इस समय एक लाख से अधिक लोग सरकारी खर्च पर शरण आवासों में रह रहे हैं।

ताइवान को लेकर चीन-जापान के बीच भारी तनाव

जापानी प्रधानमंत्री बोलीं- हमला हुआ तो सेना भेजेंग, चीनी राजदूत बोले- दखल देने वालों की गर्दन काट देंगे

बीजिंग/टोक्यो, एजेंसी। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान पर दिए बयान से चीन और जापान के बीच तनाव बढ़ गया है। दरअसल साने ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा था कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला करार दिया। इसके अगले ही दिन विवाद और बढ़ गया जब ओसाका में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे।

इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है कि वहां जाने पर उन्हें खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका बोला- जापान की रक्षा करेंगे : बिगड़ते माहौल के बीच, रविवार को चीनी कोस्ट गार्ड के जहाज जापान के कंट्रोल वाले सेनकाकू आइलैंड के पास दिखाई दिए थे। इसके बाद जापान के कोस्ट गार्ड ने उन्हें इलाके से बाहर किया था। अमेरिका ने क्लियर किया कि जापान-अमेरिका सुरक्षा समझौते के तहत अगर इन द्वीपों पर हमला होता है, तो अमेरिका जापान की रक्षा करेगा। वहीं, चीन के फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कुछ जापानी फिल्मों की रिलीज रोक दी है। चीनी सरकारी टीवी सीसीटीवी ने कहा कि यह घरेलू माहौल को देखते हुए यह फैसला सावधानी से लिया गया है।

चीनी मीडिया बोला- ताइवान मुद्दे में जापान बेवजह दखल दे रहा : चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है। ताइवान जापान से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है। ताइवान के आसपास का समुद्री क्षेत्र जापान के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह उसका एक महत्त्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है। साथ ही, जापान में दुनिया में सबसे बड़ा अमेरिकी सेना का विदेशी ठिकाना भी मौजूद है। जापानी सरकार ने चीन में रह रहे अपने नागरिकों को भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने को कहा है। जापान के कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि हाल के डिप्लोमेटिक विवादों के बाद चीनी मीडिया में जापान को लेकर माहौल खराब हुआ है, इसलिए यह नया सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। जापान के सुरक्षा अलर्ट में कहा गया है कि अनजान लोगों से बातचीत में सावधानी बरतें, अकेले ट्रैवल न करें, बच्चों के साथ बाहर जाते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध इंसान या ग्रुप को देखकर तुरंत दूर चले जाएं।

सऊदी अरब से बड़ी डील कर रहे ट्रंप को चीन की चिंता, कौन सा सीक्रेट लीक होने का है डर

वाशिंगटन, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वॉशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेंगे। हालांकि, ट्रंप प्रशासन में इस बात को लेकर चिंता है कि इस तरह की बिक्री से चीन को उन्नत हथियार प्रणाली के पीछे की अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुंच मिल सकती है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को ये विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, 'मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे। हम एफ-35 बेचेंगे।' उन्होंने कहा, 'वे हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं। यह सात वर्षों से अधिक समय में क्राउन प्रिंस की पहली अमेरिका यात्रा होगी इसलिए उम्मीद की जा रही है कि वह अपनी इच्छाओं और मांगों की एक सूची लेकर आएंगे, जिसमें ट्रंप से अपने देश के लिए अमेरिकी सैन्य सुरक्षा के दायरे को परिभाषित करने का औपचारिक आश्वासन हो सकता है। साथ ही अमेरिका में निर्मित दुनिया के सबसे उन्नत विमानों में से एक एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदने का समझौता शामिल है।

चिंता में भी है ट्रंप सरकार : तीन प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि रिपब्लिकन प्रशासन यह नहीं चाहता कि इस लड़ाकू विमान के सौदे से इजरायल की उसके पड़ोसियों के बीच गुणात्मक सैन्य बढ़त कम हो।

खासतौर से ऐसे वक्त में जब ट्रंप अपनी गाजा शांति योजना की सफलता के लिए इजरायली समर्थन पर निर्भर हैं।

उन्होंने कहा कि एक और दीर्घकालिक चिंता यह भी है कि सौदे के बाद एफ-35 प्रौद्योगिकी चीन द्वारा चुराई जा सकती है या किसी तरह चीन को हस्तांतरित की जा सकती है। क्योंकि उसके संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। ट्रंप की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब वह सऊदी अरब और इजरायल को उनके आपसी संबंध सामान्य बनाने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

'फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज' में सैन्य और राजनीतिक शक्ति केंद्र के वरिष्ठ निदेशक ब्रैडली बोमन ने कहा, 'उम्मीद है कि राष्ट्रपति ट्रंप यह स्पष्ट कर देंगे कि पहला एफ-35 तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक सऊदी अरब इजरायल के साथ संबंध सामान्य नहीं कर लेता। वरना राष्ट्रपति अपनी ही पकड़ कम कर लेंगे।

शेख हसीना मामले में ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न निष्पक्ष-न न्यायसंगत', मानवाधिकार संगठन की दो टूक

ढाका, एजेंसी। मानवाधिकार से जुड़े मामलों में सबसे अग्रणी संस्थाओं के तौर पर शुमार एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बांग्लादेश में शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाए जाने के फैसले का विरोध किया है। ब्रिटेन आधारित इस संस्था ने कहा है कि हसीना और उनके कार्यकाल में गृह मंत्री की भूमिका निभाने वाले असदुज्जमां खान के खिलाफ ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न तो निष्पक्ष थी और न ही न्यायसंगत थी। दूसरी तरफ हसीना की सजा को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की मानवाधिकार एजेंसी- यूएनएचआरसी ने चिंता जताई है। यूएनएचआरसी ने इस मामले में तय प्रक्रिया, निष्पक्ष सुनवाई के मानकों पर जोर दिया और साथ ही मौत की सजा का पूर्ण विरोध किया है।

क्या है एमनेस्टी इंटरनेशनल का बयान : गौरतलब है कि बांग्लादेश में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और असदुज्जमां को मौत की सजा सुनाई थी। उन्हें पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी करार दिया गया। हालांकि, मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद जारी एक बयान में, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा- 'शेख हसीना को मौत की सजा सुनाने से 2024 के नरसंहार के पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा।'

एजेंसी की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने कहा, 'जुलाई और अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए घोर उल्लंघनों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपों के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार लोगों की जांच की जानी चाहिए और निष्पक्ष सुनवाई के जरिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। हालांकि, न तो यह कार्यवाही और न ही सजा कहीं से भी निष्पक्ष और न्यायोचित है।' मानवाधिकार संगठन ने इस

मामले की जांच-सुनवाई की अभूतपूर्व गति का हवाला देते हुए शेख हसीना की ट्रायल के दौरान गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाया और कहा कि न्यायाधिकरण का फैसला इस स्तर और जटिलता के मामले में निष्पक्ष जांच पर चिंता और संदेह पैदा करता है। बयान में आगे कहा गया, 'शेख हसीना का प्रतिनिधित्व अदालत की ओर से नियुक्त एक वकील ने किया था, फिर भी बचाव पक्ष को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। हसीना के खिलाफ अनुचित मुकदमे का संदेह उन रिपोर्ट्स से और भी बढ़ जाता है, जिनमें कहा गया है कि बचाव पक्ष को विरोधाभासी माने जाने वाले सबूतों पर जिरह करने की इजाजत नहीं दी गई।' एमनेस्टी के मुताबिक, यह निष्पक्ष सुनवाई नहीं थी। जुलाई 2024 को हुई हिंसा के पीड़ितों को बेहतर नतीजे मिलने थे। संस्था ने कहा कि उन पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए था, लेकिन मौत की सजा सीधे तौर पर मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

संयुक्त राष्ट्र ने भी सजा का विरोध किया : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने एक बयान में कहा कि शेख हसीना को सजा का फैसला पिछले साल के विरोध प्रदर्शनों के बीच दमन झेलने वाले पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने आगे कहा, 'हम इस मुकदमे को चलाए जाने क तरीकों से अवगत नहीं थे। लेकिन हम अंतरराष्ट्रीय अपराधों के आरोपों पर जवाबदेही की लगातार वकालत करते रहे हैं, ताकि वे बिना किसी विवाद के उचित प्रक्रिया और निष्पक्ष सुनवाई के अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा कर सकें।

भूलकर भी निमोनिया में न करें इन चीजों का सेवन, खतरे में पड़ जाएगी जान

क्या होता है निमोनिया

निमोनिया सांस से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें फेफड़ों (लंग्स) में इन्फेक्शन हो जाता है। निमोनिया होने पर फेफड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार पानी भी भर जाता है।

क्यों होता है निमोनिया

निमोनिया ज्यादातर बैक्टीरिया, वायरस या फंगल इन्फेक्शन की वजह से होता है। यह ज्यादातर मौसम बदलने, सर्दी लगने, फेफड़ों पर चोट लगने या फिर चिकनपॉक्स जैसी बीमारियों के बाद हो सकता है। कई बार निमोनिया प्रदूषण में अधिक रहने से भी हो सकता है।

निमोनिया होने पर इन चीजों से करें परहेज

- जिन चीजों से आपको एलर्जी है उन चीजों का सेवन करने से बचें।
- निमोनिया से पीड़ित व्यक्ति को अधिक मीठे का सेवन करने से बचना चाहिए।
- डाइट में खासतौर पर प्रोसेस्ड फूड और शीतल पेय शामिल करने से बचें।
- दूध और डेरी उत्पाद का सेवन न करें क्योंकि ये सभी चीजें शरीर में बलगम बढ़ाने का काम करती हैं।
- ऐसे आहार जिसमें आर्टिफिशियल कलर, स्वाद या फिर कैफिन मौजूद हो डाइट में शामिल नहीं करने चाहिए।

निमोनिया में सब्जियां फल खाएं

निमोनिया के दौरान आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और इसे मजबूत बनाने के लिए आपको भरपूर मात्रा में पोषक तत्व और एंटीऑक्सिडेंट की आवश्यकता होती है। इसलिए इस बीमारी में आपको अधिक से अधिक सब्जियां खानी चाहिए। सब्जियों में आप हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पत्ता गोभी और अजमोद आदि खाएं। इसके साथ ही साथ आप चुकंदर, खीरा और गाजर भी खा सकते हैं। इन सभी सब्जियों में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, फोलिक एसिड और पौटैशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व बीमारी को ठीक करने में मदद करते हैं और संक्रमण से लड़ने के लिए आपके शरीर को मजबूत भी बनाते हैं।

ताजा फलों से आपको पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। जब आपके शरीर को भरपूर मात्रा में पोषक तत्व मिलता है, तब आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने लगती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने से आप निमोनिया से जल्द ठीक हो जाते हैं। इसलिए आलूबुखारा, नाशपाती, स्ट्राबेरी, जामुन जैसे मीठे फलों को खाएं, लेकिन ध्यान रहे इन्हें सीमित मात्रा में खाएं।

एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं में घट जाती है मेनोपॉज की उम्र

एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को औसतन 48 वर्ष की उम्र में मेनोपॉज होने की संभीवना अधिक होती है, जब कि सामान्य औरतों को ये करीब 50-52 की उम्र या उसके बाद होती है। कनाडा में एक अध्ययन के दौरान, नॉर्थ अमेरिकन मेनोपॉज सोसाइटी (NAMS) के शोधकर्ताओं ने इस बात का पता लगाया है। शोधकर्ताओं की मानें तो एक आम महिला में मेनॉपोज की आयु 50 से 52 वर्ष के बीच होती है, जबकि एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को 48 वर्ष की उम्र तक पीरिएड्स आना बंद हो जाता है। हालांकि चिकित्सा क्षेत्र में जिस तरीके से उन्नति की है और अब एचआईवी पीड़ित महिलाओं की जीवन प्रत्याशा बढ़ी है, वहीं अब इस शोध से इन महिलाओं को मेनोपॉज और इसके संक्रमण से अवगत कराया है। बता दें कि 48 की उम्र में मेनोपॉज का बंद हो जाना, सामान्य आबादी के मेनोपॉज फेज की उम्र से तीन साल कम है।

बढ़ेगी स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य परेशानियां

वहीं इस शोध से एक बात और पता चलती है कि जो एचआईवी पॉजिटिव मरीज नवीनतम चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, वे लगभग 70 या इससे अधिक आयु तक जीवित रह सकते हैं। इसका मतलब है कि इन रोगियों को अब एचआईवी एक जानलेवा बीमारी नहीं है और सही वक्त से इलाज करवाने पर ये मरीज एक आम जीवन जी सकते हैं। साथ ही अब इस रिपोर्ट के अनुसार एचआईवी से संक्रमित महिलाओं के लिए मेनोपॉज की उम्र का घट जाना उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। अब ऐसे में पीड़ित महिलाओं के पास मां बनने की उम्र में कटौती हो गई है।पिछले अध्ययनों से पता चला है कि एचआईवी पीड़ित महिलाओं में प्रारंभिक आयु 40 और 45 के बीच की है और समय से पहले मेनोपॉज को होना बाकी स्वास्थ्य परेशानियों को भी जन्म दे सकती है। हालांकि, कनाडा का यह अध्ययन एचआईवी रोगियों के लिए की औसत आयु, प्रारंभिक मेनोपॉज और अन्य सहसंबंधों के निर्धारण जैसे प्रजनन और गर्भावस्था से जुड़ा पहला अध्ययन है। अध्ययन के शोधकर्ताओं ने पुष्टि की कि एचआईवी के साथ रहने वाली महिलाओं को कम उम्र में पीरिएड्स बंद हो जाते हैं, विशेष रूप से 48 साल की उम्र में।

जागरूकता है जरूरी

इसके अलावा, प्रारंभिक शिक्षा और हेपेटाइटिस-सी का संक्रमण भी प्रारंभिक मेनोपॉज के जोखिम को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा इन महिलाओं की वैवाहिक स्थिति और जन्म क्षेत्र सहित अन्य संभावित संशोधन भी इस कम उम्र में मेनोपॉज के कारणों में शामिल है। रिपोर्ट की मानें तो पीरिएड्स के जल्दी बंद हो जाने के कारण एचआईवी से संक्रमित महिलाओं की मनोदशा में परिवर्तन, यौन कार्य, जीवन की गुणवत्ता में कमी और हृदय रोग का खतरा और बढ़ेगा। ऑस्टियोपोरोसिस जैसे अन्य हड्डियों से जुड़े विकार इनमें तेजी से बढ़ेगे। ऐसे में अब इस बात की जरूरत है कि इन महिलाओं में इस लेकर जागरूकता फैलाई जाए। साथ ही उन्हें मानसिक रूप से इसके लिए तैयार किया जाए। अब इन महिलाओं को अपनी प्रेग्नेंसी को और बेहर तरीके और सावधानी के साथ प्लान करना होगा ताकि उनके और उनके बच्चों के जान का जोखिम कम हो सके। शोधकर्ताओं का कहना है कि अब हेल्थकेयर चिकित्सकों को भी एचआईवी से पीड़ित महिला रोगियों में समय से पहले और शुरुआती मेनोपॉज के लिए बढ़े हुए जोखिम के बारे में पता होना चाहिए, ताकि शुरुआती एस्ट्रोजेन की कमी से जुड़े संभावित दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों के इलाज देने के लिए वो तैयार रहें। साथ ही पीड़ित महिलाओं को उचित परामर्श और प्रबंधन प्रदान किया जा सके।

रेसिपी

वेज कीमा मटर

सामग्री

■ 2 कप सोया ग्रेन्युल्स ■ 1 कप हरी मटर ■ 1/2 कप दही ■ 1 प्याज ■ 4 टीस्पून तेल ■ 5 काली मिर्च ■ 4 लौंग ■ 1 बड़ी इलायची ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ लाल मिर्च पाउडर ■ 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट ■ 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट ■ गर्म मसाला ■ नमक स्वादानुसार।

विधि

सोया ग्रेन्युल्स को गर्म पानी में 15 मिनट के लिए भिगो दें और 15 मिनट बाद निचोड़कर अलग रख दें। गर्म तेल में जीरा और साबुत गर्म मसाला डालकर चटकाएं। बारीक कटा प्याज पारदर्शी होने तक भूनें और उसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। फिर इसमें धनिया, हल्दी, लाल मिर्च, दही और नमक डालें। जब मसाला तेल छोडऩे लगे तो उसमें सोया ग्रेन्युल्स और मटर डालकर 2 मिनट तक पकाएं। फिर 1 गिलास पानी डालकर उबाल आने तक पकाएं। गर्म मसाला डालें और बारीक कटे हरे धनिए से गार्निश कर सर्व करें।

चटपटा चीला

सामग्री

- कप सूजी
- 1 कप बेसन
- 100 ग्राम दही
- 1 बारीक कटी शिमला मिर्च
- 2 बारीक कटी हरी मिर्च
- कद्दूकस की हुई अदरक
- 1 कटोरी बारीक कटा हरा धनिया
- नमक स्वादानुसार

विधि

दही में दो कप पानी मिलाकर मट्ठा तैयार कर लें। एक बोल में सूजी और बेसन निकाल लें, उसमें मट्ठा और नमक मिलाने के बाद पंद्रह मिनट के लिए रख दें। अब इसमें शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण गाढ़ा लगे तो उसमें पानी मिला लें। नॉनस्टिक तवे पर थोड़ा तेल गर्म कर लें। चमच से मिश्रण को तवे पर गोल-गोल फैलाने के बाद गैस धीमी कर दें। एक छोटी चम्मच में तेल लेकर चीले के चारों ओर डालें, थोड़ा सा तेल चीले के ऊपर भी डालें। चीले की निचली सतह ब्राउन होने पर उसे कलछी की सहायता से पलटें और दूसरी तरफ भी ब्राउन होने तक सेंकें। चटनी या सॉस के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंग। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2652

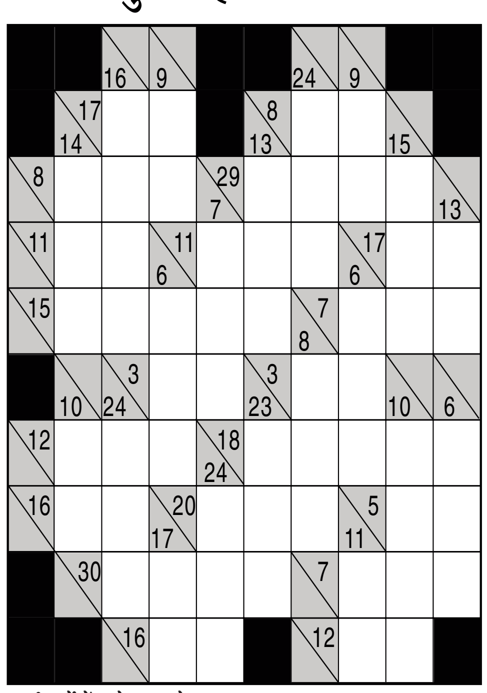

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2651 का हल

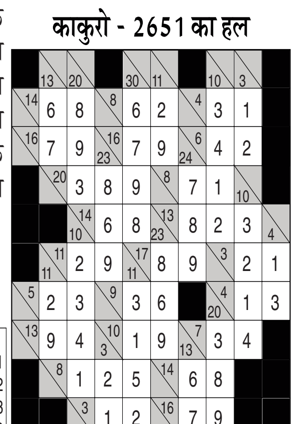

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.
'पांच सौ रुपये लगेंगे !'
'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'
'फिर ?'
'कोई सस्ता तरीका बताइए !'
'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'
'कृपया जल्दी बताइये !'
'घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''
उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''
प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2652

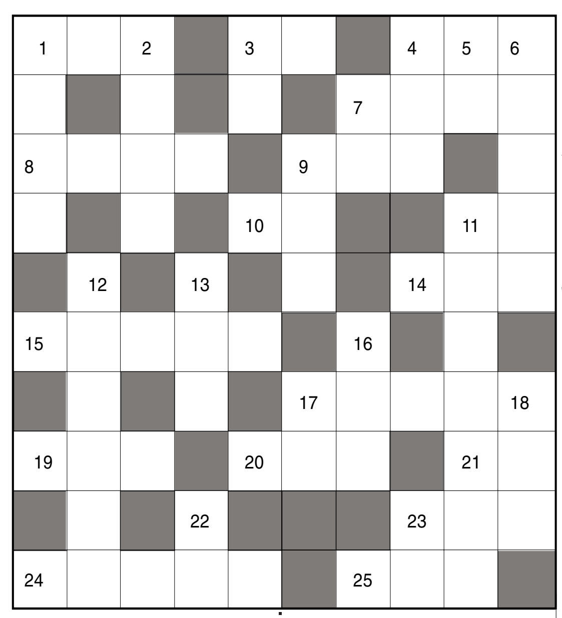

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2651

सूडोकु -2652

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2651 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 2652

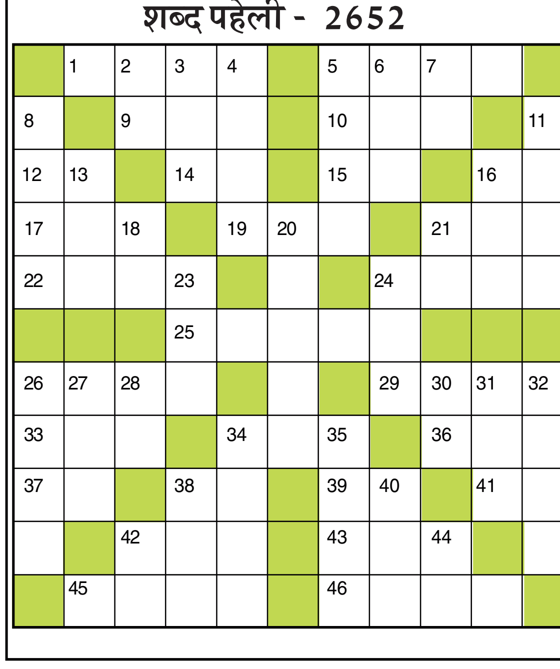

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -2651 का हल

हरियाणा को जल संरक्षण पर 'सर्वश्रेष्ठ राज्य' की श्रेणी में तीसरा पुरस्कार

एजेंसी
चंडीगढ़। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा घोषित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2024 में हरियाणा को 'सर्वश्रेष्ठ राज्य (तृतीय स्थान)' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान राज्य की अनुकरणीय उपलब्धियों और एकीकृत एवं सतत जल प्रबंधन में निरंतर नेतृत्व को उजागर करता है। यह पुरस्कार हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में प्राप्त किया। इस अवसर पर समारोह में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी.सोमन्ना भी उपस्थित रहे। श्रुति चौधरी ने कहा कि हरियाणा की यह उपलब्धि उसके मजबूत और दूरदर्शी एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन दृष्टिकोण से प्रेरित है, जो दीर्घकालिक जल सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक योजना, सामुदायिक भागीदारी और तकनीकी प्रगति को संरेखित करता है। प्रदेश में जल संरक्षण के लिए एकीकृत प्लान बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को लेकर हम सभी का दायित्व बनता है इसको एक जन आंदोलन के रूप में लेकर चलना चाहिए। जब हर व्यक्ति जागरूक होगा तो जल सरंक्षण में और ज्यादा अच्छे परिणाम देखने को मिलेगें। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि अंतिम टेल तक पानी अच्छे तरीके से पहुचें इसको लेकर कार्य चलता रहता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए हरियाणा की सशक्त कार्य योजना

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक व्यापक और सशक्त कार्य योजना पेश की। यह प्रस्तुति केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित एक वर्चुअल समीक्षा बैठक में की गई। बैठक की अध्यक्षता मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार ने की। हरियाणा की ओर से पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने राज्य में किए जा रहे प्रयासों और भविष्य की रणनीति की जानकारी दी। बैठक के दौरान मंत्रालय ने एनसीआर राज्यों की वायु गुणवत्ता स्थिति की समीक्षा की और सर्दियों के मौसम में लागू किए गए प्रदूषण नियंत्रण कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन किया। राजपाल ने बताया कि राज्य सरकार ने परिवहन, कृषि, नगरपालिका प्रबंधन और ऊर्जा उत्पादन से जुड़े क्षेत्रों में अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपाय लागू किए हैं, जिससे प्रदूषण स्तर में कमी दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि निरंतर और समन्वित प्रयासों के चलते इस वर्ष पराली जलाने की घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधी कमी आई है। वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी के लिए डीजल ऑटो को सडक़ों से हटाया गया है, गुरुग्राम और फरीदाबाद में मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें तैनात की गई हैं और सडक़ धूल नियंत्रण के लिए नियमित प्रयास जा रहे हैं।

वर्ष 2035 तक देश के हर पासपोर्ट हो जाएंगे ई-पासपोट

नई दिल्ली। देश में अबतक 80 लाख से अधिक इलेक्ट्रॉनिक चिप लगे पासपोर्ट जारी किए जा चुके हैं और 2035 तक देश में सभी पासपोर्ट ई-पासपोर्ट में तब्दील हो जाएंगे। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार देश में पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम 2.0 के तहत बीते एक साल में 80 लाख से अधिक ई-पासपोर्ट जारी किये जा चुके हैं जबकि विदेशों में भारतीय दूतावासों एवं वाणिज्यिक मिशनों के माध्यम से 62 हजार से अधिक ई-पासपोर्ट जारी किए गए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ई-पासपोर्ट की शुरूआत, मंत्रालय के लिए एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भविष्य में सभी नए जारी किए गए पासपोर्ट ई-पासपोर्ट होंगे जबकि मौजूदा गैर-इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट उनकी समाप्ति तक वैध रहेंगे। सूत्रों ने कहा कि वर्ष 2035 तक देश में सभी पासपोर्ट ई-पासपोर्ट में तब्दील हो चुके होंगे। सूत्रों ने ई-पासपोर्ट को लेकर गलतफहमियों को दूर करने के लिए बताया कि अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन द्वारा अनुमोदित पासपोर्ट सुधारों के क्रम में विश्व के सौ से अधिक देशों में ई-पासपोर्ट जारी किये जा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर आव्रजन जांच भी पासपोर्ट की चिप से आसानी से चंद सेकेंडों में हो रही है।

एसआईआर फेज दोः चुनाव आयोग 50 करोड़ 25 लाख ईएफ फॉर्म बांटे, करीब 6 करोड़ हुए डिजिटाइज

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) फेज दो की प्रगति रिपोर्ट जारी करते हुए बताया है कि मंगलवार तक पूरे देश में 50 करोड़ 25 लाख 13 हजार 94 इलेक्ट्रोर विशिष्ट नामांकन प्रपत्र (ईएफ) फॉर्म लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं, जिनमें से 5 करोड़ 99 लाख 84 हजार 32 फॉर्म कम्प्यूटर में दर्ज भी किए जा चुके हैं। आयोग के मुताबिक इस काम के लिए 5 लाख 33 हजार 93 बूथ लेवल अधिकारी और 10 लाख 41 हजार 291 बूथ लेवल एजेंट तैनात हैं, जो घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी की जांच कर रहे हैं।

जलसंचय में सूरत नंबर-1 : जल संरक्षण में देश के टॉप-10 में शामिल, मिला 1 करोड़ का राष्ट्रीय पुरस्कार

एजेंसी
सूरत/नई दिल्ली। जल संरक्षण अभियान में सूरत जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जलसंचय जनभागीदारी अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सूरत जिले को देश के टॉप 10 जिलों में शामिल किया गया है। सूरत ने राष्ट्रीय स्तर पर 10वां रैंक और 1 करोड़ रुपये का इनाम प्राप्त किया। नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित 6वें जल पुरस्कार एवं जलसंचय जनभागीदारी पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की प्रेरक उपस्थिति में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने सूरत के जिलाधिकारी डॉ. सौरभ पारधी और नायब जिला विकास अधिकारी (राजस्व) पियूष पटेल को पुरस्कार और चेक प्रदान किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न कैटेगरी के जल पुरस्कार प्रदान किए। देशभर में हुए जलसंचय अभियानों के मूल्यांकन में सूरत जिले को विशेष रूप से चुना गया। गुजरात से केवल सूरत जिला ही इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए चयनित हुआ। वेस्ट ज़ोन की केटेगरी-2 में सूरत ने पहला स्थान प्राप्त किया।

सूरत की सफलता के प्रमुख कारणः सूरत जिले में जलसंचय कार्यों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित योजनाओं का बेहतर तालमेल किया गयाः -15वें वित्त आयोग
-मनरेगा
-सीएसआर फंड
-डीएमएफ
-जिला पंचायत स्व-भंडोल
-कलेक्टर फंड

इन सभी के बेहतर संयोजन के कारण कम खर्च में, तेज़ी से और गांवों तक व्यापक रूप से जलसंचय के कार्य संभव हुए। ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की गई 'जलमित्र' पहल ने जागरूकता बढ़ाने, स्थानीय भागीदारी बढ़ाने और अधिक जलसंचय कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 67 हजार से अधिक जलसंचय और वॉटर रिचार्ज यूनिट बनाए गए हैंः जिलाधिकारी 'यह पुरस्कार सूरत जिले की जनभागीदारी और प्रशासनिक समन्वय का परिणाम है। 'जलमित्रों' ने इस अभियान को एक ग्रामीण आंदोलन का रूप दिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के मार्गदर्शन में 67 हजार से अधिक जलसंचय और वॉटर रिचार्ज यूनिट बनाए गए हैं।'

इनमें शामिल हैंः
-बोर और कुओं के रिचार्ज स्ट्रक्चर,
-तालाबों को गहरा -करना,चेकडैम,
-रूफटॉप रेनवाटर सिस्टम,
-रिचार्ज पिट

ग्राम और शहर दोनों क्षेत्रों में जनता की भागीदारी से यह सफलता मिली है।
सूरत की जलसंचय जनभागीदारी की विशेष उपलब्धियां
-67,000 से अधिक जलसंचय संरचनाओं का निर्माण
-'जलमित्र' मॉडल से ग्राम स्तर पर जागरूकता और भागीदारी
-सरकारी योजनाओं, वित्त आयोग, छ्स्त्र और सहकारी संस्थाओं का सहयोग
-'जलमित्र' मॉडल से ग्रामजन हुए जागरूक

श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, कार्यो से होंगी नई पीढियां प्रेरितःनायब सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश व धर्म की रक्षा के लिए बलिदान देने वालों का जब भी जिक्र होता है तो श्री गुरु तेग बहादुर जी का नाम सबसे ऊपर लिया जाता है। उनके जीवन और कार्यों से नई पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए 350वें बलिदान वर्ष को पूरे राज्य में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यमुनानगर के कलेसर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में उनके नाम पर वन, वन्य जीव एवं जैव विविधता संरक्षण ब्लॉक का उद्घाटन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर जी वन एवं वन्य जीव संरक्षण ब्लॉक में विद्यार्थियों के साथ 350 पौधे लगाए और इस राष्ट्रीय उद्यान में सफारी ट्रेल का शुभारंभ और श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वार का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने ए.आई. आधारित मॉनिटरिंग टावर, ट्री कैनोपी वॉक और तीन स्तरीय वॉच टावरों का शिलान्यास भी किया। उन्होंने यमुनानगर के प्रतापनगर, किशनपुरा के 45 एकड़ में बनने वाले कृषि महाविद्यालय का नाम श्री गुरू तेग बहादुर जी के नाम पर रखने तथा यमुनानगर कपालमोचन सडक़ बाईपास की फिजिबलिटी चैक कर उसके निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेसर की इस हरी-भरी धरा पर एक असीम ऊर्जा का अनुभव हो रहा है। हम सभी इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बन रहे हैं, जिसमें यह ब्लॉक, प्रकृति, आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों के संगम का प्रतीक बनेगा। उन्होंने हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी को शीश झुकाकर नमन किया। उन्होंने कहा कि यह वन प्रदेश के वन संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन में मील का पत्थर साबित होगा, जो श्री गुरु तेग बहादुर जी के पर्यावरण के प्रति प्रेम की विरासत को आगे बढ़ाएगा।

कर्नाटक वैश्विक प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर रहा : मुख्यमंत्री सिद्धारमैया

एजेंसी
बेंगलुरु। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि कर्नाटक की सुचारू अनुमति प्रणाली, स्पष्ट नीतियां, कुशल मानव संसाधन और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे ने राज्य को भारत में सबसे विश्वसनीय निवेश स्थलों में से एक बना दिया है। आज बेंगलुरु में इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, बेंगलुरु द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'बेंगलुरु टेक समिट - 2025' के 28वें संस्करण के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा, 'कर्नाटक वैश्विक प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। ' उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक ने इस शिखर सम्मेलन में सूचना प्रौद्योगिकी नीति 2025-2030, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी नीति 2025-2030 और स्टार्टअप नीति 2025-2030 जारी करके एक बार फिर भारत की प्रौद्योगिकी दिशा निर्धारित की है। उन्होंने कहा कि नई स्टार्टअप नीति के तहत अगले पांच वर्षों में 25,000 नए स्टार्टअप स्थापित करने का लक्ष्य है। इस बार फ्यूचराइज़ थीम के तहत आयोजित होने वाले टेक समिट में 600 से अधिक वैश्विक वक्ता, 1200 से अधिक प्रदर्शक और 60 से अधिक

देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। अगले दशक के लिए प्रौद्योगिकी रोडमैप पर चर्चा होगी। कर्नाटक - ज्ञान और नवाचार का एक केंद्रः राज्य में 85 विश्वविद्यालय, 243 इंजीनियरिंग कॉलेज और 1800 आईटीआई कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की बेरोजगारी दर मात्र 4.3फीसदी होना उत्पादकता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक का भारत के आईटी निर्यात में 42फीसदी हिस्सा है (जिसका मूल्य 3.2 लाख करोड़ रुपये है), 550 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र, 16,000 से अधिक स्टार्टअप, देश के कुल स्टार्टअप फंडिंग में 47फीसदी का योगदान है, और यह सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस, बायोटेक, गेमिंग, डीप-टेक क्षेत्रों में शीर्ष पर है।क्वांटम प्रौद्योगिकी पर जोरः उन्होंने कहा कि कर्नाटक भारत में क्वांटम प्रौद्योगिकी दिशानिर्देशों को लागू करने वाला पहला राज्य है, जिसने एआई, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स, एनीमेशन और डेटा विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं। बियोंड बैंगलोर पहल के तहत न केवल बैंगलोर, बल्कि टियर-2 शहर भी नवाचार केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। अनुसंधान से लेकर विनिर्माण तक, कौशल से लेकर बाज़ार तक, कर्नाटक ने निवेशकों के लिए एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान किया है।

सुरक्षा बलों ने नक्सल संगठन की ताबूत में ठोंकी आखिरी कील, कुख्यात शीर्ष नक्सली हिडमा का हुआ अंत

एजेंसी
नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलियों के आतंक का पर्याय रहे एक करोड़ के इनामी माड़वी हिडमा का सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश की सीमा पर खात्मा कर दिया। इसके अंत के साथ ही सुरक्षाबलों ने नक्सल संगठन के ताबूत में आखिरी कील ठोंक दी है। इससे यह माना जा रहा है कि अब छत्तीसगढ़ राज्य में नक्सली गतिविधियां शायद ही अपना सिर उठा पाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी बताया है। कुख्यात नक्सली हिडमा को कई नामों से जाना जाता था। उसे संतोष उर्फ इंदमुल उर्फ उडियामी भीमा के नाम से भी जाना जाता था। वह गुरिल्ला युद्ध का पारंगत था। उसने फिलीपींस में जाकर इसका प्रशिक्षण लिया था। वह कई बड़ी और जघन्य वारदातों में शामिल था। एक समय सुरक्षा बल भी उसके इलाके में जाने से बचते थे। इस मुठभेड़ में उसकी पत्नी मदगाम राजे उर्फ रजम्मा भी मारी गई है। यह भी संगठन में बहुत सक्रिय थी। वह भी कई गतिविधियों में शामिल रही थी। इस साल देशभर में हुई कई बड़ी मुठभेड़ों में 10 शीर्ष नक्सली मारे गए, जिनमें से सात छत्तीसगढ़ राज्य में ढेर हुए हैं। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में न केवल नक्सलियों को गिरफ्तार किया और आत्मसमर्पण कराया बल्कि उनके साथ हुई मुठभेड़ में जबरदस्त सफलताएं भी हासिल कीं हैं। इनमें प्रमुख रूप से आंध्र प्रदेश निवासी

नक्सलियों की करीब 13 बड़ी मुठभेड़ हुई हैं। इनमें अबतक 520 से नक्सली मारे जा चुके हैं, वहीं बस्तर रेंज में अभी तक कुल 239 नक्सली मारे गए हैं। इनमें सीसीएम, एससीएम, डीकेएसजेडसी कैडर के नक्सली शामिल हैं। इन पर 25 लाख से लेकर डेढ़ करोड़ तक का इनाम घोषित था। सुरक्षा बलों की शानदार कामयाबी के रूप गिना जाएगा वर्ष 2025ः वर्ष 2025 सुरक्षा बलों की शानदार कामयाबी के रूप गिना जाएगा। सुरक्षा बलों ने अपनी पुख्ता सूचना, सटीक रणनीति और शानदार और डेढ़ करोड़ का इनामी पोलित ब्यूरो मेंबर, महासचिव बसवा राजू, एक करोड़ रुपये का इनामी जयराम उर्फ चलपति (सीसीएम), निवासी आंध्र प्रदेश, एक करोड़ रुपये का इनामी बालकृष्णा उर्फ रामाराजू, (सीसीएम), एक करोड़ रुपये का इनामी नरसिंहाचलम उर्फ सुधाकर (सीसीएम), 50 लाख रुपये का इनामी दामोदर (एससीएम) निवासी तेलंगाना और 25 लाख रुपये का इनामी भास्कर राव, तेलंगाना स्टेट कमेटी मेंबर शामिल हैं।

मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने राकांपा नेता नवाब मलिक के खिलाफ धन शोधन का आरोप तय किया

एजेंसी
मुंबई। मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने 2022 के धन शोधन मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तथा राकांपा एपी के नेता नवाब मलिक और उनके परिवार से जुड़ी दो अन्य कंपनियों मलिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और सॉलिडस इन्वेस्टमेंट्स के खिलाफ आरोप तय किया है।

इससे नवाब मलिक के खिलाफ पीएमएलए की धाराओं के तहत मुकदमे का रास्ता साफ हो गया है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर को तय की गई है। विशेष पीएमएलए अदालत के विशेष न्यायाधीश एस.आर. नवंदर ने कहा कि मुकदमे को आगे बढ़ाने के लिए सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सामग्री रिकॉर्ड में है। इसके अतिरिक्त, चौथे आरोपी सरदार

खान, जो मुंबई में 1993 सीरियल बम ब्लास्ट मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है, के खिलाफ अलग से आरोप तय किए जाएंगे। मलिक और दोनों फर्मों ने अपने निदेशकों या साझेदारों के माध्यम से मामले में निर्दोष होने की दलील दी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि यह मामला डी-कंपनी के सहयोगियों द्वारा हड़पी गई जमीन से प्राप्त आय को वैध बनाने में कथित संलिप्तता से जुड़ा है। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवाब मलिक को 2022 में गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई और मलिक इस समय जमानत पर है। पिछले सप्ताह नवाब मलिक ने दोषमुक्त किए जाने का आवेदन दिया था, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था और अदालत ने आदेश में कहा था, यह स्पष्ट है कि आरोपी नंबर 1 नवाब मलिक ने डी-कंपनी के सदस्यों हसीना पारकर, सलीम पटेल और आरोपी सरदार खान के साथ मिलकर अवैध रूप से हड़पी गई संपत्ति की लॉन्ड्रिंग में भाग लिया, जो पीएमएलए की धारा 2(1)(यू) के तहत 'अपराध की आय' है। उक्त संपत्ति को पीएमएलए की धारा 5(1) के तहत ज़ब्त कर लिया गया है। अदालत ने आरोपितों को आज होने वाली सुनवाई के दौरान उपस्थित रहने का निर्देश दिया था।

एडीजीपी आलोक मित्तल और अरशिंद्र सिंह चावला बने डीजीपी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) रैंक के दो सीनियर आइपीएस अधिकारियों आलोक कुमार मित्तल और डा. अरशिंद्र सिंह चावला को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रैंक में पदोन्नत किया है। इस संबंध में गृह सचिव सुमिता मिश्रा ने आदेश जारी किए हैं वर्ष 1993 बैच के आलोक कुमार मित्तल इस समय एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक

तथा अरशिंद्र सिंह चावला हरियाणा पुलिस अकादमी (एचपीए) मधुबन के डायरेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। दोनों वरिष्ठ आइपीएस अधिकारियों के डीजीपी रैंक में पदोन्नत होने के बाद हरियाणा में डीजीपी रैंक के आइपीएस अधिकारियों की संख्या बढक़र सात हो गई है। आलोक मित्तल व अरशिंद्र चावला से पहले आईपीएस संजीव जैन, अजय सिंघल, मोहम्मद अकील, ओपी सिंह और शत्रुजीत कपूर डीजीपी रैंक में कार्यरत हैं। पुलिस महानिदेशक रैंक के मोहम्मद अकील और पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह अगले महीने 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

हमीरपुर में खनन माफिया का खुफिया तंत्र ध्वस्त, 23 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एजेंसी
हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में अवैध खनन और ओवरलोडिंग को रोकने के लिए चल रही प्रशासनिक कार्रवाई को चकमा देने के लिए खनन माफिया ने बाकायदा जासूसी तंत्र खड़ा कर लिया था। सरकारी गाड़ी दिखते ही पूरे क्षेत्र में फैले लोकेटर व्हॉट्सऐप ग्रुप पर संदेश भेज देते थे। इन अलर्ट के जरिए अवैध रूप से चल रहे ट्रक तुरंत रूट बदल देते थे और कार्रवाई से बच निकलते थे। डीएम घनश्याम मीणा और एसपी दीक्षा शर्मा की जांच में पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। खनन निरीक्षक उमाकांत की तहरीर पर 23 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।व्हॉट्सऐप ग्रुप में भेजते थे लाइव लोकेशनजांच में सामने आया कि लोकेटर एसडीएम, एआरटीओ, खान निरीक्षक और राजस्व टीम की हर गाड़ी को दूर से फॉलो करते थे। जैसे ही कोई सरकारी वाहन किसी इलाके में प्रवेश करता, ग्रुप में तुरंत मैसेज चलता- जैसे सरीला एसडीएम पहुंच गए, हमीरपुर एआरटीआ राठ तिराहे की ओर, चिकासी नहर पर देखा गया इन संदेशों के बाद ओवरलोड ट्रकों को गांवों के अंदरूनी हिस्सों, कच्चे रास्तों और सुनसान स्थानों में छिपा दिया जाता था, जिससे प्रवर्तन टीमों को अक्सर खाली हाथ लौटना पड़ता था।

मोबाइल डेटा एनालिसिस में फूटा राज़एआरटीओ अमिताभ राय ने बताया कि कई बार कार्रवाई से कुछ ही मिनट पहले ओवरलोड वाहन गायब हो जाते थे। संदेह गहराने पर दो लोगों को पकड़ा गया। उनके मोबाइल फोन की जांच में न्यू नरायन ट्रांसपोर्ट नाम का एक बड़ा व्हॉट्सऐप ग्रुप मिला, जिसमें 200 से अधिक सदस्य जुड़े थे। इस समूह में लगातार सरकारी टीमों की लोकेशन और दिशा अपडेट की जा रही थी। साइबर जांच, मोबाइल डेटा एनालिसिस और कई व्हॉट्सऐप स्क्रीनशॉटों ने पूरे गिरोह का भांडाफोड़ कर दिया।

24 घंटे एक्टिव गिरोह, सरकारी कर्मचारियों को धमकियां भीयह नेटवर्क चौबीसों घंटे सक्रिय रहता था। कई लोकेटर सरकारी गाड़ियों के पीछे-पीछे चलते थे और हर मोड़ की सूचना लाइव भेजते थे। आरोप है कि कुछ लोगों ने सरकारी कर्मचारियों से अभद्रता और धमकी भी दी, जिससे सरकारी कार्य बाधित हुआ। 23 आरोपित नामजद, और भी गिरफ्तारी संभवनाजायज नेटवर्क में शामिल 23 आरोपितों के नामों में जालौन, कानपुर नगर और हमीरपुर के कई व्यक्ति शामिल हैं। एसपी दीक्षा शर्मा ने बताया कि ग्रुप में जुड़े अन्य लोगों, ट्रक मालिकों और संचालकों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी ऐसी गतिविधियों में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। निगरानी और कड़ी की जाएगी।

हरियाणा के कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के लिए तबादले शुरू

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में तैनात सहायक प्रोफेसर के लिए ट्रांसफर ड्राइव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से 20 विषयों के असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए शेड्यूल जारी हुआ है। हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की ओर से जारी पत्र के अनुसार 18 नवंबर से 2 दिसंबर तक आवेदन कर सकेंगे। 3 दिसंबर को सभी असिस्टेंट प्रोफेसर का डिटेल स्कोर जारी किया जाएगा। 4 दिसंबर से 10 दिसंबर तक सभी कैंडिडेट अपने डेटा में सुधार और अपनी आपत्तियां दर्ज करवा सकेंगे। 19 जनवरी से 25 जनवरी के बीच अपने चॉइस को फिल करेंगे। जिसके बाद 31 जनवरी से 2 फरवरी तक खाली बची पोस्ट के लिए अपनी चॉइस भर सकेंगे। 5 फरवरी 2026 को ट्रांसफर ऑर्डर जारी होने हैं। ट्रांसफर के लिए पूरी प्रक्रिया एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन होगी और हर चरण का प्रमाणीकरण ओटीपी-आधारित प्रणाली से होगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सभी क्षेत्रों में तेजी से कर रहा विकासः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है। देश आधुनिक विज्ञान सहित सभी क्षेत्रों में तेज गति से विकास कर रहा है। इसी वैज्ञानिक शक्ति के बलबूते ही भारत ने पड़ोसी देश को सबक सिखाया। कोविड महामारी के दौर में पूरी दुनिया ने हमारे पतंजलि योग शास्त्र का अनुसरण किया और अभिनंदन के लिए हाथ जोड़कर नमस्कार करने की पद्धति के महत्व को स्वीकारा। सम्राट विक्रमादित्य काल में नवरत्नों के समान आज देश में प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। चाहे मून मिशन हो या गगनयान प्रोजेक्ट, प्रधानमंत्री मोदी सफलता हो या असफलता, हर पायदान पर वैज्ञानिकों के साथ खड़े हैं। इसी प्रकार विद्यार्थियों के बीच वैज्ञानिक और नवाचारी सोच विकसित करने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों में राज्य सरकार भी हरसंभव सहयोग

प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल में 52वीं बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी-2025 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय प्राचीन ग्रंथो में विद्यार्थियों के 6 गुणों क्रमशः विद्या, तर्क, विज्ञान, स्मृति, तत्परता और क्रियाशीलता का उल्लेख है। यह माना जाता है कि जिसके पास यह छह गुण हैं, उसके लिए कुछ भी असाध्याय नहीं है। उन्होंने कहा कि इन्हीं गुणों के आधार पर विज्ञान की गति को बढ़ाया जा सकता है। बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में आए विद्यार्थियों में भावी भारत के विक्रम साराभाई, भाभा साहब, कलाम साहब जैसी प्रतिभाओं की झलक मिल रही है। यह बाल वैज्ञानिक भारत की विज्ञान यात्रा का नया अध्याय लिखने वाले हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 52वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का श्यामला हिल्स स्थित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.) में दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रदर्शनी के द्वार पर पहुंचने पर बाल वैज्ञानिकों द्वारा विकसित रोबोट ने उनका स्वागत किया। उन्होंने बाल प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन कर बाल वैज्ञानिकों से संवाद किया और बाल वैज्ञानिकों द्वारा विकसित रोबोट और तारामंडल के मॉडल के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद तथा स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 6 दिवसीय प्रदर्शनी आगामी 23 नवंबर तक चलेगी। बाल प्रदर्शनी 31 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के लगभग 900 विद्यार्थी और शिक्षकों द्वारा समाजिक समस्याओं का सामाधान बताते 240 साइंस मॉडल एवं इनोवेटिव प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही बाल वैज्ञानिकों के इस महाकुंभ में मैनिट, आईसेक्ट और आईआईएसईआर के वैज्ञानिकों से संवाद सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

शहर विकसित भारत का आईना हैं, हर राज्य डंपसाइट गोद ले : मनोहर लाल

एजेंसी
हैदराबाद। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि शहर विकसित भारत का आईना हैं और इनकी सही प्लानिंग से ही नागरिकों का जीवन स्तर सुधरेगा। हैदराबाद में शहरी विकास मंत्रियों की दूसरी क्षेत्रीय बैठक में मनोहर लाल ने राज्यों से अपील की कि सभी राज्य कुछ डंपसाइट गोद लें और 100 फीसदी रेमेडिएशन पूरा करें। उन्होंने कहा कि शहरों का सुचारु संचालन और प्लानिंग ही असली विकास लाएगी। बैठक में तेलंगाना, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गोवा, दमण-दीव और दादरा-नगर हवेली के मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। डंप यार्ड सुधार, पानी की सप्लाई, इस्तेमाल किए पानी का दोबारा उपयोग, बारिश के पानी का संचय, मकान निर्माण और शहर में आने-जाने की सुविधा जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में में तेलंगाना सरकार ने 'तेलंगाना राइजिंग 2047' विजन के तहत हैदराबाद की लंबी प्लानिंग पेश की, जिसमें स्मार्ट

सिटी प्रोजेक्ट, बेहतर ट्रांसपोर्ट, पर्यावरण सुधार और नागरिक सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही कार्यक्रम के दूसरे सत्र में केंद्र की शहरी योजनाओं की प्रगति देखी गई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 214 डंपसाइट की लगातार निगरानी पर जोर दिया गया। अमृत 2.0 योजना में गुजरात, तेलंगाना और गोवा ने अगले तीन साल में 100 फीसदी घरों तक नल से जल पहुंचाने का वादा किया। महाराष्ट्र और दमण-दीव में 90 फीसदी से ज्यादा कवरेज होगा। महाराष्ट्र 3 हजार एमएलडी इस्तेमाल किए पानी को दोबारा इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखेगा, जबकि गुजरात 2030 तक 40 फीसदी ट्रीटेड पानी फिर से उपयोग में लाएगा। मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत बने मकानों की स्थिति, खाली पड़े घरों और पुरानी जेएनएनयूआरएम योजना के मकानों की समीक्षा के गई। मेट्रो प्रोजेक्ट, फुटपाथ सुधार और पीएम ई-बस योजना की प्रगति भी देखी गई।

आईसीसी रैंकिंग: रोहित शर्मा ने गंवाया शीर्ष स्थान, न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग के नए अपडेट में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने रोहित शर्मा को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में मैच जिताऊ शतक जड़ने के बाद मिशेल 1979 में ग्लेन टर्नर के बाद पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

कमर की चोट के कारण सीरीज से बाहर होने से पहले मिशेल ने 118 गेंदों में 119 रनों की पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इस पारी ने उन्हें अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान और रोहित से एक रेटिंग अंक से आगे कर दिया है जिससे रैंकिंग में शीर्ष पर रोहित का 22 दिनों का संक्षिप्त दबदबा समाप्त हो गया। टर्नर 46 साल पहले नंबर एक स्थान पर पहुंचने वाले आखिरी न्यूजीलैंडर थे, जबकि नाथन एस्टल, रॉस टेलर और केन विलियमसन जैसे अन्य गेंदबाज रैंकिंग में तीसरे स्थान तक पहुंच गए हैं।

इस बीच पाकिस्तान के बाबर आजम रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 102 रनों की पारी खेलकर छठे स्थान पर पहुंच गए जबकि उनके साथी मोहम्मद रिजवान और फखर जमान श्रृंखला में दो-दो अर्धशतक लगाने के बाद क्रमशः 22वें और 26वें स्थान पर पहुँच गए हैं। गेंदबाजी में पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 9वां स्थान हासिल किया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज़ हारिस राउफ 5 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि वेस्टइंडीज के जेडन सील्स (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर) और रोस्टन चेज (12 स्थान ऊपर चढ़कर 46वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में सुधार किया है।

टेस्ट की बात करें तो बुमराह ने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक पांच विकेट सहित कुल छह विकेट लेकर टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को भी फायदा हुआ है, कुलदीप दो स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर और जडेजा चार स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर आ गए हैं।

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने भी ईडन गार्डन्स में मैच विजयी 8 विकेट लेने के बाद 20 स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 24वें स्थान पर पहुंचकर महत्वपूर्ण लाभ कमाया। कम स्कोर वाले कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 55 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो (चार स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर) और महमूदुल हसन जॉय (19 स्थान ऊपर चढ़कर 74वें स्थान पर) ने अपने शतकों की बदौलत टीम को सिलहट में आयरलैंड पर पारी की जीत दिलाने के बाद लाभ कमाया है। आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग 96वें से 80वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पुरुषों की टी20आई खिलाड़ी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन की वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम मैच में 45 रनों की पारी ने उन्हें आठ स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 15वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है। तेज गेंदबाज जैकब डफी तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि मिशेल सैंटनर (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) और मोहम्मद नवाज (चार स्थान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर) ने भी पुरुषों की टी20आई गेंदबाज रैंकिंग में सुधार किया है।

लक्ष्य और प्रणय सहित पांच भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

सिडनी(एजेंसी)। लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय सहित 5 भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-17, 21-13 से हराया, जबकि इस प्रतियोगिता में 2023 के उपविजेता प्रणय ने खराब शुरुआत से उबरते हुए पहले दौर के मैच में दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सौत मार्सेलिनो को 57 मिनट में 6-21, 21-12, 21-17 से हराया। लक्ष्य का अगला मुकाबला ची यू जेन या वांग त्जु वेई से होगा जबकि प्रणय इंडोनेशिया के आठवें वरीय अल्वी फरहान से भिड़ेंगे।

विश्व के 32वें नंबर के खिलाड़ी और इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिकी ओपन में अपना पहला सुपर 300 खिताब जीतने वाले आयुष शेट्टी ने कनाडा के सैम युआन को 33 मिनट में 21-11, 21-15 से पराजित किया। कर्नाटक के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी का सामना दूसरे दौर में जापान के चौथे वरीय कोडाई नाराओका से होगा। मकाऊ ओपन के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसन को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-19 से हराया।

राष्ट्रीय खेल 2023 के स्वर्ण पदक विजेता मन्नेपल्ली का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के पांचवें वरीय लिन चुन-यी से होगा। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अनुभवी किदांबी श्रीकांत भी 64 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के ली चिया हाओ को 21-19, 19-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। इस वर्ष के शुरू में मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे श्रीकांत का अगला मुकाबला जापान के शोगो ओगावा या एडवर्ड लाउ से होगा।

इस बीच किरण जॉर्ज को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। निशिमोतो ने पिछले सप्ताह जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन को हराया था। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को एक अन्य मैच में कनाडा के नाइल याकुरा और क्रिस्टल लाई ने 12-21, 16-21 से हराकर बाहर कर दिया।

रिंकू ने रणजी में एक और शतक लगाया, टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश की

–फर्स्ट क्लास क्रिकेट में नौवां शतक लगाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश की ओर से शानदार शतक लगाया है। ये रिंकू का इस सत्र का दूसरा शतक है। रिंकू ने तमिलनाडु के खिलाफ ये शतक लगाया है। इस शतक के साथ ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना नौवां शतक लगाकर रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है।

रिंकू ने यह शतक चौथे दिन के खेल के दौरान लगाया। इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी लगाये। रिंकू का ये रणजी सत्र का दूसरा शतक है। इससे पहले रिंकू ने आंध्र के खिलाफ नाबाद 165 रन बनाये थे। इस दौरान कोई भी गेंदबाज उन्हें आउट नहीं कर पाया था। रिंकू ने 273 गेंदों में 60 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 13 चौके और दो छक्के भी लगाए थे।

रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार अच्छी पारियां खेली हैं। फर्स्ट क्लास में नौवां शतक लगाने के साथ ही रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी दावेदारी पेश की हैं। देखना यह होगा कि रिंकू को कब अवसर मिलता है। ऐसे में उनके प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की भी नजर रहेंगी। रिंकू मध्यक्रम में भारतीय टीम की बल्लेबाजी को मजबूत बना सकते हैं। टीम इंडिया के लिए यह बल्लेबाज एकदिवसीय और टी20 टीम में धमाल मचा रहे हैं।

रिंकू ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 51 मैचों की 73 पारियों में 3501 रन बनाए हैं। उनका औसत 57.39 का है, जबकि 70 के स्ट्राइक रेट से फर्स्ट क्लास में रिंकू ने 22 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 165 रन रहा है। उनके नाम 401 चौके और 41 छक्के हैं।

अब दो से तीन दिन में टेस्ट समाप्त हुआ तो टीमों के अंक काट सकती है आईसीसी !

–विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों में भेज सकती है अपने क्यूरेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस प्रकार से हाल में पिच या किसी अन्य कारण से कुछ टेस्ट मैच दो या तीन दिनों में ही समाप्त हो रहे है। उसे क्रिकेट की शीर्ष संस्था (आईसीसी) भी चिन्तित है। आईसीसी अब विचार कर रही है कि अब जो भी मैच कम दिनों में समाप्त होंगे उसमें टीमों के मैच अंक काटे जायें। वहीं ये बात चल रही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों में अब आईसीसी को अपने क्यूरेटर भेजने चाहिये। हाल में जिस प्रकार से सिडनी और अब कोलकाता में टेस्ट मैच तीन दिनों में समाप्त हुए हैं उसे टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं माना जा रहा है।

जनवरी 2025 में सिडनी की पिच बेहद ख़राब थी। बहुत वहीं जनवरी 2024 में केप टाउन का मैच दो दिनों में खत्म हो गया था। जो याद रहता है वह यह कि ऑस्ट्रेलिया ने एससीजी में जीत दर्ज कर सीरीज़ 3-1 से अपने नाम की, और भारत ने न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रन पर ऑल आउट कर हराया। न्यूलैंड्स की पिच से आईसीसी संतुष्ट नहीं है। इसके बावजूद टीमें अपनी पसंद की पिचें तैयार करवाती रही हैं, जिससे पांच दिन के टेस्ट मुकाबले तीन दिनों में सिमट जाते हैं। घरेलू हालातों से होने वाले लाभ से किसी को कोई परेशानी नहीं है। यही टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती है। टर्नर पिचों या हरे मैदानों से भी किसी को आपत्ति नहीं है पर टेस्ट मैच ढाई दिन में समाप्त होना किसी को भी पसंद नहीं है। हाल ही में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ रोमांचक इसलिए थी क्योंकि हर मैच पांचवें दिन तक गया। कम से कम मैच चौथे दिन तक तो पहुँचना ही चाहिए। यही खेल को 150 वर्षों से बनाए हुए है, और कोई इसे कम नहीं कर सकता। कुछ भी हो, मैच जीतने की चाह और टेस्ट को दो दिन में खत्म होने से बचाने के बीच संतुलन ज़रूरी है। क्यूरेटर्स को यह अधिकार होना चाहिए कि अगर उन पर दबाव डाला जा रहा हो तो वे अपनी बात रख सकें, और आईसीसी को आगे आकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तीन दिन से कम चलने वाले टेस्ट मैच टीमों के खिलाफ गिने जाएं। खासतौर पर डब्ल्यूटीसी में बेहतर क्यूरेटर होना चाहिए तभी टेस्ट मैचों का भविष्य रहेगा।

स्मिथ को लगी गेंद पर पहला टेस्ट खेलेंगे

पर्थ। एशेज क्रिकेट सीरीज से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम की धड़कनें तब बढ़ गयीं जब टेस्ट के लिए कप्तान बनाये गये स्टीव स्मिथ को एक गेंद लग गयी। स्मिथ को अभ्यास के दौरान ही कलाई में ये गेंद लगी थी। जिसके बाद फिजियो ने उनका इलाज किया। टीम ने तब राहत की सांस ली जब थोड़े समय बाद ही स्मिथ मैदान पर लौटे और बल्लेबाजी करते दिखे। ऐसे में माना जा रहा है कि शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में वह खेलेंगे। गौरतलब है कि स्मिथ एशेज में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। उन्होंने 37 एशेज टेस्ट में 3,417 रन बनाए हैं, उनके 12 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। इस साल उन्होंने छह टेस्ट में 515 रन बनाए हैं और उनका औसत 51.50 रहा है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के घायल होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले एशेज टेस्ट में स्मिथ की कप्तानी में उतरेगी। कमिंस दूसरे टेस्ट में वापसी कर सकत हैं।

होप ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ मैच में बनाये कई रिकार्ड, लारा की बराबरी की

नेपियर (एजेंसी)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसी मैच में शतकीय पारी खेलकर एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस पारी के साथ ही उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा के 19 एकदिवसीय शतकों के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली। होप अब टेस्ट खेलने वाली हर टीम के खिलाफ शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। होप ने कठिन पिच पर बेहद संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 109 रन बनाये। अब वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ही ही 25 शतक लगाकर उनसे आगे हैं। यह शतक न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उनका पहला था, जिससे उन्होंने सभी टीमों के विरुद्ध शतक मारने की उपलब्धि पूरी कर ली। इस मुकाबले के दौरान शाई होप ने अपने 6000 एकदिवसीय रन पूरे किये। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे सबसे तेज़ बल्लेबाज और दुनिया के 9वें बल्लेबाज हैं। इस मामले में पहले नंबर पर हाशिम अमला है जिन्होंने केवल 123 पारी में 6000 एकदिवसीय रन बनाये थे। विकेटकीपर कप्तान के तौर पर होप का यह छठा शतक है। ऐसा कर उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।

विश्व कप का प्रभाव : हरमनप्रीत कौर का ब्रांड पोर्टफोलियो तीन गुना होने की उम्मीद

नई दिल्ली। विश्व कप जीतने के बाद विभिन्न ब्रांड भारतीय महिला क्रिकेटरों में भी दिलचस्पी दिखाने लग गए हैं। इन खिलाड़ियों में कप्तान हरमनप्रीत कौर भी शामिल हैं, जिनके विज्ञापन पोर्टफोलियो में आने वाले महीनों में तीन गुना वृद्धि होने की उम्मीद है। नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में नादिन डी क्लार्क का कैच लेकर भारत को दक्षिण अफ्रीका पर जीत दिलाने वाली हरमनप्रीत विश्व कप से पहले आठ से ज़्यादा ब्रांड से जुड़ी थीं लेकिन उनकी मैनेजर नूपुर कश्यप ने बताया कि अब यह बदलाव आ रहा है। कश्यप ने कहा, 'विश्व कप से पहले हरमनप्रीत आठ दस ब्रांड से जुड़ी थी लेकिन विश्व कप के बाद उनकी कीमत और ब्रांड की संख्या में तीन गुना वृद्धि होने की उम्मीद है। गैर–खेल पारंपरिक क्षेत्र के ब्रांड उनसे संपर्क कर रहे हैं और उनके साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं।' कश्यप ने कहा कि 2017 का फाइनल भारत में महिला क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन आठ साल बाद खिताबी जीत ने खेल की लोकप्रियता और ब्रांड की रुचि को दूसरे स्तर पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों की बिजनेस मैनेजर होने के कारण मैंने देखा है कि विशेष कर विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट में रुचि और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले महिला खिलाड़ियों को कुछ ब्रांड तक सीमित रखा जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब हम मानसिकता में बहुत बदलाव देख रहे हैं।' कश्यप ने कहा, 'अब स्थिति बदल रही है और ब्रांड महिला क्रिकेटरों को मजबूत, सक्षम और निपुण खिलाड़ियों के रूप में प्रदर्शित करने के महत्व को पहचानने लगे हैं। ऐसा करके वे न केवल महिला एथलीटों के बारे में सोच बदल रहे हैं, बल्कि अधिक समावेशी और सहायक खेल संस्कृति में भी योगदान दे रहे हैं।'

भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने जीतने होंगे कम से कम 8 मैच

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2026-27 सत्र के तीन मैच हार गयी है। दो बार डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेलने वाली भारतीय टीम इस बार के चक्र में पहले 8 मैचों में से तीन मैच हार गयी है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है और चार मैच जीते हैं। ऐसे में अब भारतीय टीम को आगे के बचे हुए 10 मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी भी 10 मैच हैं जिसमें वह हालात बदल सकती है इसमें अगर वह आठ मैच जीतती है तो फाइनल में पहुंच जाएगी पर इससे कम में उससे काफी मुश्किलें होगी। अभी शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम अंक तालिका में 54 फीसदी के करीब मैच जीतकर चौथे स्थान पर है। वहीं डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने के लिए 64 से 68 फीसदी जीत हासिल करनी होगी। इससे साफ है कि टीम को अब अधिक से अधिक मैच जीतने होंगे।

अब एक हार भी टीम के लिए फाइनल की राह को कठिन बनाएगी। भारतीय टीम के बाकी बचे मैचों की बात करें तो अभी उसका एक मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होना शेष है, जबकि इसके बाद भारतीय टीम श्रीलंका में दो टेस्ट खेलने हैं और इतने ही टेस्ट मैचों न्यूजीलैंड में खेलेगी। इस प्रकार उसे 10 मैच खेलने हैं।

वहीं भारतीय टीम को घर पर ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी होगी। इस उसके लिए जीत की राह आसन नहीं कही जा सकती है। अगर भारतीय टीम शेष बचे हुए 10 मैचों में से 8 मैच भी जीत जाती है तो फाइनल के लिए आसानी से क्वालीफाई कर जाएगा पर अगर उसे कम जीतती है तो उसकी परेशानी बढ़ जाएगी। ऐसे में उसका फाइनल में जगह बनाना अन्य टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

शानदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों का फीका प्रदर्शन, अफगानिस्तान से हारा भारत

बेंगलुरु। अफगानिस्तान ने बुधवार को यहां अंडर–19 त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच में भारत बी को 71 रन से हरा दिया। भारत बी ने नमन पुष्पक (45 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी से अफगानिस्तान को 45.2 ओवर में 168 रन पर समेट दिया। भारत की ओर से इशान सूद ने भी 24 रन पर दो विकेट चटकाए। अफगानिस्तान की तरफ से फैजल शिनोजादा (58 रन, 76 गेंद, सात चौके) ने अर्धशतक जड़ा जबकि अजीजुल्लाह मेखिल ने 42 रन की उम्दा पारी खेली जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। इसके जवाब में भारत बी की टीम सलामी बल्लेबाज युवराज गोहिल की 80 गेंद में आठ चौकों और एक छक्के से नाबाद 60 रन की पारी के बावजूद 29.3 ओवर में 97 रन पर ढेर हो गई। युवराज के अलावा भारत का कोई भी अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में नहीं पहुंच पाया। अफगानिस्तान की ओर से अब्दुल अजीज ने 36 रन देकर छह विकेट चटकाए जबकि सलाम खान (18 रन पर दो विकेट) और वहीदुल्लाह जादरान (12 रन पर दो विकेट) ने दो–दो विकेट हासिल किए। इस जीत से अफगानिस्तान की टीम के भारत ए के समान चार अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वह शीर्ष पर है। पहले मैच में भारत ए के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली भारत बी की टीम अंतिम स्थान पर है जिसे अपने अंकों का खाता खुलने का इंतजार है।

रबाडा का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध, किसी के बाहर रहने से फर्क नहीं

–जो भी उतरेगा उसे अपनी भूमिका पता है

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अभी तक अपनी पसलियों की चोट से नहीं उबरें हैं और ऐसे में उनका गुवाहाटी में भारत के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। रबाडा का कहना है कि वह या कोई अन्य खिलाड़ी बाहर भी बैठता है तो भी उनकी टीम की जीत की संभावनएं कम नहीं होती। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसमें जो भी खेलेगा वह टीम को जीत दिलाएगा। उन्होंने कहा कि वह अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बाद भी जीत की रहा तलाशने की क्षमताओं से बेहद प्रभावित हैं। दक्षिण अफ्रीका ने उनके बिन भी पहले टेस्ट में में भारतीय टीम के के खिलाफ जीत दर्ज की थी। टीम की गेंदबाजी भी कहीं से कमजोर नहीं थी।

रबाडा ने एक वीडियो में कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका तलाश लेते हैं। कप्तान तेम्बा बावुमा ने पहले मैच में हमारे लिए अहम योगदान दिया है पर वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था।' दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले बावुमा के बिना भी पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी करके श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा, 'टीम को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई खिलाड़ी बाहर है। जो भी मैदान पर उतरेगा वह अपनी भूमिका सर्वश्रेष्ठ तरीके से निभाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ईडन गार्डन्स के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने कहा, 'कोलाकाता में पहली पारी में एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन ने हमें अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने लय बनाई। मार्को यानसन ने अच्छा प्रदर्शन किया। कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा योगदान दिया।

रबाडा ने कहा कि कोलकाता में कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में मिली जीत इस सत्र में दक्षिण अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ तीन जीत में शामिल है। उन्होंने कहा, 'यह जीत निश्चित रूप से शीर्ष पर है।'

बीसीसीआई ने ईडन गार्डन में आदर्श पिच बनाने को कहा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता में हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान की पिच की आलोचना से सबक लेते हुए गुवाहाटी में एक आदर्श पिच बनाने के निर्देश दिये हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 नवंबर से बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। बारसापारा में लाल मिट्टी की पिच रहेगी। वहीं कोलकाता में काली मिट्टी की पिच थी। लाल मिट्टी की पिचें लगातार उछाल देती हैं और जल्दी टूटती नहीं हैं। इससे साफ है कि इस पिच पर बाद में स्पिनरों को लाभ होगा। बीसीसीआई ने गुवाहाटी के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक को किस प्रकार की पिच बनानी है। इसकी जानकारी दे दी है। बोर्ड नहीं चाहता कि पहली बार टेस्ट का आयोजन कर रहे गुवाहाटी के साथ 'रैंक टर्नर' का तमगा जुड़ जाये। यही कारण है कि दूसरे टेस्ट में पिच से गति और उछाल मिलने की उम्मीद की जा रही है। अगर गेंद स्पिन भी करती है, तो भी वह गति और उछाल के साथ होगी। इससे बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान रहेगा। बीसीसीआई यह भी पक्का करना चाहता है कि पहले दिन से ही पिच में असमान उछाल न हो। ये सभी जानते हैं कि भारत में पिचें टूटती हैं और बल्लेबाज़ों को अनियमित उछाल के कारण परेशानी होती है। अब बोर्ड गुवाहाटी में कोलकाता जैसे हालात नहीं चाहता है। बरसापारा की पिच लाल मिट्टी से बनी है, जिससे तेज़ गति और उछाल मिलने की संभावना अधिक होती है। भारतीय टीम ने घरेलू सत्र से पहले ही अपनी माँगें स्पष्ट कर दी थीं। इसलिए, अगर पिच से उछाल मिलता है, तो वह तेज़ गति और उछाल के साथ घूमेगी। वहीं क्यूरेटर यह तय करने का प्रयास कर रहे हैं कि कोई ख़ास उतार–चढ़ाव वाला उछाल न हो।

मानसिक रूप से तरोताजा रहने में कैसे मिलती है मदद, शार्दुल ठाकुर ने बताया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर और मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने बुधवार को कहा कि घरेलू सत्र के दौरान लाल गेंद के मैचों के बीच कुछ सीमित ओवरों के मैच खेलने से खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तरोताजा रहने में मदद मिलती है। शारदुल ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा कार्यक्रम की भी सराहना की जो लगातार दूसरे सत्र में दो चरण में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने पहले इस प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता के व्यस्त कार्यक्रम की आलोचना की थी जिसमें मैचों के बीच केवल तीन दिन का अंतराल होता था।

शारदुल ने बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई की पुडुचेरी पर पारी और 122 रन की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, 'इस पर हमेशा मिश्रित राय होगी लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। लगातार दस मैच खेलना शरीर के लिए कठिन होता है।' उन्होंने कहा, 'हमने यह भी देखा है कि ब्रिटेन में कार्यक्रम कैसा होता है। वे लगातार सात या आठ प्रथम श्रेणी मैच खेलते हैं और फिर ब्रेक के बाद खेलते हैं। वे बीच में कुछ सीमित ओवरों के मैच भी रखते हैं जिससे कि सभी मानसिक रूप से तरोताजा रहें।'

शारदुल ने कहा, 'वरना आप तीन महीने तक सिर्फ एक ही प्रारूप खेलते हैं और फिर अचानक सीमित ओवरों का क्रिकेट और फिर लाल गेंद का क्रिकेट पीछे छूट जाता है। इसलिए यह अच्छा है कि हम पांच मैच खेल रहे हैं और हमें थोड़ा ब्रेक मिल रहा है। फिर हम सीमित ओवरों का टूर्नामेंट खेलेंगे और फिर से लाल गेंद के क्रिकेट में उतरते हैं। इस तरह सभी लय में रहते हैं। वे दोनों प्रारूप के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहते हैं।'

आईपीएल 2026 से पहले मुंबई इंडियन्स से जुड़ने पर शारदुल ने कहा कि यह काफी समय से लंबित था। उन्होंने कहा, 'हर कोई अपने घरेलू स्थल और घरेलू मैदान पर खेलना पसंद करता है। मुझे लगता है कि यह कई वर्षों से लंबित था। लेकिन जब समय आएगा तभी यह संभव होगा। मुझे लगता है कि आखिरकार समय आ गया है।'

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में बड़ी दीदी का किरदार निभाना चैलेंजिंग

दिल्ली क्राइम सीजन-3 और महारानी-4 से ओटीटी पर तहलका मचाने वाली हुमा कुरैशी हर तरफ छाई हुई हैं। दोनों ही सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और अब एक्ट्रेस ने दिल्ली क्राइम सीजन-3 को लेकर खुलकर बात की है और साथ ही इस बात पर भी जोर दिया है कि सिनेमा में हर तरह की फिल्में बननी चाहिए, चाहे वे छोटी हो या बड़ी। हुमा कुरैशी ने आईएएनएस से बातचीत में बड़ी और छोटी दोनों तरह की फिल्में बनाने पर जोर दिया। हुमा ने कहा, हिंदी सिनेमा के लिए हमेशा बड़ी फिल्में ही जरूरी नहीं हैं, इतनी ही जरूरत छोटी और कम बजट वाली फिल्मों की भी है, और ऐसे कार्यक्रम उन सभी स्टार्स, निर्देशकों, और एक्टर्स को प्लेटफॉर्म देते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमें अच्छी फिल्में बनानी होंगी। हमें ऑडियंस को देखकर अलग-अलग तरह की फिल्में बनानी होंगी। बार-बार एक तरह की फिल्म बनाने से नहीं होगा। बड़ी फिल्में और छोटी फिल्में दोनों को बराबर अहमियत देने की जरूरत है। दिल्ली क्राइम सीजन-3 में अपने निगेटिव रोल पर बात करते हुए हुमा ने कहा, मैंने पहली बार जिंदगी में इतना निगेटिव रोल प्ले किया है। जब पहली बार मुझे कॉल आया, तो मुझे लगा कि कॉप के किरदार के लिए फोन किया होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, आपको निगेटिव रोल करना होगा। ये रोल मेरे लिए प्ले करना मुश्किल था, लेकिन मजा भी आया। उस वक्त में महारानी-4 की शूटिंग भी कर रही थी। मेरे लिए एक ही समय पर दो तरह के अलग रोल प्ले करना आसान नहीं था।

बता दें कि दिल्ली क्राइम सीजन 3 में हुमा कुरैशी ने एक दीदी का रोल प्ले किया है, जो छोटी बच्चियों की तस्करी करती है। सीरीज इस बार बस दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार विदेश तक फैले हैं। दिल्ली क्राइम सीजन-3 14 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जबकि महारानी का नया सीजन 7 नवंबर को रिलीज हो गई थी। सीरीज को ऐसे मौके पर रिलीज किया गया, जब बिहार में जनता नई सरकार चुनने की तैयारी में थी। महारानी-4 बिहार की राजनीति पर बनी सीरीज है, जिसके शुरुआती तीन सीजन जबरदस्त रहे हैं। चौथे सीजन में कहानी को आगे बढ़ाते हुए इस बार पीएम पद की लड़ाई देखने को मिली है।

बॉलीवुड में सब बस अपना फायदा देखते हैं, यहां कोई किसी के लिए नहीं लड़ता

सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में वो नेगेटिव रोल में हैं। उन्होंने बताया कि ने देखा कि कुछ असिस्टेंट डायरेक्टर्स रात के डेढ़ बजे फुटपाथ पर बैठकर कैब की राह देख रही थीं। जॉली एलएलबी 2, फोर मोर शॉट्स प्लीज, पगलैट जैसी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रहीं ऐक्ट्रेस सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में सयानी नेगेटिव भूमिका निभा रही हैं।

किसी को तो विलन बनना पड़ेगा

खुद एक फेमिनिस्ट होने के बावजूद सीरीज में बच्चियों के साथ हिंसा करने जैसे सीन करने को लेकर सयानी कहती हैं, हम ऐक्टर हैं और ऐक्टर होने के नाते आप हर तरह का रोल करना चाहते हैं। किसी को तो विलन बनना पड़ेगा। किसी को तो बुरे इंसान का रोल भी करना पड़ेगा और कन्विंसिंग तरीके से करना होगा। मैंने अपने 14 साल के करियर में दूसरी बार बुरे इंसान का रोल किया है और मुझे बहुत मजा आया क्योंकि मैं इसमें बहुत ही बदमाश हूं, जबकि असल जिंदगी में बिल्कुल भी बदमाश नहीं हूं। पर्सनली मुझे हिंसा से नफरत है, मैं ट्रिगर हो जाती हूं, पर इसमें मारपीट करने, गंदी-गंदी भाषा में गाली देने में बहुत मजा आया, क्योंकि जो आप नहीं रियल में नहीं कर सकते, वह ऐक्टर के तौर पर करने में भी एक मजा है। फिर, देखा जाए तो कोई भी इंसान पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं होता। शो में ही मेरे किरदार कुसुम की बात करें तो वह खुद दबाई गई है, इसलिए क्रूर बन गई है।

वो मुद्दे परेशान करते हैं वो दिखाना पसंद

लेकिन क्या लड़कियों की बेबसी का फायदा उठाने, उनकी सौदेबाजी जैसे सीन उन्हें झकझोरते या परेशान करते हैं? इस पर उन्होंने कहा, मुझे असल में उल्टा लगता है कि हम ऐक्टर्स के पास ये हथियार है कि जो चीजें या मुद्दे हमें परेशान करते हैं, उनको दिखाकर हम लोगों को सोचने पर मजबूर कर सकते हैं। मतलब, जो मुद्दे मुझे परेशान करते हैं या सोच में डालते हैं, मैं उन कहानियों का हिस्सा जरूर बनना चाहूंगी, क्योंकि अगर हम किसी फिल्म या शो के जरिए उसे मेनस्ट्रीम में ला पाएं और उस पर चर्चा हो तो इससे बेहतर क्या होगा। वे लड़कियां इतनी रात में घर कैसे जाएंगी। मुझे लगता है कि हम ऐक्टर उस जगह पर हैं जहां उन लोगों के लिए बोल सकते हैं, जिनकी नहीं सुनी जाती तो आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है।

हमारे यहां कोई दूसरे के लिए नहीं लड़ता

सयानी को फिल्म सेट पर टीम संग गैरबराबरी से जुड़ी कई चीजें भी परेशान करती हैं। शूटिंग की शिफ्ट तय होने की चर्चा छिड़ने पर वह बेबाकी से कहती हैं, हमारे यहां ऐक्टर की मजबूत यूनियन ही नहीं है। जैसे हॉलिवुड में एआई को लेकर इतनी बड़ी हड़ताल हुई। पूरी इंडस्ट्री के ऐक्टर, डायरेक्टर वो चाहे कितने भी अनुभवी या नए थे, हर कोई साथ आया, काम बंद किया। हमारे यहां ऐसा नहीं है। यहां सब अपना-अपना सोचते है। कोई किसी के लिए नहीं लड़ता। हम भारतीयों की सोच यही है कि हमारा काम नहीं जाए। मैं क्यों लड़ूं, यहां हर कोई ओवरटाइम करता है जिसका उन्हें कोई एक्स्ट्रा पैसा नहीं मिलता। देखिए, बतौर ऐक्टर मैं 20 घंटे भी काम हुआ तो करूंगी, पर जो लाइटमैन सबसे पहले आता है और सबसे बाद में जाता है और वो ट्रेन से जाएगा। उसके पास गाड़ी नहीं है। ऐसे सैकड़ों लोग सेट पर होते हैं, जिनके लिए बेसिक सुविधाएं नहीं होतीं।

ब्रेक के बाद निर्देशक दानिश असलम की फिल्म से वापसी करेंगे इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान 10 साल बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। वह अपने पुराने दोस्त और निर्देशक दानिश असलम के साथ एक नई फिल्म बना रहे हैं, जिनके साथ उन्होंने 15 साल पहले ब्रेक के बाद बनाई थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में इमरान ने अपनी वापसी और इस फिल्म के बारे में खुलकर बात की।

इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी आगामी फिल्म ब्रेक के बाद की तरह ही है। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे और दानिश के जीवन के अनुभवों से बनी है। दानिश की शादी हो चुकी है, और मेरा तलाक हो गया है। यह एक निजी प्रोजेक्ट है, जो दोस्तों के साथ मिलकर कहानी कहने की इच्छा से शुरू हुआ। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह पोस्ट-प्रोडक्शन में है। जल्द ही स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज डेट की घोषणा होगी।

ब्रेक के बाद की कहानी

इमरान ने बताया कि उन्होंने पहले ब्रेक के बाद फिल्म के लिए मना कर दिया था। उस समय वह आई हेट लव स्टोरीज की शूटिंग कर रहे थे। दानिश ने उन्हें कहानी सुनाने की कोशिश की, लेकिन इमरान को कहानी सुनना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने मना कर दिया। बाद में एक पार्टी में दानिश से मुलाकात हुई और उनकी बातचीत से इमरान का मन बदल गया। दानिश ने उन्हें स्क्रिप्ट भेजी, जो इमरान को पसंद आई, और फिर उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू की।

इमरान का करियर

आखिरी बार इमरान 2015 में फिल्म कट्टी बट्टी में नजर आए थे। इस फिल्म के बाद उन्होंने अभिनय छोड़ दिया था, क्योंकि उन्हें मिलने वाले किरदार पसंद नहीं आ रहे थे। अब वह वापसी कर रहे हैं, लेकिन वह अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर बहुत सावधानी बरत रहे हैं।

मां वंदे में पीएम मोदी की मां का किरदार निभाएंगी रवीना

रवीना टंडन हमेशा अपने दमदार और संवेदनशील अभिनय के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म पटना शुक्ला और लॉयर में उनके प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब खबर है कि रवीना एक और महत्वपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक मां वंदे का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में रवीना, प्रधानमंत्री की दिवंगत मां हीराबेन मोदी की भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन क्रांति कुमार करेंगे, जबकि दक्षिण भारतीय अभिनेता उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... रवीना इस किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वह हमेशा से हीराबेन की सादगी, संघर्ष और कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक रहने की क्षमता की प्रशंसक रही हैं। एक सूत्र ने बताया कि यह फिल्म मां-बेटे के रिश्ते पर बेस्ड भावनात्मक फिल्म होगी। इसमें हीराबेन के त्याग, उनकी दृढ़ता और मोदी के जीवन में उनके योगदान को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। रवीना, हीराबेन के जीवन की इन्हीं बातों से प्रभावित होकर इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। साउथ इंडस्ट्री के एक्टर उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे।

लक्ष्मण उतेकर की फिल्म ईथा में दिखाई देंगे रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी नई फिल्म ईथा को लेकर चर्चा में हैं। 2024 में रिलीज हुई स्त्री 2 की बड़ी सफलता के बाद श्रद्धा अब एक बार फिर अलग अंदाज में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं, जिन्होंने पहले छावा जैसी फिल्म बनाई थी। ताजा जानकारी के अनुसार... फिल्म में श्रद्धा के साथ अभिनेता रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह पहली बार होगा जब श्रद्धा और रणदीप स्क्रीन पर दिखेंगे। दोनों के बीच लगभग 11 साल की उम्र का अंतर है। शूटिंग महीने के अंत तक मुंबई में शुरू होने वाली है। रणदीप और श्रद्धा दोनों को लेकर निर्माता बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि दोनों ही कलाकारों में गहराई और बहुमुखी प्रतिभा है, जो निर्देशक की सोच से पूरी तरह मेल खाती है।

कहानी की बात करें तो यह फिल्म एक मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक है। श्रद्धा इस किरदार के लिए लावणी डांस की ट्रेनिंग ले रही हैं।

हैवान में अक्षय को चेज करते दिखेंगे सैफ

अक्षय कुमार के काम की स्पीड एक बार फिर चर्चा में है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म हैवान की शूटिंग हाल ही में मुंबई के चर्चगेट स्टेशन के पास पूरी हुई। इसमें अक्षय और सैफ अली खान ने लगातार पांच देर रातों तक शूटिंग कर फिल्म का क्लाइमेक्स सीक्वेंस कंप्लीट किया। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इस सीन में करीब 30-40 कारें और 100 जूनियर आर्टिस्ट शामिल थे, जिसे एक्शन डायरेक्टर स्टंट सिल्वा ने कोरियोग्राफ किया। रात के समय आउटडोर शूटिंग को लेकर प्रियदर्शन ने कहा कि... मुंबई जैसे व्यस्त शहर में इतनी बड़ी यूनिट के साथ शूट करना आसान नहीं था लेकिन अक्षय और सैफ ने बेहद प्रोफेशनल अंदाज में साथ दिया।

मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है ये फिल्म

दिलचस्प बात यह है कि अक्षय आमतौर पर जल्दी सोने के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने इस लेट-नाइट शूट में पूरी तन्मयता से काम किया। फिल्म हैवान प्रियदर्शन की 2016 की मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है। जहां मूल फिल्म में मोहनलाल ने लीड निभाया था, वहीं हिंदी वर्जन में सैफ ने एक नेत्रहीन व्यक्ति के किरदार में हैं, जिसकी सूंघने और सुनने की शक्ति बेहद तीव्र है। वे अक्षय के विलन किरदार से भिड़ते हैं।

अगस्त में शुरू हुआ था शूट

प्रियदर्शन ने बताया... हैवान एक कॉमेडी थ्रिलर है जिसमें नायक और खलनायक के बीच चूहे-बिल्ली की पकड़म-पकड़ाई जैसे खेल चलता है। फिल्म का बड़ा हिस्सा अगस्त 2025 में शूट होना शुरू हुआ था और अब लगभग पूरा हो चुका है।

बता दें कि अक्षय ने दुबई में वेलकम टू द जंगल की शूटिंग शुरू करने से पहले अपना हिस्सा खत्म कर लिया था, जबकि सैफ के कुछ सीन्स बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में फिल्माए जा रहे हैं। प्रियदर्शन के लिए 2025 काफी प्रोडक्टिव रहा है। 69 साल की उम्र में उन्होंने भूत बंगला और हैवान जैसी दो बड़ी फिल्में पूरी की हैं। हैवान 2026 की शुरुआत में रिलीज होगी और इसे प्रियदर्शन की सबसे बड़ी हिंदी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है।

बैक-टू-बैक कई प्रोजेक्ट हैं अक्षय के पास

अक्षय, प्रियदर्शन की एक और कॉमेडी-हॉरर फिल्म भूत बंगला में भी दिखेंगे। इसमें उनकी जोड़ी तबु के साथ 25 साल बाद बनेगी। साथ ही परेश रावल और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कॉमेडियन भी फिल्म में नजर आएंगे। वहीं 2027 में ही रिलीज होने वाली उनकी ओह माय गॉड फिर एक बार सामाजिक और धार्मिक पाखंड पर व्यंग्य करेगी, जिसमें अक्षय एक बार फिर गॉड के मैसेंजर बनेंगे।

वहीं 2027 साइको में आने वाली है जो एक साइकोलॉजिकल एक्शन थ्रिलर है। यह अक्षय को एक डार्क और गहन अवतार में दिखाएगी। इसके अलावा रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का अगला अध्याय सूर्यवंशी 2 है, जिसमें अक्षय, अजय देवगन और रणवीर सिंह एक साथ फिर से धमाकेदार एक्शन अवतार में लौटेंगे।

श्रिया पिलगांवकर ने भी पूरी की फिल्म हैवान की शूटिंग

श्रिया पिलगांवकर ने भी हैवान की शूटिंग पूरी कर ली है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। श्रिया ने निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें दोनों मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में श्रिया हाथ में एक क्लैप बोर्ड पकड़े दिख रही हैं, जिस पर फिल्म का नाम हैवान लिखा है। श्रिया ने लिखा... मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक सौभाग्य रहा, जिसका नेतृत्व निर्देशक प्रियदर्शन ने किया।

हेल्थ का आईना पैर

अगर चेहरा मनुष्य के चरित्र का आईना है, तो आपके पैर स्वास्थ्य का आईना। अरे, यह हम नहीं, बल्कि मेडिकल साइंस कह रहा है। मेडिकल साइंस के अनुसार पैरों से व्यक्ति की सेहत की जानकारी ली जा सकती है।

पैरों से मिलने वाले संकेतों को पहचान कर समय रहते विभिन्न बीमारियों का पता लगाया जा सकता है, इसलिए अगर पैर स्वस्थ रहेंगे तो आप भी स्वस्थ रहेंगे। आइए जानते हैं पैरों के कुछ ऐसे लक्षण जो देते हैं संकेत–

पैरों का ठंडा पड़ना

पैरों का ठंडा पड़ना थॉयराइड के कारण हो सकता है। 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के पैर ठंडे होने का मतलब थॉयराइड ग्लैंड का कम एक्टिव होना है। महिलाओं का बॉडी टेम्प्रेचर पुरुषों की तुलना में कम होता है।

पैरों का फटना

ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं को पैर फटने या जलन की शिकायत रहती है। सही तरीके की एक्सरसाइज न करने या शरीर में पानी की कमी से पैर फटते हैं। अगर ऐसा बार–बार होता है तो शरीर में कैल्शियम, पोटेशियम या मैग्नेशियम की कमी हो सकती है। इससे बचने के लिए बैलेंस डाइट लेनी जरूरी है। जहां तक हो सके आप ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं।

पदार्थों की कमी बताए नाखून

पैरों के नाखूनों से शरीर में मौजूद पदार्थों की कमी का पता लगाया जा सकता है। कोई भी समस्या अकसर शरीर में किसी कमी की निशानी होती है। नाखूनों का सफेद होना शरीर में कैल्शियम की कमी की निशानी है। पीलापन हीमोग्लोबिन की कमी का संकेत है। ऐसे में नाखून टूटने भी लगते हैं।

सुन्न पड़ना

अगर पैर सुन्न पड़ते हों या सुई चुभने जैसा कुछ अहसास हो तो यह पैरीफेरल नर्वस सिस्टम डैमेज होने का संकेत हो सकता है। डायबिटीज के कारण या ज्यादा नशा करने से ऐसा हो सकता है। थोड़ी–सी लापरवाही भी बड़ा रूप ले सकती है। इसलिए समय रहते ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं, ताकि आगे किसी भी परेशानी से बच सके।

याद रखें

- पैरों को स्वस्थ रखने के लिए प्रॉपर एक्सरसाइज करें।
- ज्यादा से ज्यादा पानी या फ्रूट जूस लें।
- कैल्शियम की कमी होने पर कैल्शियम की गोलियां लें।
- पैरों को प्रॉपर ढंककर रखें।
- नंगे पैर कहीं भी न जाएं।
- पैरों की एड़ियां जैसे ही फटें, उन पर क्रेक क्रीम जरूर लगाएं।

आंख में कैमरा

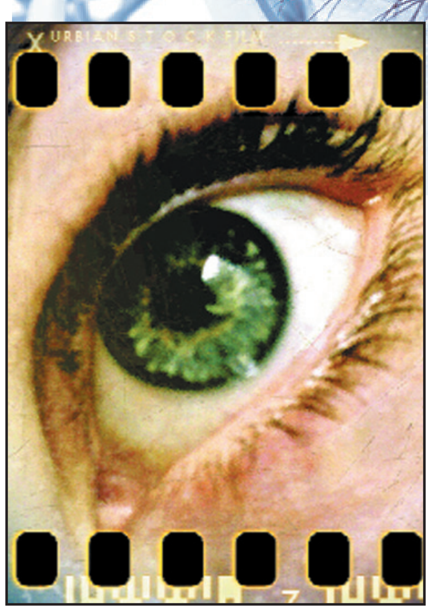

अभी तक आपने फिल्मों में ऐसे हीरो देखे होंगे, लेकिन यह एक हकीकत है। गोलीकांड में अपनी एक आंख गंवा चुके ब्रिटिश फिल्म निर्माता रॉब स्पेंस ने आंख की जगह कैमरा फिट करा लिया है। इस कैमरे में वे सारी चीजें रिकॉर्ड होती हैं, जो वह देखते हैं।

स्काई न्यूज से बातचीत में रॉब ने कहा, यह उतना आसान नहीं, लेकिन इंजीनियरों को मेरी आंख के लिए कैमरा बनाने में काफी मजा आया होगा। रॉब की आंख में लगे कैमरे में ठीक उसी तरह की तकनीक का प्रयोग गया है, जिस तरह एक वायरलेस माइक्रोफोन ट्रांसमीटर होता है। यह यंत्र उनके दिमाग से नहीं जुड़ा है और सिर्फ रिकॉर्डिंग करता है। रॉब्स को ह्यूमन रिवोल्यूशन नामक वीडियो गेम बनाने वाली कंपनी ने एक वृत्तचित्र बनाने का जिम्मा सौंपा है। यह वृत्तचित्र वर्ष 2027 तक ऐसे मनुष्यों की कल्पना को चित्रित करेगा, जो आधे मानवीय गुणों से युक्त हैं और आधे मशीनी हैं। रॉब कहते हैं कि तकनीक तो विकसित है ही और भविष्य में इस क्षेत्र के लिए अनंत संभावनाएं हैं। लोग कहते हैं कि कोई स्वयं का हाथ काटकर उसे बदल नहीं सकता, लेकिन अगर तकनीक किसी को शानदार कृत्रिम हाथ देने में सफल रहती है तो लोग इसके बारे भी में सोचना शुरू कर देंगे।

कैंसर दूर भगाएगी फूलगोभी

फूलगोभी खाइए और कैंसर को दूर भगाइए। अरे भई यह हम नहीं, बल्कि ब्रिटिश वैज्ञानिकों का कहना है। उन्होंने पता लगाया है कि फूलगोभी की एक खास किस्म कैंसर और दूसरी जानलेवा बीमारियों को दूर भगाती है।

26 साल की कड़ी मेहनत के बाद इस नतीजे पर पहुंचे यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे कैंसर पर काबू पाया जा सकेगा। वहां एक खास प्रजाति की फूलगोभी की खेती की जाती है। इटली से लाई गई कुछ फूलगोभियों से इनकी ब्रीडिंग शुरू की गई है और इससे आखिरकार फूलगोभी की नई वैरायटी विकसित की गई, जो दिल की बीमारी से भी लड़ सकती है। फूलगोभी में ग्लूकोरैफैनिन की प्रचुर मात्रा होती है, जो कई दवाओं से ज्यादा कारगर है।

कम खाओ ज्यादा जिओ

यह यकीन करने वाली बात नहीं है, लेकिन सच है। एक अध्ययन से पता चला है कि जहां औसत भोजन करने से शरीर सुडौल और स्वस्थ रहता है, वहीं जो कम खाते हैं, उनकी उम्र ज्यादा खाने वालों की अपेक्षाकृत अधिक होती है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के अनुसार, जानवरों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि जो जानवर सिर्फ जीने के लिए पर्याप्त आहार पर निर्भर रहते हैं, उनका जीवन चक्र काफी लंबा होता है। अध्ययन के लिए जानवरों को दो वर्गों में बांटा गया था। इसके बाद दिए गए अलग–अलग आहारों के आधार पर उनका अवलोकन किया गया। इस प्रक्रिया से वैज्ञानिकों ने पाया कि जिन जानवरों को लो–कैलोरी फूड दिया गया, उनकी जीवन अवधि ओवर इटिंग करने वाले जानवरों से ज्यादा रही। इस अनुसंधान के आधार पर माना गया कि यदि जानवरों में इस तरह के गुण पाए जा सकते हैं, तो इंसानों पर भी डाइट का असर अवश्य होगा।

हाई हील पहनकर ड्रिंक खतरनाक

वैसे तो महिलाओं को विशेषकर युवतियों को हाई हील पहनने का बड़ा शौक होता है। यह जहां आपके फैशन में चार-चांद लगाते हैं, वहीं आपके लिए मुसीबत का द्वार भी खोल देते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो हाई हील पहनकर ड्रिंक करना बेहद खतरनाक हो सकता है।

आजकल मल्टीपल फ्रैक्चर के केस उन महिलाओं में ज्यादा देखे जा रहे हैं, जो हाई हील पहनकर ड्रिंक करती हैं। हाई हील से होने वाला यह फ्रैक्चर इतना खतरनाक होता है कि इलाज के बाद भी मरीज दौड़ने में असमर्थ होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक हाई हील के कारण आपका पूरा शरीर जमीन से 8 इंच की दूरी पर हवा में रहता है। इससे बैक बोंस पर जोर पड़ता है और वह टेढ़ी हो जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार ज्यादातर महिलाओं को फ्रैक्चर हील पहनकर गिरने से होता है। यह घटना उन महिलाओं में ज्यादा देखी जा रही है, जो शराब का सेवन कर हाई हील पहनकर चलती हैं और वह ज्यादातर 20 साल से कम उम्र की पेशेंट होती हैं। चोट लगने के बाद ठीक होने में उन्हें छह महीने का समय लग जाता है। शौक के तौर पर हाई हील पहना जा सकता है, लेकिन ड्रिंक करने के बाद इसे पहनने से बचें। क्योंकि ड्रिंक करने के बाद शारीरिक संतुलन बिगड़ जाता है और गिरने की आशंका बढ़ जाती है।